यःचबीयःश्री चैत्राम्यःचेरःचश्यःयर्गम्यञ्जेरः चैत्रामःर्यःचर्यश्यःयर्गमञ्जेरः चैत्रामःर्यःचर्यःचर्यः चैत्रामःर्यःचर्यः चित्रं



२मो.र्स्च.क्षेच.तर्मिट.सूँचा.देल.ायट.चेश.पङ्गीचाशा



## तहमायाचे र द्वाय सुरा स्तर मार्य प्रमा तहमा



२०। विष्यास्त्रस्थाः स्ट्रिय्ट्रियायः म्हेन् स्ट्रिय्यायः स्ट्र्यायः स्ट्रिय्यायः स्ट्रिय्यायः स्ट्रिय्यायः स्ट्रिय्यायः स्ट्र्यायः स्ट्रिय्यायः स्ट्र्यायः स्ट्

 यद्ध्यःद्ध्यायः स्वार्त्वे विष्णः स्वार्वे विष्णः स्वार्त्वे विष्णः स्वार्वे स्व

दे.लट.प्र.भूंता.कु.पर्ट्रच.ता.भूंचश.चर्ड.शटत.च.शश्रेश.श्चर.चा.कुट.श्चंश.त्र्य. चवित्र.चेत्र.विश्वर.विश्वर.विश्वर.विश्वर.च्यंत्रच्यंत्रच्यंत्रच्यंत्यंत्रच्यंत्यंत्रच्यंत्यंत्रच्यंत्रच्यंत्रच्यंत्यंत्यंत्रच्यंत्यंत्यंत्रच्यंत्रच्यंत्यंत्रच्यंत्रच्यंत्रच्यं अघर घुना परेत नाहेश तुर पहना नी रेस या इससा दें सासे र परे रेनास प्रसान हता था। संस्थान स्वापन के साम का सम्मान स्वापन स यन क्या क्र स्व मु अव प्या मीय प्रमुव हे मिट हते र्खेय येग्य प्रमु प्रमु न प्रमु मिं निते हे या सुरव नित्र नित्र नित्र नित्र नित्र नित्र वित्र वित्र स्वर मिल्य नित्र वित्र वित्र स्वर मिल्य वि नगय नवे में भे त्यम नुवर वर्षेर नर रेगम रागे न प्येन है। ने प्यर हे वर्षे है नुवा न न्नर रेंदि में मामी श्वर हर हें हो बेमा यदे प्यसान बरा बरा से प्राप्त स्थान प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प् न'तुब'र्खेम'य'भ्रे'क्ष'नर'भ'नम'यदे'दहेम'हेक' इसम्रु'र्सेय'नर'न्स'नठब'यय। नेदे' कें र्सुनायान दुवे कुवान ख्यान रुया गुया कुवान ख्यान रुया वर्या वर्या वर्या वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष के'नरम्नीनम्भात्रम् मुलास्माक्षेटार्स्रेनम्फेत्रर्भेत्रम्भेत्रम्नेत्रम्मेत्रम्निम्म्रान्दा नन्मारमामी र्ह्ने न्ययाण्ट नर्मे द्याया अवर व्यमा पहें न यर प्राप्त न सून या से मायाण्या क्रेन्यते स्वेम्प्ना माल्यन्त्र मार्श्वाया श्रेन्य मान्याया या या या या प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त त्वुर र्सेभ हेरी देश कर्त्य भेर ग्री कुर वस्त्र र ग्राटा वस्त्र मेश ग्री कुर महिस सु तह्रान्ययाम्निन्दे मानेन्द्रम्य न्या पहिम्याम्यु अमी न्याय र्दे हे पहिम्या ह्येत्र श्रेमा रता पुरम्वरूप परि र्के मा ५८ विस्था परि मासुट सुर पुरम्बर ५५ सूता पाया है। यर लुग्राश र्शे।

रे.लट.प्रथम्भेशभाशिशतम्,यप्रची.यप्रची.यप्रम्मे,यन्त्रम्,य्यस्त्रम्,य्यस्त्रम्,य्यस्त्रम्,य्यस्त्रम्,य्यस्त्रम् अवतःर्यात्रेयस्य विश्वस्त्रम्,यप्रची.यप्रची.यप्रम्मे,यन्तरः स्त्रम्,यास्त्रम्,यास्त्रम्,य्यस्त्रम्,य्यस्त्रम्

वेगायते पश्रुव या पहें व या या की पहे ग्राया के प्राया के बारा में है प्राया यह का या विकास के वितास के विकास क र्नोटबायदे कुर कुर मन् र्रोका दहेन यदे नाव नगर सुमा वेगाय नग कर सकेर गूर मुःवान्तर् देशमादान्दा मायदान्द्रयायदेगायेर सुः चुन उन्नेवान्य वि ह्मग्रा मुर्ण्युः इस्राचनर माठ्ठेया चह्चेर हिग्या गुःधेमा क इस्रया रहा केंश्रामुया गुः लया वयमामिनेरसा वक्रमसमिया न्युमार्ने विमास्यायस्य महत्त्रसम्बर्धसम्बर्धस्य भेरायदे हैं तायर भटवा में श्री वितास मार्थित में निया में भर्दि। मर्नेर ह्वैन र्थे माठेम मैश ह्वैन परमामी मार्ड में प्रीत भरे मार्ड में पर स्वार स्व र्यरमानिन हे माने द णैया हेया शुप्त बुद प्राये इत्या वर्जे र पाके न प्राये माने या विमानिया व भ्रयात्वर्भाराम् त्वीता वेषायीता मध्या मैरामी तह्यायामी क्षाया तिया स्थाया मिरामी बैट'स'सप्रेच्च्र'च्चे'चन्द्र'भ्रम्'स्येचे केद'र्5'म्बस्य'देर'म्बेर्थ'र्स्चेट'स्ट्रा सूद'च्चे'स्य र्भागिष्ठभाग्नी नित्रान्यार्क्या श्रुन ने ने मार्थित्या ने निया है जिन्या मायत स्तर अर्थेत क्रिन मार्थित राक्षाञ्चर्यास्याद्वम्यासीम् वर्षात्राम्याय्यादिसायकराष्ट्रम् यस्ता देवयायासीस्यासीस्य यदैःहैदःदमेःयदुनःगुचःददःअहभःदुःग्रद्धःयायेवशःन्यःगुदःकेनःसूरःवदःहःनगः र्शेनायासुर्ग्यात्वर्षानीयम् अर्देर्सुनायाणुर्वे विक्रास्त्रस्य अर्थाः स्वरास्त्रीयः अर्द्राद्वयायाः यामुर्जदर्केन्स्राचेर्याहेसासुरनग्राभिसाक्षुन्स्रीरमाविस्राक्षम्सायाधेन। सुमासायमार्येरा हे.रमे.पर्यस्मितार्यम्बात्त्र्यात्रम्बात्त्र्याः विद्यस्याम्यात्राः हे.पर्द्याः णुटाम्डिन्युटाकुप्दुबाबुर्चेन्नबाधुरार्वेन क्षाधुरार्वेन क्षेत्र क्षा दे क्षा दे सुदादुर्वे क्षेत्र स्वा केन्य क्ष्याम्बिससान्ययान वटायार्केसासटानु म्यान्या म्यान्यायनुसायदेश्यकन् १९४ वस्यायम् अह्री ने स्थान्यवि स्त्रिन् ने स्थान्य स्थान्य स्याप्य मुचार्मे के वि ने स्थान्य मुचार्मे के वि स्थान्य स्थान यंत्रें र्भेर-८८.८हमाबान्चेर-कुर्भर-खेबायश्चराल्या सेवायाने।

*য়ৢ*৴ॱয়८ॱॻॖ८ॱळेढ़ॱऒ॔ॻऻॺॱয়ॖॱॾॆॱ५९ैॱय़ॱ୴य़ॱॺॖॺॱॻऻऀ१॓ॺॱॻॖऀॱॺऻॸ॔ॱख़॒ॻऻॺॱॻॖऀॱळे॔ॺॱॺ८ॱ५ माशुम्या नयसात्मुन सेते माज्ञस्य स्टानने माया पुरहे तने पानसूर नते स्वापनसूर या भुष्यक्षया द्यार्थे स्याह्य द्या द्या द्या द्या द्या व्याय या व्याय व्याय व्याय विष्य द्या विष्य द्या विष्य र्श्वायायहर्पयायक्षुत्राययार्म्यायाप्टा कुरामुः र्विमायदे नापदे ये। देवा पर्वेर या हु। च्री प्राप्त विष्णु क्षा मुन्यू क्षा मुन्य प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र में सर्-त्याः स्वतः त्याः तुसः याः यादः चुँदेः र्द्धवः तुः स्वयः यदः र्स्ते वः सः यास्य स्थाराः चैत्रास्य स्वाराः च वह्रम्यायावम् त्राच्याचा न्ययाष्ट्रम् सून्युन्यो वक्तास्याच्याम्या लबानाम्बर्धिता तथाम्चीरम्भानाभवत्रत्मातान्तरम् मुन्द्रभूत्राम् मुन्द्रभूत्रभावशः गुन केन में मुन केन गुन नगर रेन गुन प्याप्य र तुय र्षे र गुमय प्याप्त मुन र जुमय प्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प नत् बैर्.वी.र.के.वैर.क्र्रे.र.वे.वाचाबानपु.वी.क्र्रा.पर्पुत्रतिवा.जुब.तरःक्रेट.तरःचण्र्राता क्षराश्चेयायाया पर्नेराहे प्रथम उर्गमित्र महीयाययायायायाय पर्नेरायम् चलेक् स्यापर्चेराया श्वेकाया ५८ रह्या विश्वशाया श्वेषाश्वायपरे श्वेदाया ५८ । विश्वशायाया र्शेम्बायपि बेस्वा चेस्वा उत्ता में देव पान देव पान स्वापन स्वापन प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्र ह्या र्रायार्र्यं यायास्यायम्य क्रिया एर्या हिर्यं हे तहे म्या हिर्यं के द्याळेंग्'द्राः र्ह्यायावशुरावायावर्डेद्रायया क्रुदाययाम्शुर्यायवे ग्वियावयावी र्श्रम्थायाधीत्रत्रात्मध्रुत्रयाम्याप्याप्यत्रुत्यम्। द्रार्थिमधुष्यपुष्वेत्याष्ट्रवार्धेरेत्यपुष् र्नेनामठवारु रम्मा भ्रमा भ्रमा अरु मर्गानमा स्रमानरे मायामार्द्धे मर्सेनामा है पर्मानमा नर्राक्षेत्रेयानुषामान्नायमानुषाने। क्षान्यात्वियाचीन्मायान्त्रेमायान्त्रेमायान्त्रेमाया चर्डिया हे 'मानेमार्था मार्थिया विदायनमा या से दिया प्राप्त हिमा पा स्थाया या स्थाया प्राप्त स्थाया या स्थाया या स्थाया स्थाया स्थाया या स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्था

न्रर्भेगुरुपह् है र सूषा एव प्यप्तिग एह अ यदे रे हे मनिन हे दे मनि । भर्मेत्र'ने'न्गेर्याया'गुरु'नक्षेत्र'भाषत'त्मेति'मर्दि। विट'त्ह्मा'र्मे'त्यट'सर्देत' चुराभू भी निर्धेया पादि प्रश्ले प्रदेश मुपा इस मित्र स्था निर्धिया निर्धिया निर्धिया निर्धिया निर्धिया निर्धिया र्देन र्थेन र्रे हे प्ये नेय स्या । कुट ये अया निया य सुराय स्या प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प अटतः चन्मा अरु भे अहं नु स्वते व्यवा । मार्शेया चायने चया शें न्देया मुना स्वा मिष्ठेशः हैंया । अशुः हें नशः निष्धाः मुन्तः दें में माना । विद्याः हे के की मा सुर क्रिंगर्ना ने सुरासकेंग नियय स्वाधिय सेट में प्रमुख सेट ल्निया मार्शिय न परेनमः र्भे परें मान्य इसमा हिया नितृत प्रविते मास्य प्रवित् मार् र्थे प्रता । गुरुषष्ठित्र नेय प्रताये प्रमाणे भेय प्रया । प्रिव महिय श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव यःरेत्रः ये के। विश्वेयः यः परे यश्ये परे व्याप्य मुयः स्था विश्व स्था विष्यः यः विश्व यः विश्व विष्यः यः विश्व यार्त्ते, यवटा मानाबा तप्ते, दत्ता । शावबा मीया दशाता कुषा मीया शक्या दि। । हि. हर् भु नहेश र्र्भ गुर्रे हरे विषयमा मार्थिय पर देवस र्थ प्रमान सम मध्रमाङ्गिया भिं.मश्रमाभट्या बीरामियातार नुष्याता जिटा ह्रेम्बाराभट या त्या यद्यामुयाधेः मेया विवादा विवादा देवा अध्या से दा स्वादा स्वादा विवादा विवादा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा परेनमार्भे र्रोम्यान इसमारिया हिंगा । रमो येगमार्थेन हमा स्थाप चुट नदे मान्या । दे अर र्से प्रवाद प्रमुन परि । मदा प्रवाद हेरा । केंया ग्री मुला सर्व पर्देन

यदै'न्यय'र्षेत्र'ठत्। । मर्शेय'न'दनेनश'र्शे'न्देश'मुन'इस'म्रिश हुँया ।र्ह्ने' नवट मुलान गुन मु खुमाय हे ने। । माठिमा नु न स्याय प्रेंन निम मु सर्वेद निया। | श्रुक' मुच' पर्सेक' प्रथा प्रवादा राष्ट्रिक' स्थाप मुन इस मारेश हिया । मुयान गुर मुः अया गरि मार हमा यदा । या भूर भूकिया विश्वापाय देवशर्श द्रिया व्यवस्था विश्वाप्त विश्वापति । दे भूका विश्वापति । यश्चिट क्वा क्षेट रेवि वर्षा विमाय मेन वर्ष प्रविवेगाध्या यश्वर स्था मुया है। । वि'क्यार्पट्रम्यामुप्राकेव्यक्षर्याः विषया । दिर्देषामुप्रामुवामुप्राक्षेत्र युर्-डेम । अर्रेर-द-रेट दशकें रमयश्यस्य उत्तु । प्रह्म न्ययान्यय र्मेश <u> २ मेथा प्रेस प्राच्य १ मेथा प्रमाधिया प्राच्य में प्राच्य प्रमा</u> माशुर्भामी तयदाने त्रुमा र्वेन सुरू हैम । श्चे न गुरु पुरु प्यदान मात्रु शान्दा । वर्षाक्षेत्रक्षाण्चित्रवायायार्येत्रार्श्वेत्रकेता । । यात्रायमाण्चेर्येत्राप्त्रार्या ह्मारायया हि. हे. एक ट. मी. मू. एस ट. श्रें र. ह्या रेमा

क्ष्याः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स्य

ब्रुं निहार दुः भेया मुद्दा निहार में अधार नार में मुका अक्तरा। मुद्दा मुद्दा

त्रयाचुट प्रते मृद्य स्था स्था स्था प्रत्या सुद्य स्था स्था चुट प्रते हैं सुर्य अर्ळत्या ह्याद्ययावरुपंदेरविश्वेत्तं देप्पामी क्षेट्रु र्षंत्राम्य स्थित्य र्ह्स्यार्यामाश्रुभा स्नेटात्र्यास्नेटात्राच सेवायायमा स्वामा महामी श्रुमायामादी द्वुं यायार्येता तस्यासुरायार्यमाययासुरामध्याये सम्पर्वरायतास्यास्ययालु लिटार्यया नमः गुरा धेमोमाशुर्याययार्दिन बेरारेशायायित नुपर्धियायया सुर्रे हेमाशुरार्रे हे बुग्रयार्रहे हे इस्राया नामा द्या प्यामी मासुराया देश चीया चीया प्रसार विदास र ञ्चट हे 'लु नया हुं मीयाम र्नेम र्रे नुया गुः र्सेन सुरया खुः या न्र र से मया यम मुर्या के मुराकार में महामान के प्रमाण के का महामान के प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के बटामक्रिन्चिम्चीमानक्ष्मानक् न'न'र्नु'यता औं यु' हु' स'नुड्ड श्यम इर्मु श्यु हु' स'नुन हें १९ वें हें र प' १९ न पु क्ट्रीट परि दि । स्वा हित्य परि क्ट्री दे परि स्वा कि स्वा के स्व क बु'न'प्यराचुट'नदे'अर्केट'र्धेमा बनय'नरीया दी भे'र्नेग नरुग'र्सेया अर'भे। वयात्रया रेयार्थे इससार्या पवितान रे केंटा इसाया सर्के राह्या मेराया निरायसार्या र्भे दुगामी हुँ ५ खुया ५ जना या के ५ यदी यदे या ए५ यम उत्र यहुँ ५ यम सुमा छैँ। षक्षंष्रः द्वा कें प्राई ष्रः द्वा कें माङ्के ष्रः द्वा कें स्हे ष्रः द्वा कें हु भे ष्रः द्वा क्षें खू कें ने खू ह तूं। कें के से टु खू ह तूं। कें न झ खू ह तूं। दे क्या से न मा ने कर में न मा ने कर मा ने कर में न मा ने कर में न मा ने कर मा ने कर में न मा ने कर में न मा ने कर म ॻॖऀॺॱन्तुन पर्वी औं द्वे १ है १ भे भी दू न न दुं यता औं यु चू भ न इ १ यता इ यु थ 

र्हेन में मानुते प्रचेनमा देते हेट पुरमे मानिया में में प्रमान में न्णैयायर्विमान्यमार्थियाया नेतास्रेतानुः ख्रुश्ययास्रीसर्वितासुमा मुः मेटार्व स्वाध्ययानुदायि र्वेदायार्यारायी देवात्रदामी म्यार्वेदाया नदे न यह मी भ में बाब कर या क्षेत्र खूं या बुह नदे हिदे भ गुबा बार्क या नुन मुः हैं यम चुट निते मुट में केये नित्या सक्त मा चुट मुं यम चुट निते । हित्रम्प्रभाग्यस्य पा न्त्रभाशुः द्वं यथा द्वारा परि भेरिः म्यायस्य भाग्यस्य पर द्विर यं प्यथ चुट नदे ने के के ने या अर्क ना के कु न न मुं प्यथ चुट नदे र मु र थ अर्वत्या वृत्तः वृतः पुरः प्रशेषशः चृतः त्रेशशः प्राप्तः स्था वृतः न्रानु में प्रयास्त्र निर्मा स्वराध्य स्वराधा दत्य सुर्म प्रयास्त्र निर्मा स्वराधा दत्य सुर्म प्रयास्त्र स्वराधा स्वरा सुरास्त्रत्या ह्यास्ययावरुपेंदेरावश्चेतरी देर्वामी सेट दुर्खें द्वार पेंखू १ द्वार यशर्देर्पर्सेशकुटायार्सेमायशकुटाम्प्रिंशको सुर्घेर्पर्देशका सुरान्ति हरा सुरान्ति । र्वियानरा सुरा धिषीषा शुर्भायशार्दे दा बेरारेशाया निवित्र दुः वर्धेशायशा सुर्दे हे माशुट र्हे हे युग्य र्हे हे इस्या नगुग दय थे मो माशुस्य र स्या में या र्वेर्प्यमञ्जूराने लुप्तमा दुंगीयाय र्रेगा रे तुया गुर्जे क्ष्यूरमा ख्रुश्या पर्रा र्मेग्रायर पुरा कें भीरायर सेर सेर लिट सेया यर मुरा कें खु हुं। यन महारा コĚSI

देवमा रूटमी श्रुमाराणादे दुं र्हेन रेदि दें ने से सम्बाध सुवि हमाय स्वाध मुनामार्भुट पर्दे ति तप्र रट परमारा पाना मे। सेनामा भक्षमा सम्मार्भ वर्षेत्रयन्त्री स्नद्रियामीयर्वेद्रयाययात्र्याच्यायायया द्रययर्हे हे वहिमाया चेत्रवयाग्रम्यम्मार्भश्याण्याम्यम्। मामान्द्रव्याप्यस्तरम् यते सुर प्रवेदशयते अर्गे क स्थय ग्री विषय कुं प्रया सुरायते रें हे से पाठिषाया न्गर र्रे त्रि भुगु ठम इसमा सु शुरा के प्याम मु हि मार्रे से प्या पासे र्रे सु कर्षान्या यान्यिकेर्या यात्रेया यात्रेया अत्रेयक्किन्त्रम्य यहुं हुं यत्यत्य युन्त्र विष यम विक्विम विक्व विक्य विक्व विक्य व मुना गानमान दुं पर्डे अनी यत खुन मन माना कें की दूं था हैश्या भेती गेर्गे दृषो नषा नदी दुं हैं यत यस है है है के यस महास है स न्य अँप्यम्भिष्णास्यास्यस्यस्य अक्षुः स्रिक्ष्युः स्रुक्ष्या *णा*भुष्यश्रयारीभुष्यभुर्दुः भुर्दुः श्रुर्दुः श्रुर्द्वा और् न्यारीणार्भेषाश्रयार्थास्य से भूष्य माङ्के या दे ई दुं यु द्वा अँ र भ देगा यें गा यु या या या ये सु या यह या दे ई दुं यु द्वा यायारिसुराष्ट्रार्थिणोयाद्विङ्क्षुंयुद्वा कैंदिनदिगार्थेगायुयायायरिसुराहै भे दु य दे ई दुं यु द्वा के दिन देना के ना ये ना ये या या या ये या या या ये या दे ई दुं यु द्वा बिषामर्केनाम अँ नम्मिनियामा मामिनाम् विष्यान्य स्थानियामा स्यानियामा स्थानियामा स्थानिया चर्ड्य.र्ह्य.क्र्य.ह्.तह्य.रचिट्य.श्रिय.तथा.टी विचेट.तर्वेत.चर्रेय.ता.चर्रीट.

यर विया यवेशाया विशाणी मिनेहा है। आर्थी आयत वर्गी आ विद्यार में विषय अर्थे नग्चै'नगाव'६४ केंग्रा भिु'न्द क्वेंट नवे'द्या उन्यायुयाया । नद्या ने रे नवे' इस्राण्याच्याचा नेता प्रत्ये प्राप्ता इस्राया स्राया स्राय नते तस्ति प्राया अर्हिन हेमा हेमा प्रेत प्राया केंगा केंगा केंगा सामा मानु मुना षा षासूङ्गाने र्दे या हि दी हैं से द्वाया सुर्य हैं से द्वाया सुर्रे हैं से द्वाया सुर् तुर्म्भे भे चुया यम्भेड्डे भ्रेप्यायङ्ग यम्गामु सुर्यं भी उद्वं मे पंगु रुद्वं ५ पर्नेर के मु न माद न मुका या । दे गाुक र्षित गुका न में द स्माया । विकार्वेद या या नर्वेत्यम्मार्वेया कें स्तृश्निष्धः र्युमार्थार्सुटाय्विम्यम्यार्थः मन्त्रार्थः मनिषार्थः तर्में मीर् ह्य त्यूत् मर्रेर भर्।।

नन्नानक्षेत्रण्यात्र्यन्वत्रण्यात्र्यन्यत्र । व्याप्त्र विद्याप्त्र विद्य विद्याप्त्र विद्याप्त्य विद्याप्त्र विद्याप्त्य विद्याप्त्र विद्याप्त्र विद्याप्त्र विद

मङ्गायन्यवायानवे क्षुनाममन नी क्षेत्र मार्थन नी क्षित्र मार्थन मार्थन निष्य क्षित्र मार्थन मार्थन निष्य क्षित्र मार्थन मार्थन मार्य क्षित्र मार्थन मार्य मार्थन मार्थन मार्थन मार्थन मार्थन मार्थन मार्थन मार न्ययार्से हे यहेमाया चेन केन येवे स्वीत स्वापर्चेन या मन्यायम् लु नवे प्येन पु विटाममसायन्यानरावा ह औं नहीं हुं भे खूं हुं। ननट केन मार्थर मी सामावा क्षॅं नह रे मे खू १ दुं। ये खुग्यारे में र ख्गा मीया न क्रेर निर्यास रे दे मुवारे र्रास्या न्रायुरायसग्रायी क्षेयह्यासुत्तीता स्यायायतार्धेता सुराक्षायी हुना सुरान्द्रास्याया स्यान्द्रास्याम्बना मर्जे स्रम्द्रान्यस भक्र्यात्म्। स्रि.श्रुस्ट्रिस्थाश्रुस्याधीत्या देस्ये केदे दे में द्रम्या नश्याधी मिटा वर्देर वहेंदे वा अर्झे अयदे वें में व वर्षेर वें रें के वें रें सुरें के वें नर्दुनर्भे देन भें के। र्नेन भें देन भें देन मुद्द भें देन में के। कु अर्केण देन भें के। न्यमान्यें मन्ते में को माने राके माये प्राया भी माया से पाया मुराया मारा या भे में माया पर्मार्श्वाया सूरमाययाया रे कपाया भेया त्रापा रे रूपे केदे मार्माया र्युमायायया इया परम्याया विवाय प्राया प्राया प्राया विवाय <u> न्ययावर्चे रासुमासुमार्समामायामा स्टायामे स्टालेटा ये ना प्रताय है।</u> 

द्यतः र्हें हे 'दिहेग्या न्हें दिहेत्य विकास के दिन के के स्था के स्

प्रविभागति त्रिम्प्रस्ति स्थाप्ति स्थापति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थापति स्थापति

मुन सूर्विम्याययास्या महियागितः हुर्गेराखेँ। सम्निन यराख्रु १ स्मायागरा हूं। बुम्बामापि हुं प्रबार्दिन बेर पर्सेबायबा रूट प्रत्ते पोनेबाया श्वे हुं। र्दः हुं मं हैं महिषासु से न प्यम् सुमाय सुमाया सुमाया मिर हुं यया देन निमा वर्सेया नियामी क्षां इसया हुन निया ने प्रविक्रमाने माया प्राथय स्वर्णिय वर्षे वासर्वित्तर्मराद्याराम्भूरादुःमार्थेवा वेशमार्थेवायान्त्राम्या देःइससाग्रीश थे:वेय:ग्रै:य5्द:क्रेयाम्दायदे:तुयायार्चम्यात्यार्खें।यदाः प्रृमाः ५ खाः है:वेगाः ५ सामायानी कार्या विषान्तर मासूरा सुर्धिनेया मित्र हैया गरा क्रिक्षा अ'धु'गर्जा, ज्यान्यापें द्या सु' सुराया अ' पर्सु द्या प्राप्त सु प्राप्त सु स्व चुरा युग्रायाराञ्च नते स्ट्रेट 5 र्दुंगी अघरा धिगे नकु भरे स्वाय चैया नर्सेर नर गुरा नर्डे अप्ट्रेन पर्ने में हैं है से अस न्यव निमान है से अस उन प्रस् उर्'णु'स्नेग'स्नेय'र्द'र्भ'र्केग्'१४४४'कग्'य४४'उर्'गुद'लेद'र्ग'यर'अर्दर्' रुमिर्शिया वेशमर्शियाचाचनचायमा सुमारामिरस्मारासेटार्दुं ५८ वरुषाया त्यराप्ट्रबेरातस्या श्रेभयाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या यद्यामुया ब्रुबान्डबायामर्केन्यासुत्या ने इसबा ग्री सुनाशुत बुनाबा ग्री प्रें का करा विवास उर र्देर ग्रे इस पर प्रस्था स्वाय से ए हुं दर प्रस्था प्रस्था है ययः नर्रः हेते क्वारामारामें ननया याया खुया की हिरायक्षया नया विना रदा मी'र्कट्यासुमा'त्या'तुमाया'ते। युयाम्ययारुट्'पो'मेया'ग्री'मर्द्र्र हैते'क्रुत्'ग्रीया नाटा क्वें मार्थेश की. क्वें मार्श्वेच ख्रिया ख्रिया ख्रिया है. यह अटश है. टेबा. तर की. प्रहें, श्री श्री श्री

मणा मजुप्याणणा नहां मजु है के पा है ही हैं है में हु सा शु हैं है में हु सा शु र्राष्ट्रिया मुन्ता षातु रस्रिया मुना यस यह मुन्ता यस पही समागर्भ सिर्ध स्था रहें। नै'णं'गु'रु'तुं। ५'५'५'५'र्५े इ'मा'सना यस'५'त्रु'मा'६। नई'सु'से'सुझ नई' हु' या अप्तृष्याअप्यायातृष्यु शत्रुं यता डेबप्येमानमु हेरमाडेमानर्हेन वसा नन्मा ते से भेवा म्रेंट्य.त.लुया वित्र.कुत्ता.तया.कुट.ध्यया वि. या.स.स्वेच्या. नदे मर्डे या नद्मा सुन्या अकी । र्हे हे ये अया द्यवा प्यना पुरुष्टा यो प्रेया प्र रटानी भूरमशुरादटार्से हे शेरायाद्मात्र भूरमशुटा शुमायादि राजी से प्रीटायर सुरा चर्झेश'चत्त्रुश'दि'ङ्गर'चु'च'द्रयथ'ङ्गर्केद'र्सुद'सुद'यदे'सुग'चलेश'धेता दे'त्रश'तुश'य'श्चुच'य'त्री र्ह्सेच' <u>२</u>र्चेत्रःग्रेष्ठेग्रद्यः द्वेत्र्यायःग्रिष्यः द्व्यःग्रुयः त्वयः द्व्यः म्वेत्र्यःग्रेष्ययः ग्रिष्यः त्ययः त्यय चतु.मट्य.त.चम्ट्रा क्षा.वंश.बु.हुट.ट्.ट्रट.क्षा.ट्र.मवंट्रा स्ट्रिंग भटेय.टे.क्.मश्री.ह्य.टे.त्म्. चर्या हेरा हुँ दाळ रामा हिमा चन्यया या

ष्ण्याम् ह्या देःस्य ष्ण्या विकाया विकाय हित्य हित्य विकाय हित्य हित्य

मन्नाम्य विष्ठित्रा विष्ठित्र के त्राम्य स्थानि स्यानि स्थानि स्थ भक्ष्यता चरासूरालातमात्र्यातालमाभक्ष्यता है।सूराद्यामार्यमा अक्ष्यता वितःस्र्रिम्, वे.जायाम् श्रे. वेया अक्ष्यता वितःस्र्यम् माम्याम्याम्याम्याम्या मक्यता चराहेराह्यमायक्रायक्राय्त्राह्यमक्ष्यता हे.वेचारीकात्राहाह्यम मक्यता येयाविटारी. र्रात्राम्य र्र्यामक्यामा विटापरारी येयामारामी. रुषाभळवाया युवियापाविराहार्याकी रवियापायित समसार्वे न वेरावर्ये विदा तर्नायर मुना अर्जन्या र्येना अर्जन्या र्येन मुन्ना अर्जन्या स्वाया प्रतिया सुन्या स्वाया विवास स्वाया स्वाया स न्त्रयः चैं मन्त्रः यः न्ययः र्रे हे प्रहेम्या नेन् केत्रः यें भ्रुं सर्मा अविद्वा स्वा स्वयः नगु-सुग-र्से निवे विनया न रु दुग या गणया नसुस्राय नि गणें का नमु द्या यदे सूत्रयाणीयात्रवुग्रया प्रथयाग्रुयार्या वार्ययाग्रुयार्या वार्ययाग्रुयार्या वार्ययाग्रुयार्या वार्ययाग्रुयार्या विनाबायर्नेयाचा अके चार्स्यायराम् स्वाबायायां मित्रेरास्त्रा मित्रेरामी राम्याया र्व श्रीम्यान्य मुन्या श्रीम्या स्थाप्या श्रीम्या स्थाप्या स्या स्थाप्या स्या स्थाप्या स्था स्थाप्या स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्था स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्था स्थाप्य स्थाप्य स् वहैमा हेर प्रायहेमा हेर यथाय द्या भये द्वाया हैमाया अहँ या चेराया वहैमाया या इस्र शण्य प्रदेश स्त्र स्तर स्त्र श्रेते सिमा नित्र लिमा नित्र मिट नित्र केंद्र से मिश्र से नित्र से र्थे 'स्यार्चेर 'गुयानेटा अर्गे 'में र्त्तेन'या स्यायहरी 'चेर 'यरे 'सेट 'यया मुन्या ब्रुयानगारितामर्केनास्रीर र्घमायान्य स्थानु प्राची पर्विर र्यो न्या स्थायार्थमाया

यदे रुषायदे मुदारस्थय गुरायमुदाया वासुयाय के या वासे रायुदावा वास उता भ्रेत्या प्राप्ता भ्राप्ता भ्रापता भ्राप्ता भ्रापता भ्रापत ङ'ल्यानमा'र्याभारेते'मार्नेट'ठन'नेन'रु'र्षेश'य'रु'र्हेन'र्ये'ठना देते'श्रेट'अ'रु' मिष्ठेश ग्री द्रम्य ग्री स्वाप्त स्वाप नेते स्ट्रेट रुपहरा न्याया मुलिया से राया या मिलिया सुवि सुव मुका मुका स्ट्रिया स्ट् नमुन्या है। र्वेर्र्य्ययायायायादार्द्यस्मा द्वेर्र्यं स्वेर्यायायायी ल्यार्द्यार्थेन् र्धे। देवे माणबालया द्रबरार्थे। मार्जे दालया बेरार्थे। द्रवे स्वावे मार्जे दाणे निवा दर्भिर्गरमें। देवेमायश्वयादुर्गा मर्थित्वयात्रमामी वया इससम्वित्रः प्रांचा वियान्ता र्याच्याय उत्पाद्य वियानायया सुरानम्बर्भे ने जना या निरामितायवे यम्बरायाम्यित या न्या निस्या ने विदेश या व्हमासम्मध्याणीप्तरमें मुगम महिस्यान है है सुया मसुस्यान मानुस निटा निवेयान कुमी ध्यान गारुषा इगायन नम् हा नहन्यन अहटा चकुर्यान्यम्भर्या र्गुयान्यस्थाया चरुयान्यस्य चरुषार्भे चरुषार्रम् तूंम नरुमानेशयान पर्वियो नरुमानुभयान में हे से स्था नरु निवियान र्रेहेर्ज्या नर्रेष्ययान्यस्याम्। नरुदुमायान्यस्टरित्यस्रमस्विदा स्रमास माशुभायान्यस्या चलियान्यम्या श्रायान्यन्यम्या द्वमायान्यमानु चतुन्या

न सुभा नसुर यन देवा द्या प्रमुखा नसुभा नसुभान द्राप्त द्राप्त द्राप्त द्राप्त द्राप्त द्राप्त द्राप्त द्राप्त द <u> नडुःग्रेग्'य'क्'श्चेश'नु'ग्रथ्यभेट'य'नर्ड्ग्रथ'या नडु'ग्रेश'य'क्'श्रेपना</u> चरुःगशुभायान र्वेदाळ्या चरुःचनियान स्थिगशभह्ना चर्रे स्थायान यसम् हे मासुराया नरु:रुमायात्र:सुटारयात्रस्ययाया व्ययाम्ययाः चीर्टार्ययायी है। यर्न यथा भुग यक्त राया भारता मार्थन है। पर्ये या मुन्न मार्थन स्था पर्ये या मुन्न पर्ये या म तुमाया मासुस्रायसानु र्सम चित्रायस हे र्स्त स्याया नुमायसानु केता सी नर्त्रायशाष्ट्रियाच्या नसुरायशान्तरास्त्रत्या स्ट्यायान्तरान्तरार्थान्तराष्ट्रन वहमान्दर्मार्थेन्द्रा मर्लेन्नुमार्नेदर्मगन्दर्वेमावर्नेन्न्न्नुमान्दर्भेभा इस्राम स्ताप्त प्रमाने। विन्याप्ति प्रमान्य स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स् ग्लॅरिंदिंगुवान्यत्ववार्या नम्मार्था द्याळेंगार्थेस्याद्यवेषुग्यायात्रात्र्या थे:वेश शेशश न्यत तह्य न्यया मर्वित कुर शुर या भ्रु अर्ने मा शेर में खेर र्द्या विषाया सुमामाणबारयामी तसुर बिटा मार्जन मुबामाना याया सुमाबाना मारा नश्रममा वनमार्रे हेते श्वेयागुर मोमानवुगमा मर्जन में मारेमा निमान चिर्वमुर्दुर्यममुर्या स्यायदे बुर्सुर्ध्रात्र ह्रम् बेटा मुर्वायस्य उर् ॻॖऀॺॱॸऻक़ॗॖढ़ॱय़ऻॱढ़ॆढ़ॱॺॖॖॻॺॱॻऻॸॱख़ॢॎॿॺॺॱॻॗॖॖॖॖॣॖॖॣॖॖॸॱॸढ़ॱॸॖऀॱॺढ़ॱॸॻॖऀज़ॱढ़ऻॺ॔ॸॱॻॖऀॱॸय़ॖॿॱ शु हैट टे पहें ने अभग नमय हूं भिना अविद ना पें न वेर खे पा नम मार्ग हैये યદ ૅન પુરુષ્ટે દે દે દે પ્રદયમાં સર્ફેન સે ભવા મહિના સુના મહિયા છે યા છે માયસ દે દે મો मुमातस्रमः बिटा मर्थिन र्चेन याम्यम् मायि । समानिषामिष्यमा सम्प्राया सम्प्रमाया । पविरामा ब्र्रास्थालयार्याचम्बारा स्थार्याताय्यात्राच्या नकुराया व्ययाग्ययानमुप्यानेपाण्यस्ययायायाप्यपुराया न्यार्गाने स्यामिन्द्रहेत्मन्द्रम्यारम्प्रम्यारम्प्रम्यारम्प्रम्या <u> ५८.स्.माध्रमाम्बामान्द्रम्स्त्रम्यत्र्</u>ष्या क्षमाभागपभागकेभायिमार्थे प्राचित्राची। मर्धिनामहेशर्नेमानुपरिया या हेरिकोराञ्चानीताहेरीमानेराकोराकोराक्षीराक्षीराक्षीराक्षीरा धुना इमामी न्दर्यामा है या ग्रीयामी मामान्दर्ये न्या पहें नाय या स्टाय द्वी प्युयाया विष्ट्र-इट्रा क्ष्मासमायमाम्बरम्बेरार्द्र-स्याम्। मर्लेद्रम्बेर्यदेर्येर र्टायज्ञायहें मा व्यापुरवर्दे राज्यायायी वाहे वे या ने दार्था द्वारा हैं। न्यार नदे लया मुख्या सुया दुया यो नद्दर्भ यो श्रेषा ग्रेषा ग्रीया नुपा नद्दर्भ र यो स्वी स्वी स्वी स्वी स्वी स मार्थेक मार्शेश र्वेर सु ५८ र वार्षेर व्या विद दु स्वा र्देम मार्थेक है वे मार्थे र हिट्रमी.हिट्र क्र्रियाप्र प्रदेशक्यामश्रमा स्वार्य मानी. प्रट्राम् क्रेम्र मीमा रटार्बेर्पायहें म्याप्याप्य प्रतियाष्ट्रिया स्वाम्याम्य मार्थेयाप्या मी निर्वास्त्रा मार्थेन मार्थेन मार्थेन मार्थेन स्त्रान्ति स्त्रा स्वर्धेन मार्थेन स्त्रान्ति स्त्रान्ति स्त्रा स्वर्धेन में स्त्रान्ति स्त्रानि स्ति स्त्रानि स्त्रानि स्त्रा हित्रमाने दर्श्वरमें हिर्गार द्यर प्रति विया मुखा सुमा द्वा मि दिरा मि हिया ग्रैमम्ग्रम्मन्दर्भेर्ययद्विस्यम्स्रस्यद्वेर्ध्यस्ययद्विर्देश्य

वह्यता हैं ह्मेर्रिच्चायामियाहेत्रमिन्द्रिमार्ग्रिचाराहें द्रायानेत्र माशुर्मा सुमा दुमा मी दिट से माहिश गुर्भ मी मामा दिट र्वेद स्या दिहें स्या स्ट त् द्वेर लुमायाय विदारिता क्षेत्रामायमाय महिमारा दिया रार्टा राया वार्षेत्र महिमा यज्ञ'न्द्र'वर्षिर'र्वे'वहेन्या नुन'र्सेर'यज्ञ'गनिन'हेवे'गनिन'न्सर'र्ये'न्सर'र्थे' मबार्द्रायद्वे पुरायाय पुरारेदा। क्ष्मायामप्यमा हैयाय इत्राप्यामी मार्थेक मार्शेश परिं र परिं र दि र सु परिं स्वा स्वा स्वी मार्थिक मार् हिट मी. हिट हूं. र्याप्र प्रति विषय महीशा सिमा दीमा मी. र्यट स्रामा हेश मी. मी. मी. ८८. मूर्रातह्रम् तम्राम्टायर्यु त्युमायाय्विर कृटा क्षेमामामामामाभ्रमाम्या ठर्णूर व्रिं स्रमायि र तु कुर्रा एका प्रमायह मार्ये अर्मे में र्से द्रायाय र प्रमाय र स्रमाय र स्रमाय र स्रमाय प्यम्यविष्मके या र्हेन में प्रविष्मविष्म निष्म रहेगा स्मार्थ स्थापम प्रदेश बिट र्देन बेर रमा मृत्यर्थे मा अवय अव र्धन र्धेन र्मेश न से हिना र्धे द्यम र्धेया इ मुक्य पुर्या देवाया देवाया देवाया वेया द्या प्राप्त मुक्य हिंदा श्रेम् भूषायम् । व्याप्ता यञ्च । व्याप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थापता स्थापत हिटामीश्राशक्र्या हैराव्याशाचित्रामा क्रामीश्राम

रमाश मुश्मेदा यज्ञ केतर्ये प्राप्त स्थालयश मित्र मुश्मेया ग्राप्त मुर्पे वस्रारुन्युन्णुः श्रुःश्र्वारुटा। क्षेत्राष्ट्रेया नुगान्दाक्ष्रायदेश्यके पदे सेदा नाउनार्ने। न्यार्क्षेराउ के मान्यारा में निना मुक्ते भी निराही में भी निपारा के निराही में भी निपारा में निपार न्यर नदे लय गश्या सुग दुग गै न्दर्भ गश्या गुय गुय गुय न्य ग्या न्दर्भ न्य दिन मबार्यायद्वेष्यायायषुद्वेष्टा क्ष्मायाम्ययम् हैयायमिरायीद्वार्याम् मार्थेक मार्रेश र्वेर सु ५८ र स्तु पर्देव सा क्षेत्र समार्थे र्हेक र्थे समामार्देद क्या भ्रमाबुट मुरायामासुरायायसुट या र्रे द्राया द्रमाय सम्प्रायये विया मुसा इमामी न्दर्भे मार्रेश ग्रीश ग्रीमामा न्दर्भे न्या पहिन स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य विषु द्विद रहेट । क्ष्मा अमा अभाग है अर्दे हे दि द र र या मी। मार्थे द मा है अविस र्यो दि द यज्ञ'यहेंब'या बुय'ग्वट'र्5'र्ग्वटश'रुब'श'र्बर'र्से'बे'यये'क'ग्वर'रुबा र्बर' र्हे.र्यार.पर्य. बियामशिशा सिया.र्थियामी.र्ट. त्र्.याधेश.मी.यीया.र्ट. ह्यूर.ता. वहेंत्रम्यस्टावर्वेषयायावषुर्देटा। क्ष्मायम्ययम्भियम् ध्रटार्येटायामध्रमारायसेटाचा हिटार्ज्याच्याच्याच्यामध्या सेवार्चेवाच्यार्या र्भेगिरेश ग्रीश मी मामा निर्देश प्रायद्वित प्रमास स्टायन्ते प्रमा विष्टु र से दिना अमाध्यमानेश्यम्यामी नद्याप्तरायी मार्धेन मानेश र्ने रामु नद्या स्था लेश.चंड्र,चेतर.बूर.सेश.रियु.रेची.मेंच.रेटा सेश.त्.त.चर्यु.र्यु.चेता.रुच.सेवा. मु' 'स्य' नमुर' या विनय' गायय' नसुर्यय' भेट' मार्थे र नमुट्य' यदे ' स्निन्य' गुर्य

क्षिया प्राप्त विक्रा भू इस मुया पुरा परि सर्व सा स्विया प्रव स्वा सुव से प्र मी'मान्त्र श्व'र्क्रमाश'यज्ञ'रे'रो युत्र'र्शेट'रा'योत्र'योत्तर्भे'रा त्रु'रा'त्रे'रा युत्र'र्शेट रा योत्र योत्र'योत्तर्भे या त्रुं या योत्र यो मन्तरे क्रिया ग्री केटा हुं प्रया हैं हैं मीया सर्वाया में प्रया परिंट कें मीया मक्याना मानमार्रेयार्याकामार्थ्या मानमार्थ्या मानमार्थ्या मान्या रयामी न्यायळवाया ने स्ययार्धेत्यासु मुरायाया ने प्रविवामिनायाया स्र गुरायाकी नयवार्से हे वहेमाया ग्रेन केवार्य सुखर्मा अवेद वमा वया नगा सुमार्थे निवेष्वन्यान्य दुः दुवा यावाषया निस्स्ययाने दावार्षेत्र नित्तर्या स्ट्रेन्य या ग्रीया चलुग्राया विस्रयाम्सुस्रायी चन्यान्य विद्यास्य विद्यास्य विद्याया अके'न' इस' परमार्थे मार्था पर्तिमार्थेर 'उत्। सिंमार्थेर 'ग्री' प्रमार्था द्वी स्वार्था पर् श्वित पहिमा परि दुषा भ्रम प्रायम या भ्रायका श्रेम ग्रीत दुषा परिमा हेत दि । यहमाम्रेम्यायायन्यायये क्षाया भूमाया सह्या ग्रेन्या यहमायाया स्थाया ग्राह्मायाया स्थाया ग्राह्मायाया स्थाया प्र पह्नामायम्भाद्रया मैंगामित्रम्भकेत्र्येप्वनाक्षमः र्भेनाया भेदेषमाद्रम विमान्दान्ति केया सु अपने विमाय सु सु स्वापि के स्वापि स्व चैबानेटा बर्मा म्यून मुंबाय करेंद्र में द्रिया विवास मिना मेंद्र अर्केन्'सुर'र्घेमाश'न्ट'शे'रुश'णु'पर्मिर'र्पो'न्टा। इ'क'प्र'र्शेमाश'यपे'रुश'यपे' मुन रम्भय मुन प्या मासुय पार के या मारे र पुरे मा ज्ञम्य रम् हैं अ'र्ट्सू र'र्ट्य सुंद्रअयारुया अवदे से द्वर प्रारं विटा स्वाप्त्रमार्थी स हेते मार्ने ए उत्तरमित मुर्खेश या देते हो देते हो ए अ दाम है शामि प्राप्त मारी स्थापी । वयान्सरायी रयानु प्रदेशसायावयान्या स्वाप्त नेते सेटानु प्रदेश रयायात्त्रात्तर्भा द्वास्यायात्राच्यायात्राच्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र वयान्सरमी मर्धेन वयासेरमी उत्ते स्वते मर्थेन म्वी वयान्य में न्यान मर्थे। र्भे वर्षका कर ग्राट श्विम माशुका माशुका राट स्वम स्वा स्वमा मार्थिम स्वी राट र्भे र मार्श्रेशःग्रीशःमादःर्यः केदेःयमाश्रायः र्तेत्रःयाश्रमीं माध्यशः ददा। शुःध्रीयः यस्त्रः हे त्यमा यद्रम्पर्यदेयम्बर्यम्बर्यम्बर्यस्य विष्यम्बर्यम्बर्यम् ८८ से मो गुम महिषाया क है। है। सूया मार्ययाया क मार्वया प्रकेश प्रकेश सक् मी स्यान गारुषा इमायान नम् मह्ना मह्नायान अहरा ममुरायान अर्पा न्मु'यान् भ्रम्बाषाणु। नरु'यान् न्चुमार्ने। नरु'मरिमायान्।मार्द्वामा नरु'मिन्नया न'पर्मिर'र्ये। नरु'गशुभ'यान'र्रे'हे'रे'था नरु'नेने'यान'र्रे'हे'र्चे'ना नर्ठे'था यान्यस्याम्। पदुः दुगायान्य उटा हेतु पश्चम्यस्ति । भ्रगायामार्यन म्यार्यन ष्यमामीश्रायमादायदे र्वेदाया माध्रेश्राया का केद्रायदे अर्मी में। माश्रुश्राया का सुया यहारायामाराया सारायावनायाया दुनायायानानु यद्वायायाचु या वर्मुराया न देयाचा दमा पर प्रमाया वरु यन दुर मिंद भी रहा वरु महिमायान से स नु'मार्थय'मेट'य'नर्दुमार्था नरु'मार्रेश'य'त'से'त्रचा नरु'मार्युस'य'त'र्त्रेर' चित्राची वित्राची वित्राची वर्ष्ट्रिया वर्द्र्या वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्र्या वर्ट

महिःश्रमामिन्दःहेतःमिन्दःदग्रः स्प्राप्तः स

मनेद्रस्टाम् स्ट्रिंद्गार्यदेख्याम् सुमा सुमा सुमा निमा मे रूटा से मा है शा सुभा में। मीमार्टा मूर्तात्रीमात्रामार तह्य द्वारा क्षेमाश्रामालकामाध्रेशरणामी रटा तर्षर विं। मर्थिन मार्रेश र्ने रातु प्रदाप द्वार प्रधानु सामी मार्थ का मार्थ सामित स्वरास्त स्वरास्त स्वरास्त स्वरास मान्यासु सु र्वेमाया महा ५०० है। या ५०० है। मान्य है मान्य है या है य यश्रम्याम् म्यास्र स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र हिता मनिरमिष्ठेशसुः शुर्मार्भा भुः भर्मा हिटमाः हिट र्से रगर पदे लया महाभा सुमा मार्डे पार्वे प्रवास प्रमास के माना है सारा महिला सुरामी से सारा महिला सुरामी से सारामी से साराम न्य्यानरामं क्षेप्तरायां श्विप्तिराखें। अम्बिरायराख्नु श्रुम्यामरार्दुं मीयायर्जर या अँद्वेश्न में अप्तान स्थान है अून गुरुषु दु। स्ट मी घुम्य गिरे दुं प्यय दें र बेस दर्धिय स्या स्ट मिलेन खै धेगो नुन्तन तुं यता केँ न्दे है है इन्डिकें तुं तुं यता केँ भेगो नुन्तन रहें यह राज गामाश्माः खेँगास्त्रसुरीके रहिर्देश्यता खेँद्वेश्वरा खेँद्वेश्वरा खेँद्वेश्वरा नभेगो नुन्नन्भनुष्वहहन्यन्दिने ने ने भेषे युन्ति के मिनुष्व हुं यु तृ केँ नइ नम् ख्र हतूं। केँ स्क् र र ह केँ र इ तूं। केँ स्क ने। केँ स्क रें कें ट्वै॰५ॱम्नें'यरदुर्गे'इ'ख्रामङ्ख्रामङ्ख्रामङ्ख्रा, नुस्य में निक्रुस्य सुर्य से निक्रुस्य

गु'रु'श्रु'त्रा श्रूर'षट'र्र्र्ट'मी'श्रुमाश'गिरे'हुं'प्रश'र्द्र्र्'नेर'पर्सेश र्सुमाश'नरु'र ৡৢ৽ॾॗ<del>ॗ</del>৽५৽ॲ॔ॱड़ॗ॔ॱॸॣ॔ॱॸऻॱॲ॔ॱॿऀॱॻॏॱॸॗॱॸॱॸॱॸॖॾ॓ॱॺॸॗॱॸॱॴॱॻऻॱॺऻ৽ॱॲ॔ॱग़ॖॱॺॱॸॗॱ कु भे के दृश्यता छैं के इश्वा छैं के स्वा छैं के स्वा छैं के स्वा से में मुन कर से मु षदद्वानुष्यत्र दे दे दे भ्राये श्रुन् के नहीं दे भ्रिष्ठ ख्रु श्रुन् के नहीं न भ्राख्र श हुं। दे निष्ठ मानेमार्य स्राय मेरा कर के प्रायम के प्राय विषामार्केयानानम्ना ने इसम्याण्या है सम्याण्या है सम्याण्या है सम्याण्या है सम्याण्या है सम्याण्या है सम्याण्या स्थापित है सम्याण्या सम्याणाया समाणाया सम्याणाया सम्याणाया सम्याणाया समाणाया समाणाया समाणाया समाणाया समा इस्रमण्णेम्भन्यायायहेरायाहेरायाहेरायाच्या त्राचा त्राचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्य नर्राक्षियानगाटानान्त्रा यद्यामुयास्ययाके प्रययाक्षा । भ्रे नशर्षेन परित्य नम्भूराना हि सुर ने निष्ठ नम्मा मीश है। । नमा पा सु धी क्यान्वरावसुरा वेयागसुरावेराधुः र्वे क्यान्वरावसुरावया न्वरामी क्या युर्यायम्बर्यार्थः द्वीयाः द्वीयाः द्वीयाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषय रटान्याक्षेत्रास्ययायास्यासूटा क्षेत्रटाक्षेतुवायास्ययायादेवावनुटा व्वा ८८.वेय.वे८.त.सभग्त.प्र.८तम्ब.भूरा वे८.८८.वे८.वर.त.सभग्र८.। 

नियान्त्र मक्रा क्राम्य क्राम क्

मिटामुक्तेया इसमाण्णित्र प्रतुं दुं लुप्य यस मुद्य परिसर्के द र्थिता विषय प्रसेया दी भे मेंन पर्मार्सेया सरसी लया नया रेयार्सेया र्यास्स्य रूपा प्रविता यदे नदे न हिन्यम उत्र न हो द यम हुन के लि हुन के स्व हुन के स्व हुन के माङ्केष्प्रः द्वां कें स्हे ख्राः द्वां कें हु से ख्राः द्वां कें ख्राः में ख्राः देवां कें के हे हु ख्राः त्वं कॅम्इष्रःत्वं कॅर्स्याष्ट्रःत्वं कॅम्इष्रःत्वं कॅम्इष्रःत्वं कॅरमङ्केष्ट्रः कॅर्स तुं। छैं स्मान्ध्र हतुं। विषान्ति नाम्य केषान्ति प्राप्त केषान्ति प्राप्त विषानिषा महानिष्ठा विषानिष्ठा महानिष्ठा विषानिष्ठा निष्ठा निष तमा । श्रुप्तिस्यातस्याक्ष्यां अर्केन्या । पर्द्रमास्त्रम्याः प्रमाना सरेशसीरावन्या हिंहिसर्केरार्धेनसाधिरासरेशसीर हैम खिँपासूक्षणाराया रे भूर अर्कुं य दे ई दुं यु दू। र्रेय ५ चिट्य इस ५ मा खे मेय र प्वित यथा। श्रि यद्रम्यादर्याः अर्थाः विचयाः चर्ययाः या चर्ष्याः स्वान्याः स्वान्याः स्वान्याः स्वान्याः स्वान्याः स्वान्याः स मुरत्त्वा हिंहे विनय नर्भय अधिय अहेश चुर ठेम खिँ य सू हु गाय परे वन्या र्रिहे ने कवा अध्या अहे या सुरुष । खेँ प्या सूक्षणा या या रे भू रामा क्रें सा प्रैक्षं पुंचु कुंच प्राप्त के प् क्षेत्रीं भे में माया । पर्देश स्व प्रभायि क्षेत्रें माया अहेश सुर प्रप्या । हे हे भे में मा माणियामहेया चुराठेमा । । । । । । । । या पार्या ने भारत हो सा है हैं हुं यु हू। केया

र्योट्यास्यार्गाणे:वेयार्टायवेदायया । श्चायते स्यातस्याक्षार्या प्राप्तिया अवेषासूर ठेम । खेँ पायुक्त मायार भूर मुर्ग क्वारी मुर्ग है क्वार्यु के बार ही द्वारी स्थार है क्वार्यु के बार ही द्वारी स्थार है क्वार्यु के बार ही द्वारी स्थार है क्वार्यु के बार है कि क्यान्याध्येयाम्याचिवायया । श्चियते क्यात्स्या श्चिया श्चि चर्डमःस्न चुमः भवे मुमः भवे भः भुमः प्रचुया हिं हे सूट म्बायया स्था र्योट्यास्यार्याप्रापेयार्रा राष्ट्रियास्या । श्रुप्यास्याप्रस्याप्रस्याप्रस्यास्या मा । पर्रमः स्वाप्ताया द्वार्या विष्या विषया । मेर हे विषया महेरासुर हैम । । व्यापार मार्थ पार्थ पार्य पार्थ पार्य पार्थ पार्थ पार्थ पार्थ पार्य पार्थ पार्य पार्य पार्य पार्थ पार्य र्येट्यास्यार्यायेयार्यात्रियार्या मुक्कार्यस्यात्रात्रां स्याप्रस्यात्रां स्याप्रस्या मा । पर्मा स्वाप्त स्व अहेशः शुरुष्या । अँधारमुङ्गापार्थायारी भुराने भुष्या दे द्वे दुं युद्धा

 णभूङ्गणयायारीयुरमाङ्केष्ठाद्वेङ्गतुं श्रुद्वा खेयायर्केन्यात्व्वाक्येना । स्टा विटासक्रेराया क्रिया । म्राया क्रिया विया वर्षा विद्या । म्राया सम्बाधा वायन्या । खेँ पासू इता सामा देश्वामा सामा देश हुं सु दू । खे साम के नाम सामा स भेरा । मरा चुरा भर्केराया केता भी । मेगा चुरी क्षा भी भा ना ना निवा ष्रुः दुं। कें नह ने हु ये ष्रु मई ष्रु मई दुं र श्रु दुं कें ष्रु हुं। कें हें त है ग दुं यतः खेँ ख़ु हुं। खेँ क्षू हुं। खेँ क्षू हुं। खेँ ख़ु कें क्षे कें ख़ु कें ख़ु हुं। ૹ૾ૺૼૺૻૠૢૢૼ૽૽૱ૢ૽ૺઌૢ૽૾ૻઌ૱ૹ૾ૺૼૹૣ૱ઌૣૣ૽ૢ૽ૺૹૻૺૼઌૢ૱ૻ૱ૢ૽ૺૹ૽ૺૼૻ૱૱૽૽ઌૢ૽૽ यत खेँ ख़्र हुं। खेँ यज्ञ हिगा हुं यत खेँ ख़्र हुं। खेँ यक् हिगा हुं यत खेँ ख़्र हुं। खेँ र्भे'५'र-'५े'र्नुं'यत'र्षे'ष्र्राश्चें। र्षे'र्ने'१-'र-'५े'र्नुं'यत'र्षे'ष्र्रश्नुं। र्षे'त्र्'ग'र-'५े'र्नुं यत खेँ ख़ु हुं। छैं नई र ने हुं यत खेँ ख़ु हुं। छैं कि है ग हुं यत खेँ ख़ु हुं। वेशक्राम्यकेर्प्रमुया

त्रीमश्र हे. ययश्र क्रीश स्त्रिय श्री स्त्री प्रदेश स्त्र स्त्री प्रदेश स्त्र स्त्र

युगापळवावी गमिन हेवेगमिन प्रांप्य या प्राविष्य या । या के सुगार्से हेवे पे पे विष् म्ब्रिन्ययायात्यामुयागुन्यरायविना मिर्हे हे भुष्यायुनापळ्याय ब्रिना निमेन्न हे दे मानेदार्थे र्यायहेमाश्राया । स्राकार्से हेते रूटा प्रविकार्षेदा । से हे शुमाशाद्वारया मर्द्रम्याया मित्रकेत्र हे हे सुमायक्या नर्सेना विर्नेन कमाया हे हे वे र्ने में मिना । मानेन हेते माने द र्यो राय हिमायाया । हे हे मासु ट द द राय अर्द्ध राया । हे हे माश्राद्याया सुमा प्रकार में द्वा सिमा दें मार्से है दे दे चे चिता । माने माने माने दे दे माने द रें यशगावाया । र्रे. हे. भ्रुं न र र र र अर्द्ध र र या । युवा व र या मी युवा पर्व्या पर्वे न । यदयःमुयःगुरुःभुःदर्यःभें र्षेत्। ।यदयःमुयःवस्यः उदःगठेगः पश्याः। । यटयामुयागुर्यस्त्रीयाम्बर्धानियाम्बर्धा । न्यीयायिम्यम्बर्धानस्नि लेय प्राप्त समार्समार्स है ते र्से मिंदा माने कर है ते माने द रसे त्याया गुका सा सिंहे सु ८८.४च.भष्ट्रश्राता । तिवा.४.४७.ची.तिवा.४ष्ट्रता पृष्ट्री १४४.वर्ष्ट्रा खू.यह्र. खू.यह्र. ५७४५५७१८५ वन वर्ष ५८० केंब्र क र्यास्य र्या ग्री रता प्रित्र प्राण्य स्यामि म्बिट्यायमायायवियाने मुयायये न्यामी क्षा म्या मुन्यम्या मुन्या मुन्य हैते क्वर प्रप्याप्याप्याप्याप्याप्य प्राप्ता खेँ प्राया यात्र हैं या दें ये प्राप्ता या ये पे रें र हार्ले दाया यादार्ले के राया हो या या हो या इस के त्राया या हुं हुं यता यता बु हुं कें मङ्कर्षंद्रश्रुज्य केँ दिन दिगार्चुं यता केँ मङ्ग हैगार्चुं यता केँ ख्रार्ने येगार्चुं यता

खॅं स्डू है ए दुं यता छें स्डू र है ए दुं यता छें र ह है ए दुं यता छें यह है ए दुं यता अँगिक् हैगार्चु यता अँ अँ ५ र र है र्चु यता अँ दे कि र है स्वता अँ दे मा र है हुं यता छैं यह र है हुं यता वर्षर स्वाया इसया वास्त्र माशुस्र रे यहा डेया में दिवर प्रस्य ठरणु नत्तुषायानमु उत्ते प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त है नि है जो है स्प्त हिना स्प्राप र्भिट द्वा के प्रमुं के प्राप्त के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र युक्तणा है 'र्के पा हिह्ना दी हैं भे म्हु सा शु पे हैं भे म्हु सा शु हैं हैं भे म्हु सा खातु पर्से भे भ्रुषा यम ये द्वे भ्रेपा अक्ष यम गाभ्रु शुर्ज भे। दे हं भे पं गा र द्वे ५ ५ ५ ५ ५ र्ने इमायना पासूङ्गासूर्येस्ह पासूङ्गाम्बुस्यानुस्यापास्य प्रास्त्रः यत्। डेबाचीमानमुप्यवामासुबानर्हेता अँद्विश्ट्वेश्यामानुप्यं वर्ष्यं पत्। दर्द्यं यद्वर्षान्ति नुभायाद्मभभासु नुमायके नायक निमायके नायक स्थायक स्यायक स्थायक स्यायक स्थायक स्यायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्य म्बुम्मबुम्पन्तुवा केंप्यस्कुम्मायायारीयुरम्मक्षे सुद्दी हुरो ख्रायेंगो कैथिट्टा नम् य दे इं दूं यु दू । के पक्ष हि ग दूं यता हे शेर र ग्रीय पर्वेर के त येरी गु य इस्राया स्वाया पारे श्री ८ ५ ५ १ वर्षे वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व नुअ'यदे'क्ष्र'इअय'कग्य'य'केद'र्यदे'येयेयालु'द्यानुट'क्न'ग्री'येयय'ग्री'र्टे'र्न्र नुमायिकु'न्टर्रमिडिमा'नु'गुरा माल्याप्यमामटानुमायायिमालेटामळ्ना भद्रक्षि, देशका तिटा खे. प्रका क्षे प्रटा प्रटा मी सिवा शक्य मी. देश प्राप्त में मी हे प्रवाह प्राप्त में ५८'चङब'इअ'क्व्य'चुअ'चब'५चुैव'दार्वर'वार्व्वर्यं व्याचक्क्ष्र्रं च'व्यवर्यासुअ'चुब'क्ब'रूट'वाव्यासुअ'च्ववा रूट'है ५' दहेम्बरमुद्रित्वयम्बर्मस्याम्बर्माम्बर्भायम्भयानदेख्म्बरम्यस्य इत्राह्यस्य

वामान्यायि दुंमी वें राजेरा विमा हेन ग्रीप्ययास्त्र से रामायायाय रेगायायते र्खेगाया ग्रीया पर्से रापते र्से हे प्रहेगाया ग्रीताता या पर पर पर या या या उत्त गुंक्यायम् धुव प्रम्या दें र वेर स्प्रमे क्षेट यार वेया रेव्या याट यो प्रेव गुरा हे उन्न विनयाय प्राय प्राय मा सुमाया अर्केमा अर्केमा पुर प्राय के । प्राय प्राय मक्रमामी र्श्वेन खुवा उना । मानुवानगाव वनुवानवे मेन मही मही वह माना चेदायासुमाप्रक्रिया बेबायबान्चाबाद्यास्यासुमानु। सदामी क्षेटामादे दुं धिमामी र्देदा बेसा यश विद्याय द्रा के पार्या समार्थी समार्थी हैं के भी द्रविद्या उत्राय द्यार भी मैं द्री हिट.ची.सैचा.य.अष्ट्र्ट.इश.बै.क्ट्याबा.त.ह्याबा.त.क्ष्या.त.क्ष्या.वीबा.अष्ट्र्ट.तप्र.वीका.तप्र नमसमाया औं ट्वेश्ट्वेश्ट्वेश्ट्वेश्ट्वेश्ट्वास्त्रें द्यां औं द्युं द्युं यत क्विमानमानसेया औं भे गो पूर्त त्रदृष्ट्रंश्वदृद्धानायाश्याश्यायात्र अर्थात्रा अर्थेगायात्र सुर्धे के र्राटश्रद्धायत क्षेत्र अर्धेन र्वे १५१६ ने स्वरं के स्वरं क के देम भे मुंद्रमा भे में नहीं के से दुष्ट्र मुंद्रमा के नहीं नम् ख़ुः हुं मुन्नार्म्यास्यन्यन्त्या क्षास्यस्यस्यूरानसूर्।

मेश्चर्य क्षेत्राया स्थाया हो । प्राप्त अर्क्ष्या माश्च्याया श्चित्र स्थाया । व्यव्या क्षेत्र प्राप्त स्थाया हे । प्राप्त स्थाया । व्यव्या क्षेत्र प्राप्त स्थाया । व्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्या । व्यव्या व्यव्य व्यव्या व्यव्या व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्य व्यव्

ठक्षश्रथ्य उद्दान्य मेथा दुर्गिया । युटा कुना मक्षाया दुर्गे दाय सम्बाधी । युटा क्यारोग्रयाने प्यतानिमानि हो । पितानिमानी स्राप्ता । यह मानी स्राप्ता । यह मानी स्राप्ता वे.रचेज.चर.चज्जी ।लट.रचा.ह्चाश.नपु.शटश.मैश.रटा, ।टु.शंश.जश.बैर. न्यो विषाने निषाने र्ने ने प्यानियम् स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान नॱइससःचिटःक्वासःर्वेनःणुःनरःरुःनहतःसरःग्वटःनरःचुर्वःक्षसःरुःनसससःया **स्याम्या**चुटाक्ना शेशश्राद्मत्यस्था । यदमायादमीत्श्रायम् अह्दातुमार्श्वया । यदमाश्रीतातदीः वेयानग्रीमानी । पुरायदी तयानी मन्द्रामानी । पुराक्रमान्नी । पुराक्रमानी । नमा हि क्षम नुष्यामासुस्रासमीत में इससा । चुट कुन मु है देस सह न पदी । चुट क्यायेययात्रीत्वात्रायेत्। । द्यायायद्यायीयायश्चेत्ययायी । व्यायेययायी दे नश्चन'य'र्दा । दमे 'नदे र्क्ष' के सूर्य प्रदा । बोसवा उक र्दे क मुर्द्ध मिसवा मारुमा विर्धेर पहरां रेरप्तमा मीर्या मुद्या मिर्या मुख्य केया प्राप्त मे है। वि.च.मु.न.मु.न.मुम्। वि.म.मुम्। वि.म.मुम्। वि.म.मुम्। वि.म.मुम्। वि.म.मुम्। वि.म.मुम्। वि.म.मुम्। वि.म.मुम्। र्देशयादेटाव्यापदमामीयाम्बदा सिंहेदेगयायायकेमाकेवर्यायी सिंहेदेया नुःसुमानुःषदा ।षदःनमः१५५५ मञ्चदःनमःनग्री ।र्ह्सेनःनर्भेनःनमाग्रदःमञ्चदः नर नची। दिन केन देगाया अर्केगा केन पेंग्यी। दिया केंगा येद दु र्वेद पाया। विन रेपित्रकेर्द्वर्याद्वापु । श्वित्याद्वयाविष्ट्वापु श्विता । युप्तक्याकेत्ये प्रथा विट्रायदी । प्रश्चिद्रम्मश्केत्रम्मायाया । श्विप्त्रम्मश्रम् । प्रश क्र्यास्त्र्रम्मविटायम्यवी जियाती.मुच्यासक्र्याक्रयात्री हिसामायस्य उराध्वायम्बी । वारादमा १९८१ द्वां र्थेम माबुदा । वार्केदायदे प्यया की दे खुया नची । नुदक्तार्थे अया के तुरका ये दा । द्याया नद्या मीया नश्चे दाय रामची । बेमबारकागुन मुर्नेन मुर्मे । यन्मामीबार्सेमायास्याम्बरा । बारम्सया न इसरा नर्मा मैरा नर्मा । सम्बिया नर्मिया नर्मा मैरा र्मेया । द्वापारा स নর্দেন নদ্র্মন ন্ত্রা বির্মা ঐথ্য তর্ব প্রথম তর্ব নির্দিন নির্দ্ধ নির্দ্ধ নির্দ্ধ यवै'वुम्म्याप्त्रा दे'विवेष्तु शेम्या उत्रम्भ्या उत्स्या प्रथ्या प्राप्त्र सुम् यवैरमावरमरदा बेंबाबारक प्रवास कर प्रदेश में केंबा में मुद्दार मा बुद प्रदेश मु इस में मा मी या की पार्से दायदा पार्ट हैं समाया मान या पार्टी है या दे स्वर्ध राम पार्टी नर्सेश हे. नर्रे ८.४ शत. की. क्रूबीश नश्चीश नर्री

ख्रामित् हुँगा हुँ स्ता ह्यायम् सुमा है स्वाप्त स्वाप

मुबायान्त्रीन्यते र्हेन मुंक्रींन यथान्त्र यम मुबाया हेन् प्यते प्राप्त यथा सुन्य यो न्युपा वर्षिरानु पवि अर्देगा उन्नानु भ्रापु मुवा अर्जन मुना अर्जन या देवे भ्रेट नु रं यश्रोते प्रौयायिम प्रमास्य मास्य प्रमास्य प्रमास ब्रेट रु मं यशक्ते र मुवायमिर र गार में तुमार्थ सुमार्थ स्वायम् निवे ब्रेट 5'यं'यमम्बद्धार्यायम्मार्यायम्मार्यायात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या श्रुर्किम्बर्भे हेते हे नाया हुं मेंबर अळव या ने यब रें न बेर रेंग मुर देंबर यब है हुए रामाली स्वाराशितस्रातरार्स्हु माना हैट दिस्यानयार्स्हितमाना गुरुगुःर्वग्रुग्निर्वास्त्राचिर्देहित्तुःरेखे। वस्राउन्णुटर्हेहेत्नरामिर्वास्त निवा नरम्भक्षमाभेदायातुमारुगातुगातुगातुम्भूरायदेषुर्देवातु। निर्माया है। चशुर पर्वेर वृत्र सेंट चर्चे। वृत्र सेंट साधित यदी चशुर पर्वेर चर्झेस यर पर्दे र ता भू भी प्रसास दि यदी ह्यु न वयमायमायविदायाक्षरायक्षेमार्योमालमार्थातम् विदार्थात्राचित्रात्री देवीयर्थाक्षरा याप्तात्रास्त्री यशनगादै'वर्षेर'र्ये'शेर'र्ये'र्यानु'वयर'य'ग्यथशयर्भेर'नु'वर्षेर'य। हेयश नरुः क्षेप्राप्ता प्राप्ता क्षेप्राप्ते क्षाप्ता द्वारा अपने मानि मानि स्व इसरासुः सूर्वेनारा प्रज्ञान्य त्रान्य हैं स्वरं मान्य मासुसामान्य प्रच्या भदे मेट र दें लेग ल्ट्रा शु चुर यायया र दे हैं पार्वे द अहें या चुया ये भू अर्देग्'अघेट'म्'भै'नर्भुेद'यदे'र्छेद'यद्ग'ठ्रह्म'अघेट'द्ग्यर'द्यर'व्याग्रुआ सुमानुमामी प्रामिश्रमाण्या सम्मान्या सुमाना सम्मानाया मानेश मेन में के प्रत्य स्थाय मार्थन मानेश प्रत्य मानेश म यमःबुमाबायदे मुमाबागादे दुं मो र्दिन <u>चेम मुबानग</u>ामा यदे सि र्ने नहु । ब्राप्त <u> नड्मा'क्रा'लु'न'र्हे'हेते'य्रम'क्रा'युम'ग्री'मङ्कर'लुम्बा'मते'व्रेमा'ये'नडु'यम'र्नु'</u> रैट में न दु न ट ने प्रथा में में न दुर गुर भवे गाने द है वे गाने द हैं द में इस दूर मी र्डेन प्यम रहता हैं नगर नगर प्रयापित्र विया मुगा नुमा मी निरासी महिला ग्रैशम्दायन्ते पुरायाय पुना केमा समायशमा हैशमे के में के निर्दे हे चे या गर्भेन्यानेन्याम् प्रत्यामी पहेन्या द्वं यज्ञायम र्श्वेषा न्या स्वयाणी म्हेट'मी'गद्र व'यापर्वेद'चमुट्र गुर्वेद्याचेद्य ग्विद'मीराय्येत ग्विद'मीराय्येत याद्याय प्राप्त मार्थेद मार्थेद मार्थेद मार्थेद प्राप्त मार्थेद मार्थे नर्सेन्यिरेर्द्रियम्डम् नगरम्बद्यान्यस्यदेश्वयम्बस्यस्य र्भेषाहैशः ग्रीशः स्टायन्ते प्युकायाय पुनः केटा क्ष्माः कामायशमाहैशः सेनः भेरिके न्दाने र्डेना मार्थेन मार्थेन मार्थेन पाइ प्राप्त मार्थेन मार् क्षेत्रभण्णे स्रेट मी मान्न या मार्थेन चमुट्य जीया परित्र हा स्यमीन न्यर पेरित्र द्यमाभेदाणुः र्हेदायम् उमा द्यमा अविदादगामा यदे । ल्यामाशुमा सुमा हुमा मी न्दर्भागित्रेषरण्चेषरम्दर्द्रिष्णुमर्यायष्टुन्देदर्। क्ष्मासम्मण्यामित्रं मेत्रस् के'द्रायज्ञा मर्थेन'मानेन'प्रिंद्रायें'द्राय्यामें'प्रेन्या द्रुंयज्ञ'प्रनार्थेना तुन सेन्य णे सेट मी मान्य या मार्थय नमुट्य णेय पर्मिन्। ननुन से प्रवियान र्धेन में भे पक्षें न प्रते रें न प्रमाय क्या र्थे न प्रमाय प्रमाय क्या मुना द्वा

मी'न्द्रमें मारेश गुरार्य प्रति पुरायापष्टु न केमा अमा असमारेश रेत र्भेके निर्मे मिल्येन मार्थेन क्षेत्रभण्णे स्रेट मी मान्त या मार्थेन चमुट्य णैय प्रांत्र वित्र विवास घीट मा स्रो नर्भुन्यरे र्रेन्यम् उम् अविद्नाम्य न्यम्य विषयम् सुमा नुमा निष्न र्भेगिष्ठेशण्चिराम्मायद्वित्यस्यायायव्वत्यक्षायायस्याविष्ठाम्मायस्याविष्ठाम्भावत्यस्य ८८. क्षेचेब. की चाल्य चार्श्व. चार्श्व. प्रचार के प्रचार अर्कअशः णुः क्वेनशः णुः क्वेटः मीः मान्तः याः मार्थेतः नमुत्यः गुरुः योगः योगः निवाः क्विनः स्वि उन र्हेन में के नर्हेन मेरे रेंन मन उना हैं नगर नमर नमेर नम मुमा दुमामी न्दर्भे मार्रेश ग्रीश स्टायन्ते पुरुष्याय यपुन् रहेटा व्हमा समायशमार्रेश रेन र्ये के निर्देशका निर्देश मार्थन र्धेया ननेन न्या भी हिनया भी सेट मी मानन या मार्थन नमुट्य भीया परिना र्द्देनशर्ये के र्ह्मेन र्ये शे नर्द्धेन परे रेंन पन उना हैं नगर नगर नरे लग मारीमा सिमारीमाम्। २८. मू.माध्रेमामीमा ४८.५२५, तीमाना तीन्। सिमामा मायमामाभेमार्रेन्या के प्रत्य के प्रत्य के मान्य मार्थिन माभेमा प्रक्रिया मार्थिन माभेमा प्रक्रिया मार्थिन माभेमा मार्थिन मार्थिन माभेमा मार्थिन मा र्तुं प्रज्ञायशर्धेया कुटा अळ्ययाणे स्वेत्याणे सेटा मी मान्वायाणेंवा प्रमुट्या ग्रैशपर्मित्। भ्रेमिर्णप्यभिष्टामाभ्रेपर्सुत्यपेर्स्ट्रिप्यम्स्सा भर्षेट्रम्य न्सरानवे लवा मुस्रा सुमा नुमा मी निष्ये मिश्रा मी साम प्राप्त करा मिश्रा मिश्रा मिश्रा प्राप्त मिश्रा मिश्र उटा अमारामाध्यामार्थ्यामेश्यामेर् रामेरिक प्राम्य मार्थे मार्थे या मार्थे समार्थिया मार्थिया मार्थे समार्थिया मार्थे समार्थे समार्थ वहें त्या दुं यज्ञ व्यय र्ध्या नगर क्ष्य मी से नया मी से हिए मी मान कर या मार्थिक चमुत्राण्चेरायमित्। मह्मार्नेरायमिरायेराचश्चराचात्वरायेरायेरा र्डेन्यन्डना धूटासेर्स्यवेटमान्गर्यदेल्यमसुमा सुमानुमामीन्टर्से मार्थेयाग्रीयार्टात्र्तेयायात्षुत्राचेटा क्ष्मायामाययामार्थयार्देशास्त्राचेत्र वर्षिरावी मर्धिन महिषाय इत्राप्त मार्थित मर्थित मर्थित विष् ब्रेटमी दुट वर दंश मुं अरु व मुं मानव या मार्थव नमुट्य मुं या पिना रें हे या र्वेनाभविट माभी पर्सेन्य परिस्टिन्यम् उमा अविट नगर नमर परि नया गर्भा सुमा दुमा मी प्राप्त है या ग्रीया स्टाप्त देवे प्युका ता प्रमुपा मिया सुमा का मायाया मानेश रेन र्ये के र्दा रेही मार्थन मानेश राम् र्इ रदा राम र्इ राम र्इ राम र र्धेशा मर्डें नेंदे देनामी स्टा वर्डिंश की मुन की मार्व वार्य मित्र विषय वर्षित्। वरुःगरिगार्भेः वस्रायार्भः यद्याप्यात्रे वार्यार्थे मार्थे वार्यार्थे मार्थे वार्या विद्यार्थे विद्या या तुमार्यो श्वेतामासुमार्या दत्ता श्वार्या द्या श्वारा द्वा श्वारा द्या श्वारा द्वा श्वारा द्या श्वारा द्या श्वारा द्वा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा द्वा श्वारा द्वा श्वारा द्वा श्वारा द्या श्वारा द्वा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा श्वारा श्वारा द्वा श्वारा श्वारा श्वा श्वारा श ना वर्षिर र्यो ५८ इ.क. या सैनास मसा नमुन रहेट सूर् र्वेनास मवे सूया ग्रीमुन रहता नर्नित्राचमोमायात्रयया उत् स्त्राव्येत्रायते क्रेंनया न्या सुः यया ક્ષુેશ'યવે'એ'વેશ'ઌ૽ૄ૿ૺ૱૽ૺઽયુદ'રવ'5ુ'વવર'વવે'5તુશ'&'વલુળશ'વેદ'વદેળશ'શુ' र्टायते र्हे हे त्वराया श्वेत क्षराय विषया या स्विषया यहराय स्वापाया प्राप्त ठत्रध्या उत्रक्तिम् वित्राम् व्याप्तिम् व्यापतिम् वित्रम् वित्रम डेबायदे बर्ळब्यव्या नुपरिप्त्याशुर्मे हे सेव्याप्ति व्यार्थेग्याप्ता शुक्रेक्टा या स्वर्थेन या सेवाया स्वर्थेन या सेवाया स्वर्थेन या सेवाया से

क्ष मद्भित्रमार्वेत्र अहँ या सुमान्या मार्थेद्या सुमुम्य प्राप्त मार्थे हैं है से स्राप्त प्राप्त स भुं अर्देगं दग्रम् स्राप्त अवेट दश्य पदि लय मशुश्रा सुग दुग मि दि परि स् मिर्देश मुर्श्य स्टायन्ते पुरायाय पुना के मा अभाष्य मिर्देश हैं निर्देश स्त्री मी। मार्लेन मार्रेश मेन में के प्रायम् प्रमायम् केंग प्रमायम् केंग प्रमायम् न्यार सं म्यु माशुक्ष या मोक द्वार प्रमेर प्रमा कुर से किर से दाया विषय से मा विषय से मा विषय से मा विषय से मा वयायं तया चुरावते क्षु र्वेषायाय इते क्षे प्रमा दुं त्यया क्षु र्वेषाया से हे भूमा ची स् नगरा द्वेंदे र बेरा व्याणि र नबरा चुट मी र हिटा न चुब णि द्वे या हें व र्ये ब नमुक्रामा नममम्भा क्षेप्रादे न्त्रमासु हुं त्यरादार्वे में मुं मुकासळक्रायायरा हुटा चतः इसः इतः न्यारः संदियारः सञ्चरः नसः चतः लयः यशुसा सुयाः नुयाः वीः निर्देशः मार्थेश.ग्रीश.स्ट.पर्यु.लीश.ज.पविर.श्रुटा। क्षेमा.श.मालश.मार्थश.र्स्.ह्र.ज.मायश. यदै'दर्षिर'र्यो'न्द्र'र्यामी गर्धेन'गिष्ठेश'रेन'र्ये'के'न्द्र'या इ'दहेन'या र्थेट्रश'शु' गुरपायराम्बयायराम्पायराम्याचित्रपाक्षीयविष्या भुवर्षित्रयार्भे शेर-रिश्र-हिटार्स्ट्रियदे हिमायास्ट्र-दिन्या हिमायदे स्ट्रेटान सेन ये के क्रियायायायाचे वार्षायाया है वार्षायाया है के त्या मुक्ताय है का मिल्या प्रवास्त के विष्या प्रवास के विषय के वि मी'क्ट'र्। र्रे'हेरे'सेट'नश्त्रुय'र्येर'नर्सेर'न'य'नहेक्'यरे'ग्न'न'नमुर्'णेश' यमेग्रायदे रे हेदे गर्दायविश्वास्य स्यापा से से रे हे हे रे प्राप्त से से केदै में मामीय अहें या पदे नियमी भिया देश से या देश से य ना यम्त्रीते स्ट्रेट कम्बेर ग्रीमारमाय निते प्रीटेय सुरु स्वान ग्रीमा क्या प्रमूट

नदै'र्रेक्'र्से'केदै'र्'न'र्दार्'र्च'सेर्'स'य'र्देय'तु'र्दार्स'यन'य'र्सेग्रायस' नमुन्या नेते सुर्ये र्या सुर्वा प्रत्यायसायस्य प्रविष्टेन स्वर्धे केते स्वराम् नेते से हो रुः अद्वय्यन यञ्च वद्या असेदायवे द्वीत्र राष्ट्र या यद्र द्वात्य स्वर्था र्शेनायाययायहियायमानुयाया हिनायदेखायदान्यादर्गायदेनार्थेन मुःसूयातु न्यमः र्राथा तम्राभः मेनाया भ्राम्या स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय वर्षिन् न्यायर्केन्या क्षें न्या क्षें न्या क्षें न्या क्षें प्या क्षें प्रा क्षें प्या क्षें प्रा क्षें प्रा क्षें प्रा क्षें क्षें प्रा क्षें क्षें क्षें प्रा क्षें क मीम्यानिक्यः त्रुप्ते पर्दे हे प्रेक्षके के मीया श्रुप्त विष्टे र्यो से प्रिक्ष स्वाप्त विष्टे विष्टे प्रेक्ष स्वाप्त विष्टे विष्टे प्रिक्ष स्वाप्त विष्टे विष्टे प्रिक्ष स्वाप्त स्वा निव्यानिम्यायि हान्यव्यासूयानु निर्मानिमान्दा स्वरायि हे सें रार्टेया छै। वर्षिर विवेषाण्याम्याम् विवादार्थे विवादार्ये विवादार्थे विवादार्ये विवादार्ये विवादार्ये विवादार्ये विवादार्य नडरायदे सुर्रेय हु। महुराद्वाय र्शेवाय यदे दुर विंद यसुद्रा कवा वो यर सुर मैटायार्श्रमाशायदीमेटाचमुत्रा देदी सामराममुन्तेन पार्श्रमाशायदी सुनाशार्भेटा नकुना हेर्स्रमहुत्रसुवाकेन र्यायामार र्याकेते मार्नेराया उनावार्सेम्यायते निरा क्रिंट नमुन् युग्य हेते कु नमुन् ने या ग्वयाय के में स्वयाय के ग्वयाय स्वयाय नकुता देःदगामी सेट मी तथा भागवाय भार्मेग्याय भाग्यार्थेग्याय परि ह्वेत नकुता थे मेश गुःशे प्रमुद्रा अर्केद हेन प्रमुद्रा मालन प्या गोट दुश द्रा माश्य मेट मोश स्नायदेर्भ्रिट्य वैद्यान्यद्यद्यायान्य क्षेत्रामु वायान्य अर्द्धन ग्रीयास्ना यायार्श्रेम्बर्यान्दा गुर्नेमान्दानुर्मेनान्दा छिन्दा क्षेत्रसुदान्दा बेदामेन्दा स्मायार्थमायायाद्या ठाठीर्स्मायदेर्रायायाद्याद्या मार्नेद्रिवाद्याया

र्शेमाश्रापाद्गश्राण्यात्रेशत्रहेमाश्रासुत्रता मुनायात्रतात्रमायात्रहेत्रयात्रत्या क्रमार्श्वेर पर्वे स्वापर्वेर या वर्डे अष्ट्र पर्वाया से मार्डमार् वास्या मार्डेर प्र भ्रामानेमाया सुमाकुः ध्यापकुराया उटा हेतु दटा र्वेदाया दिया तृ मायहेताया र्वेर प्रश्रु वेर प्रमुक्या मेर हिए दुर मिर दुर दुन प्रश्वाय भेक हुर अर्जर पर चेत्रपर दुर सिंद इअश चैश पर्झेर परि ग्वाबय प्यशायदा मी कट मी । रे भेग नगु भये नगु थं थु थं थु सु मी न गु था पर्वि स्वापा सु । ब न न न स नदेखर्मा उत्र में केट द्या वट में सेंग्या मालव मार्य अर्दा कें निवर क्र क्रियायाय इ. १८ १ अये या न्या वर यो या राष्ट्रा या प्रति या प्रति या विष्टा द्वा क्रियाश्यम् प्रत्यात्राचित्र विदाने से नर्भेश हेत्र महेत्र पहेत्र पर्वा मान्न न्युश स्रोते क्रेट.रे.स्र.लुच.रेट.स्.जंबा.वैट.चंटु.चें.चंटु.रेज़ेजा.प्रम्रो ट्रेटु.रेचेंबा.बी.कें.जंबा कु'त्र-ग्री'र्ख्यान्। है श्बेर-पें'यया चुट निये रया ग्री'न्त्या सु'है श्वास्त्र स्या दे यशर्देर्'दर्सेश'यश'यरे'यर'ग्नेग्राय'व्रस्य उर्'हुत'र्द्र्य'रे'वेस'य' लूटराश्री.बीर.तातार्था रट.धेर.बी.स्.इ.पहूच.तातहरात्रातात्वाचूच.येर.बीर.ता. भ्रुम्भर्मा क्षेर में जी र रहा विकास सुमा मायका रता मी प्रसुर हिटा मार्थित मीका म्रोमार्यायमा व्यवस्टितः सुवायापारा विवायापारा विवायापा ह्रम् बिटा मुम्यम् उर्णेयानमुम्या न्यम् देरेष्युगयानाम् ख्रुश्ययानुटा चतः क्षेत्रभवे न्योवायां नेवे वेन येन स्वाया मान्य मान

ब्रिम्बायपिःबाद्यामुबाद्या र्हे हे र्हेक् र्ये वार्यायपिः गुद्य खेनाबाद्या रेगायास्स्रमाश्चित्रप्रा पहस्रप्रयाप्तरप्राप्तरुग्याभित्रम् च्रम्भुरान्यम् क्रिं स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति ब्रेट र दुं धेना अवेट न तें र बेर खर्र र ख्र र या यश तें र बेर पर्से या यथ यह या मुबान्दानुदाक्ताक्षेत्रवार्यस्य न्यतः न्दार्ये न्दार्यमायते केंग्या स्रावासुन न्दाया र्दुं या बुग्रायायया विर्विदे हें हो या देंगा द्वार्या है द्वार्या स्वीद हु ग्विर वा दें र्देन बेर खर्द स्वरंपा क्षेत्राया कुं याया कुं धैमा मैश सक्तरंपा ने प्यश हैं हे सार्से दे र्वेमाश्च सम्भार्श्वेश है। नम्भायतीयम्भश्च सम्भार दि हैया मुम्माद सुमित्र दु माद या है'अ'याम्बर्याययायेअयाउन्रस्थयाञ्चेन'यर'च्यानयार्रेहे देवेमयाचेन वियायमानुषायाद्राष्ट्रमानुपदुषाने देशके विभायमानुमा यमानवस्य ह्या निक्षेत्रार्टे हे दुं नित्वरुषाया र्षेत्रा सु सु स्याप्या स्ट केन त्राया सु रे हे यह्रयात्रात्रार्स् हे यहमाया चेदाक्र में भी सर्मा श्रीटायमा लया द्रमा स्वार्मा नवि'वनब'नरु'र्नुम्'राम्पबा'नस्बर्धानिट'मपित'नमुद्धार्यादे सूनब'ण्येब' चलुग्राया विस्रयमसुस्रायी चन्यम् नुस्याय ५५५ लेश स्मिग् उट विग्रयाय अके'न' इस' परमार्डिमाया पार्सिमा हेर रहता सिंमा हेर मी' प्रमाया द्वा क्षेत्र या प्रमाया है। क्षेत्र या प्रमाया श्वित पहिमा परि दुषा क्षेर प्रचराचा श्वामका शेर ग्रेन दुषा प्रिमा हेन दूर वहिमा हेर यस वर्षा भवे द्वाया सेमारा सहित हो राष्ट्री वहिमारा स्राया स्र वहमाश्रायम् अहर्नाया वैंगाम्दे श्रुकेन में विमाक्षम श्रीमाया श्रीदे प्रमान्त विमान्दान्तियानु वाचा विषया सुन्दानिय विषया सुन्दानिय विषय सित्र व अर्केन् स्वेर र्घेम् शन्द श्रेर्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप मुन्द्रभयः गुरायमुन्या मस्याया केया मरेरामुदे मात्रमारका भ्रेत्राया मारेराम् हैं अप्टर्श्चर्य्य स्थान स वयान्सरायी रयानु प्रदेशसायावयान्या स्वाप्या नेते सेटानु प्रदेश न्ययः मुः लयः बेरः र्ये प्येन् रह्या विषया वार्लन सुते मुनः मुब्य प्यमुन्या शुः र्यरः वयान्सरायी मार्थेन वयासेरायी द्वी स्वायामार्थेन मी वयान्यायी मार्थेन देवे माध्यालया दुरागा मार्धेकालया कमार्थे। लया इस्या मेका दुरा हिंया या लया दमा र्भे वर्षका कर ग्राट श्विम मासुस्र मासुस्र निर्मा सुमा मायस मार्थेन श्वी निर्मे । मिष्ठेशः श्रीशः मुद्दार्थे केदे यम् श्रायार्के त्राया अर्मी मिष्या द्वा सुर्धे रायस्व हे प्यमा यद्रम्पर्यत्यम्ययम्भित्यम् वर्षेत्रयम्बर्यम् । वर्षेत्रयम् । वर्षेत्रयम् म्। हारायाम्हाया विवास्त्र रमास्रा चर्वास्य चर्वास्य चर्वास्य

नगु'य'न'ञ्चम्य'णु नरु'य'न'न चुम'र्ने नरु'मठिम'य'न'म'र्नु'म नरु'मठिय'य' न'पर्मिर'र्ये। नरु'गशुअ'य'न'र्रे'हे'रे'थ्'या नरु'नेवे'य'न'र्रे'हे'र्ये'ना नर्रे'थ्' यक्ष्यामी वदुः दुवायक्ष उदा हेतुः वस्रु अश्वीदा स्ववास विविधा विविधानितः वि ष्यमामीबानगादानदे र्वेदाया माध्रेबाया क्यान्य क्यायदे अमी नी माशुबाया का सुना चल्रियान्यम्पराया स्यान्यन्वम्याया नुमायान्यम् । चनुन्या न द्वारा द्वारान व्यापा वरुपन दुर मिंद क्वीर वरुषि हैना यन से नुमाययानिदाया नर्समाया नर्समा नर्समा नर्समा नर्समा नर्समा नर्समा नर्समा क्या पर्यम्बर्भन्य महीया पर्यम् त्यम् केषासुस्या पर्यम् न सुट रस्य प्रस्थाय । व्यय गायय ग्री प्रदेश सी ग्रिय प्रस्था सारी ग्रीस यश्तादा विवायशर्वेदाता व्ययशर्धेदा दुमायश्वी वदुन्यश्रायम चकुर्'यश्याप्य'द्रा गर्थेक्'ग्री'द्रा'र्येश'तु'र्मेद्रा गर्रेश'यश'तुग्'या गर्युअ'यश' नुर्भेग निवस्यमाने दें। स्यमामा दुगायमानु केन भी नदुन यमामिमाना चकुर्'यश्'चलर्'अवव'या कॅटश'य'र्ट'र्चट'र्ये'र्ट'ष्ठ्च'य्ह्ना'र्ट'र्ना'र्ये' न्दा मार्वेव कु मार्ने द दुमा न्दा व्येमा पर्ने व न्दा तु न न है। या क्षेया मा सूचा कु नुषाने। विषयार्थमानुः अववावषायो नुष्टारमानुः प्रवरापदेः सूरि प्रविषावः प्रविष्याया प्रमधः

हिर्द्ध क्षेत्र क्षेत

प्राचित्रक्षेत्रभ्रम् निर्म् विद्या मार्थितः मुक्ष्यः मुक्षः मिक्षः मि

र्रामी यह में अप में हैं के लिए का मी के मार्च म मालका हैं है मौ मामा तसुर बिटा मार्जिक र्वे दाया मार्जिक र्वे दाया मार्थिक रावे दाया मार्ये दाया मार्थिक रावे दाया मार्य या यन ग्रेमिश्य मित्राक्षित्र भी निर्माया मित्र प्रमाया मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र के सि.मा खू.जना वैट.चतु.प्रम.मी.मी.मप्त.ग्रीना नामा ती लेना मीना नामिना भ्री-रिमेनाम्यान्ते, त्तानम्बान्ते श्वामान्ति त्यान्ते, त्यान्यान्ति त्यान्ति त्या क्षेंबबायर लुगवायये दगवाय व इबाक्षे के यन ५ त्रुमा ५ का तु न मारा न हा यु हु साक्ष्र हु में १५ वेष महिन या ने मिल्रामा ने मार्था या प्रथम उत्यो हिया सुरक्ष मार्थ मिल्रामा म हेबाकनाबाणु टाकुवा नुर्वे। देवबा रूटामी श्रुमाबामिये दुंधिमामी र्वेट् बेरामी श्रुमाबाणुबा यावतः विचः ग्रीः याद्याः स्वयाः याद्याः विषाः निष्यः निष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व गार र्देर दु 'वु 'च 'हें दे 'यम 'वम 'खुम 'चु 'य ह्य र 'बुम म 'यदे 'चेम 'ये 'क 'म हेम

यत्रम हुं दर दे र्येट्य सु सु र प्याप्य म्वाप्य माविया प्याप्य स्वाप्य स्वाप् र्शेम्बर्यास्र स्वरं हिन् वस्र संस्टन् र्सेट्या सुर्हेम्बर्या मन्त्र द्राप्त स्वरं स्वरं विमायोक्ताम् विमामान् काने सम्बन्धा स्त्री स्त्रीत है । सम्बन्धा स्त्री सम्बन्धा समित्र समित् ल्ट्राश्चिर्यात्रा रचित्राश्चित्रं त्राश्चर् हे हें मीया सर्वाया नट मी नर र हे यशयमिर ये में श्रामक्ष्य मा हिर सायश रेत ये के समा सक्षा नुवा रु से यश्यज्ञ भेश्यम्बर्या नु ए नु ए प्रश्नि प्राथ्य में प्राथम् । प्राधि स्थाप्य । व्याप्यसम्बद्धाः क्षे क्षेत्रां स्थान्य प्रमान्य स्थान यज्ञ वैश्वास्त्र या नुदार्भेरारायश्याया र्यामी रश्यास्त्र स्वास्त्र स्वास्त् यमायम्राम् म्यामस्याना हैं येया में मायमा हैं है मनामस्यान येया वेया वेटा दे र्दे प्रमाय मुर्दे मा स्वाप्त र्चेन मुर्या अर्वत या इसवा प्रेंट या सुम्मुराया प्राया द्राया से हे पहेना या मुद्रा हु चरुः नशुभः मुः भूरः र्षेट्यः शुः र्हेन्ययः यरः मुरः यदे। दत्यः मुः नद्यः पाद्रः विद्यः स् विवासाम्यायम् प्रमानिताम्या विवास वि मार्अभ में वार्य मार्ज सामा हिंदा हिंदी हैं मार्ज हैं या स्थान स्य मार्डमायायार्षिमान्नेराउन। र्षिमान्नेरामीप्रमायार्। भ्रीनायार्पार्धियार्पिमायपेर रुषाक्षराययराया श्राप्यायेराग्रेतर् यहेषाया यहेषा हेतर् रायहेषा हेत

त्रभायत्रभायते क्षायाः स्वायाः अह्याचेत्रायाः वहेग्यायाः स्रायाः वहेग्यायाः स्रायाः वहेग्यायाः वहेग्यायाः वहेग् शह्रता क्रुं, पारपुरमा क्रुं प्रविधाः सेरा मुचाः ना श्रुं प्रविधाः राज्याः ना भारता स्राप्ति । न्दःकैयानुः वः ना वहेमायासुः स्दान्तिः वेदः पास्रयः भेवः वियावेदानु सर्गः र्ने र्सेन पाय परित्रे वें प्राप्त से पाय मिन पा स्था प्राप्त से के प्राप्त मिन के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त मिन के प्राप्त के प्रा ८८.श.२४.म.८.५५८.१ ४.७.५५५४.५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५ चक्कित्या मासुर्यायाके चा मार्डेराचुवैत्मा तुम्यारुमा भ्रीकासाद्वा है का द्वा भ्रीकासाद्वा है का द्वा भ्रीकासा ठवःमैवः मुः र्षेषः यः दुः र्रेवः यें उवा देवे स्ट्रेट सः दुः मार्श्वेषः ग्रीः द्वाराणीः वयः दसरः र्से रमामुप्रहेम्बारायलयान्याम्याप्रह्माया नेते स्ट्रेट मुप्तह्यान्यया मुल्या बेर में जेर रका र्से बार्च वार्वक कुरी सुक सी बार कि र्मेर रका या शिर्मेर रका या शिर्मेर रका या शिर्मेर रका या विष्या रिते स्वाप्तिमाणवाणी लिया निर्देश निर्देशमाणवा निवास विषया मार्थेक लया बेर में। द्वार स्वार मार्थेक मी लया पर में। देवा मायबालया 5्राण मार्थेक् ल्याक्मार्थे। ल्याक्स्यानेक फुर्सियाया ल्याप्मार्थे प्रस्या रूप र्भे केते यमायाया र्सेन्याया वर्षा माणया निष्य सुर्धे रावस्त्र हे त्यमाया निष्य मिरायते यमार्थायामार्थेन्यान्यानमुद्याने एहेन्या क्षमायामाययाग्री प्राप्तामा मिष्ठेशयान है। है। भूगा मह्रस्यान मार्कियान स्वीपान स्वीपान स्वीपान स्वीपान स्वीपान स्वीपान स्वीपान स्वीपान स्व षा विगायक न्या है। यदेव या वा व्यविदाय विश्व विष्य विश्व विष

णु। वरुःयः तः द्विमार्ने। वरुः मार्रेमाया तामा तूं मा वरुः मार्रेशाया तार्योक्याया नदुःगशुभायान र्रे हे से स्था नदुःन्नि यान र्रे हे र्घाना नर्रे स्थायान स्यामी नरु'र्जुमा'य'र्ज'रुट'रेतु'नश्चर्ययाभीटा। क्ष्मा'यामर्थित'ग्री'र्ट्ट'र्ये'र्जाप्रमा'मीय' नगाट नदे र्चेन या महिषाय क्य क्रियाय देश मिर्देश मिर्देश मार्थ स्था प्रकार प्रकार मिर्देश मिर् मटाया स्यान विषयाया इषायान पानु चर्न यान कुया चकुरायान देवा स् नगु'यान'यमा'या चरु'यान'नुराष्ट्रिंन'णु'रुषा चरु'मार्डमा'यान'भुषानु'मार्थया मैटायानर्म्याया नर्मिश्यायान्ये। यत्या नर्म्यायान्ये प्रत्या नर् निवासाम में मारा महीया निर्देश्याम प्रमान स्थान महीया निर्देश्याम स्थान रयान्यस्थयाया व्ययाग्ययाण्चीप्रार्थयास्या महियाययासान्। मासुसायया मुद्रा नविरम्यार्नेदानु। स्ययारार्येदा नुगाययाष्ट्री ननुन्ययासुग नकुरा ययसान्दा मर्थेन मुंदिर र्येया मुर्नेदा महिया यय दुमाया मसुसाय मुर्नेम निवेष्यमाने दें। व्ययमाम् इमायमानु केन ये। नदुन यमाम्बमाना निनु प्यमा नलन्भवन्या ब्रायान्दान्यार्थान्याष्ट्रमान्दान्यार्थान्या मार्वेवा रुष्तर्दित्रवादित्यमायदेवर्दात्र्याचर्दाक्षेत्राम्यस्ययायःस्वाद्याद्वाद्या र्देग' मु' अवव 'वया के 'द्युट' रचा मु' प्रचर 'चि 'गूर्वि 'द्युव 'च लुग्राया देवे ' यदान्याध्यार्भा है। हे में यद्यायार्थेना सेना सुना नाहेया ग्रीयाययार्भे हे मो मुमातस्र नेदा मर्थे कर्षे दायाम् मुमायि । समाये । समाये । समाया । सम्बद्धार । समाय । सम्बद्धार । सम्बद्धार । सम पविरामा ब्र्रास्थातिर्पर्याचम्बर्परास्थार्ग्याति पर्द्यार्प्याच्या स्था

चक्तुन्या व्ययमाणयाचकुत्यानेताम्भेन्याण्यापायाचुत्या वृत्योभ्यः रुमिने सुमामिन हेरेमिने र र्मार से र्मार है रसर यदे लयम सुमा इमामी न्दर्भे मार्श्वा मुगान्दर्धिन या यहित यय स्टाय्य्ये खुयाया विषु र के दा भ्रमा भाषा मार्थि न्यम्यम्य द्वारम् द्विर्धेराक्षेराक्ष्यानिन हेये मनिन क्षेरार्थे केरार्थे न्याराचये लया मासुस्रा सुमानुमामी ५८ में माहिस ग्रीस मी मामा ५८ में ५ मा ५६ मास ४८ १५६ पुरुष्यायाय वुद्रा द्विमार्यामाययामा हैयार्देरा तुर्दर रया मी मार्थे द्वा मार्थे या हैया वर्षिर र्थे द्राप्त इत्रिया कुरा मुखर्दि कम्बायाम् वित्र हेवे मानेद द्राया दशरार्ह्याद्राप्तराच्यात्राचा सुमा दुमा मी प्रदार्था महिषा गुमा प्रदार्थित यतह्रम्यम्यर्पत्रेत्यस्यायष्ट्रप्रमायायष्ट्रप्रहित्। क्ष्मामामायमामाभ्रमायज्ञाप्तर् मी। मर्धेन मार्रेश र्ने रामु प्राप्त रामेर र्थे प्रदेश मार्थेन मार्थेन मार्थेन मार्थेन स्थित मनेद्रस्टाम् स्ट्रिंद्गार्यदेख्याम् सुमा सुमा सुमा निप्ति में प्राप्ति समी मुमान्द्रार्केन्यायहेन्यायाम्द्रियायायपुन्यतेष्यायायपुन्यकेषा रयाग्री दर पर्विर प्या मार्थेन मार्शेन र्वेर तु दर यज्ञ पर्देन या न्र क्षेर र्वे प मानेन हेते मानेन हेंन र्ये हैं नगर नगर नगर निया मुगा नुमा निया मी निर्देश मिश्रेश ग्रीश मी मी मी पट र र्वेट स्तायहूच संश्रास्त पट पट प्रीत खिशाला प्रविट र रहेट । क्षेत्रा श्रा म्यायम्याम् भ्रम्भ विष्यास्त्र में स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर्धन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्यन स्वर् वहें बार्या क्षें क्षेर निवास माने वाहे वे माने न न नार में नार के नवर नवे लया

खुरायाय वुदारेटा अमारामाध्यामा हैया द्वमाया द्वामाया मार्थे दामा हैया यज्ञ'न्द्र'वर्षिर'र्वे'वहेन्या वुन'र्सेर'यज्ञ'ग्निन'हेवे'ग्निन्द्र्रर्यं'न्सर'र्से' न्यार नित्र लिया मासुस्रा सुमा दुमा मी नित्र में माने सामी मामा नित्र में निया पहिन यश्रास्य प्रत्ते खुरायाप्य विदारे हिमा अमाध्यामा हैसाय इत्यामी मार्लेक् मार्शेक्ष त्रावें स्त्रां नित्र कें स्त्रां त्रां स्त्रां मार्थेक स्त रटार्बेरायायहें त्रायायाय प्रतियायाय प्रमास्या क्ष्मासाम्यसाम् हैसाया ठ८'णूट'र्वे८'स्रम्भभ'स्वेर'र्न्सुम्पर्दा एमा'वर्दमा'सवे'मर्मे'र्ने, र्नेम्'स्यास्य पर्देवे र्देन्वयारुका वयारे रे या द्याराया त्या स्वापिष्ट विष्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स ब्रिटार्दर ब्रेस्स्य मुत्यर्थिया अवयः ध्रमः र्स्य स्वास्य पर्देषाः र्भे'न्सर'र्भेस'स्कुत'नुस'या रेग्स'क्त'ए'र्नेस'न्युर'य'यकुत्र हेटा नुर'र्स्चेट' श्रेर र्स्थ प्रमामा प्रचारमा प्रचार प्रमास स्थान स्था हिटामीश्राशक्र्या हैराक्र्याशाचित्रामा क्र्यामी स्यामी स्थापी स्थापी स्यामी स्थापी स्थापी स्थापी स्थापी स्थापी स्थापी स्थापी स्थापी स्यामी स्थापी स्यापी स्थापी स्थ रमाश नुशनिद्या यज्ञ केत्र से द्यार सेश व्ययमानु न नुशन्य सुर्य नुष्र से वश्रश्चर्त्य मुन्ति सुन्ति हिंगि हैं मिहेश्या दुग्दिर स्वर्यं सके पदे सेट

न उन में। निर्मेश्वर हेंन उर्हें मान्यार में निन मुक्ती बिट न्या मुर्खें या । न्यार र्ह्य न्यर नदे ल्या मासुस्रा सुमा नुमा मे निर्देश में स्या में मामा निर्देश यतह्रम्यम्यर्पत्रेयः वर्षे रयामी मर्थेन महिशार्ने रामु प्राप्त प्रमा विष्तु या मुख्या शिल्या हिल्ला स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप मर्ट्रिट रुवा र्झें अलिट श्रुट या मुंश से प्रमान से प्रम मासुस्रा सुमा दुमा मी प्राप्त मिश्रा गुसा मी मामा प्राप्त मित्र प्राप्त मिस प्राप्त प्राप्त मिस स्वाप्त प्राप्त मिस स्वाप्त प्राप्त मिस स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वा यन्यायाविद्यहर्ति समास्यामालसमाध्रेसार्स्हिर्टर्स्यामी माल्यामाध्रेसायार्प्र न्यर क्रिन्यर नदे ल्या मध्या स्वा द्वा मी न्दर से मिश्र मी मामा न्दर र्घर यतह्रम्यम्यरायद्वेषयायायषुद्रदेटा द्वमाम्यम्यम्भभगम् मी। मर्धेन महिशार्ने रामु ५८ त्यार्म राधि रामि मुद्दान र में दि हिए मा सिंधा ब्रिट ख्रिट त्यामासुर्य स्यापसुट त्या स्थित र्से दिया स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन र्भेमारेश ग्रीश मी मामा निर्देश प्राप्त होता स्था स्टाय नुषे प्राप्त प्राप्त प्राप्त होता । अमाध्यमानेश्यम्यामी नदायमिरायी मार्धेन मानेश र्नेर सुन्दा यहेन या <u> लुमानिक्षाप्ट र्घेन सम्मायि न्यु मुमानिक निष्य सम्मायि समानिक सम्माय</u> मु' ख्या नमुत्र'या विनया ग्यायया मुस्यया निटा गर्येत्र प्रमुट्या यदे सून्या गुरा नबुग्रमा मुदिग्गु नबिराधामी नबिर्धित्यासु गुरायायमा सदिर्घेर यान ५५ क्षेत्रामादायायविरागुरा

क्षाँ देश हैं श्री मी पूर्व वर्षुं यता मार्ड में प्या प्यापुरा नस्मा प्रासे र त्र विरा तिषाक्री प्रासितः स्रीतः स्रीतः तिरा तिष्या तिष्या प्रविष्या स्रीता स् इस्रयाणु ले स्टा हुट्या केयाणु प्रचेट्याणु प्रेयायायाँ पार्वा परिवापु पर्स्या रूट द्र पुराया विया पर शुरा के हिं के हिंगा माने सुमा माने के हिये माने दाया लिंश नर्भेजा रनमा देशरानर बैरा लिंश ब्रीना सैंदा सूर सूर पर्स्था स्विमाश नरुरमानेमाया येययारु इस्ययाण्णमिन सुमा श्वर्या ये येटा द्वारीय येयाया नर्गेता गठेगानु नस्या वटमी भरमी अळव अत्र रे पे प्रेन्ये र से प्रमुख र्छार द्वर हिण बेर सूरमाने दासे माने दाया खुरा नस्मा पुर के दासर सुरा लेश.मी.प.सीप्.स्.पश.मीर.पत्र्या त्रीमायायर्रामानेमाया मुशयाय्या स्थायाय्या ८ॱमुयः ८८ सेर सू हुट्या अवस्य विदः चै यो भेषाय पर्मे । गठिगा पु रास्या द्वेंदि' सक्त सान्दर्दे में निर्मा से मान के स्थान से मान से मान से मान से मान से मान से मान से साम से मान हेते मनि एषय खुराय सुता दयम हु से दाय सुरा खुरा सुति र्से क्या सुरा <u>र्चेर्अर्रुच्या र्ष्युम्</u> इंग स्मार्म्याम्बर्देरम्नेर्प्याय्याय्या रमगानुः भेरामराणुरा धुभागीः मधुरार्भी क्याप्तीरार्भे क्याप्तीरात्र्या र्धुनाया यस्र मानेमाया बेमया उत्तरम्ययाणीयमार्नमा ह्वा नु नामानायते यो नेयायानर्गिता 

र्वे न मिने में मिने न प्या पुरा न मिना नु से न मिना मुक्त क्षें क्या सुरादर्श सुराया यदरामानेगया श्रेयया उत्तर स्थया सुरार्येदा पर्दा नर्डमा न्द्रमित्र स्वापायमिता महिमानु नस्स्वा न्र सित्र सर्व साद्र दिने रमगानु केर मर गुरा धुका ग्री या शुक्र केर केर वर्षे वा प्रेंगवा यहर क्षें नयायानर्गेना गरेगानु नस्या क्षें क्षेत्रेया अक्तयान में में निर्मा के में निर्मा र्छों यज्ञ हिंग यज्ञ मनिन हेरे मनि प्यया खुरा नस्मा प्राप्त प्यमा पुर से प्राप्त स्था लुभाग्ची'न'सुति'र्स्ने'न्याप्रीर'तर्स्या प्रेंग्यानद्रर'म्नेग्या येथयारुन्'इययाण्चे' वकै'नन्मामी'नरुन्'नर्डमा नुक'यवै'र्स्रेनम'या'नर्गेना मरिमा'रु'नस्मा नुन' मुंद्रिः भक्ष्यः भार्टाः र्ट्रास्तुरः भेराः नुष्या । श्रामिनः ह्री रयाः मीनि स्वासीः मिनि हरेः मनेर्ज्या प्रमार्जेश्रा व्यमार्जेश्रिया सुर्वे स्थान्त्रीया वर्सेषा र्सुमायानस्यानेमाया येययास्त्रम्ययाम्भितान्तरान्तर्या हैटाटे वहें मुं क्षेत्रयायानर्गेता गर्डमा हु न क्षेत्र अर्जन अर्दार्टि में गुरा प्रमागुरासुरे से त्राप्तेरा पुर्वाया पुराय स्मानेवाया येयया उत्तर इसराग्नी रात्रायस्य हित्या निसंसान्तर स्रोत्ता नार्म्ता पार्टिमा में प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्था प्राप्त स्था मी:न्र द्वेति अळ्ठा अप्टर्से में प्रमुक्त अप्टर्म अप्टेम् र में प्रमार्थे प्यम

लेश. चर्मेजा रनमा. दे. भुर. नर. बैरा लेश. बी. च. मैंट, सू. पश्चरा हैर. पर्स्था हैगाश. नदुरमानेमाया येथया उत्रस्ययाणु क्तै। मथया श्वेटा हे र्द्ध क्रीटा से स्था नर्गेता गरेगानु नस्या क्षें नुन ग्री अळन अन्दर दें में नर्रेन से न नुस्या कें नु र्सेतुःस्र्राच्यान्त्रेरातत्र्या त्र्वायान्यद्रमान्वाया य्रथ्यान्ययान्या र्टेर्नि र हो र के र र हुरा । के यह र है। के दि या पुरुष य सुवा र यग हु के र इस्रायाण्या स्वाप्त विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषय नस्या नुदानरमी अर्जन्यानदार में निन्या के खू हतुं। र्वेदाया चल्रिनभुवा नमगानुः भेनाया सुरा धुमार्या धुमारा सुरा भुवारा नरुरमानेमाया ख्यानुगामी देया श्वरमा श्वरम्या सेताम्या विदेया मार्क्या ८८. ट्र. प्र. प्र. में त्रीया क्ष्र क्षें क्षे त्र वैरा लेश. वी. य. भ्रीते भ्रीत प्रतिया मुनाया प्रतिया भ्रीत विराधा प्रतिया विराधा भ्रीत विराधी र्भ्वेत भ्वट्या परे प्रायाम्बर्य पार्स्यया पहेता परिमापु पर्या प्राय क्रिंगामो माल्या प्रयापदाया घेरा प्रमास्या न्या स्वराधी स्वराध भेर्-रु-चुर-य-र्रम्थायम्। मूर्याक्षेत्र-भ्रात्म र्र्यादे प्रस्त्र-भार्य-प्रम्थितम् अप्ति हि है॰भे'गो'नु'न'न'नुं'नुं'यत'यत'यत'यत'है॰ छोड्।ख्रु'ने'न'य'य'रे'भ्रु'राख्रु'गात्र'ण'

इंश्वे.ये। प्रामा,श्रेटामा,प्रशास्त्रम्, ज्याया,त्रा,त्रियाया,ती, स्वाया, स्वया, स्वाया, स्वाया, स्वाया, स्वाया, स्वाया, स्वाया, स्वाया, स्वाय, स्वाया, स्वाया मुँट इस्रय गुः क्षेट मा द्या सुनाय गुरा न्या समीत पा त्या त्या समीत पा नर्डेट्या हे नगुमा द्या दण्चिया पर्वेट्या सुविरार्धेम्या अळ्यया इयया सुविराया की नर 5 र नर में र अर शेर मुद में के या लेक या भेग हें दाया गणश हैं है न्दाम्प्रिन् भ्रम्था अह्ना अह्ना विष्या देवे मार्थेन दुः हे न्यदान्या स्वाप्या हैट या र्वेद या म्याय महिषा श्रुच मिट प्रायमिर यो मार्थेद महिषा प्रायमिर नुःगैं सुः इं र्घनायाया द्वें रामानेवा है 'वमा यें या है 'वा वें वा सा सा व्याप्त से रामेवा है । प्यम्या माणबान्चुमायान्यमार्थेन स्माबाबह्या अह्याया व्यापुः कुः सः न्यार से ब्रियाय र्वेन या ब्रियालग्रायहेन या ग्रुट मुखाटन सेर से मुखा या गिरेरायाम्बर्याया मायसासार्चेन मुर्मेट मिराद्राराम्येन नेतु यो र्घेमासाया नेते मार्थेन पुर्वे मार्था प्राप्त मार्थ प्राप्त मार्थ प्राप्त मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार नग्रारसेट न्यास्रा गर्भेन गर्भेन गर्भेन न्या सुगान्य पार्चेन न्या सुरान्य न्या सुरान्य न्या सुरान्य न्या सुरान्य न्या सुरान्य न्या सुरान्य सुर न्नरक्तर्गरभें मुर्था केंत्रमा स्यायि र्चेर र्ठेगा उता हे गहुका नर्षेत्र य र्वम्याया यमायम्बिक्षणीयमा द्वापाय वित्या सेरसे द्वाप्य स्थापा र्वेन'या गणमानमान सेन'रा गर्जन ही त्रुगमान दिन या होन येन होन सेन सेन र्भेर्भेपार्वेद्रायार्षेविदार्ध्ययाया गणयाम्। गुमार्द्रायार्थेदार्थेदार्थेद्राया सुदा 5 सु ८ १३ ५ नि अर्ने मा उत्र मे ५ नाया या लेता या या या मा मा महिया ग्रीया सु ८ म्या वहेंना हैटर्नुन्य निम्मेर्यागुरुर्दिहेटन्यम्बर्यमा वयायम्बर्या

गु'सु'न'वहें त'या है'स'नसर यें ह'सकें मायतु त'या वें त'या यमायामहै या चैया यइ दहिन या क्रम्य सेर में मार्रेट पत्रिय एट या मणस यस है। त्रुगशन्दरभे तहेगशया गर्धेक यस न् चुगया न्याद सेट तहेक या देंग मु यद्रःक्षेत्र्येर्भ्यक्षेत्रः व्यामान्याया माणयान्यतः र्येरावयायेन रहेता मार्थनः नुअ'य'दिहेत्र'या वनाय'न वट'रेय'र्हेत'र्य'वेट' ह'य'र्वेत'या नायय'रय'मे 'दट' मार्जिन हैमार्थ सहिय उत्तर स्थर है। दे दमा मी पर्विस दु है द समासुर ही पर्विस चेंदिर्किम्बास्स्रयाद्वाप्यस्याप्यस्य औंद्वेशहिश्वीगीपृत्यस्रुतुं दुंपतायतादुं यस्तिकेष्ठिक्षात्रात्रायार्यास्यम् स्वाप्तात्रायायाः कृष्यताश्रृष्ट्रा स्टामी क्षेटामान्या मिं र्चामिन हेते मिन प्रमान स्रम्य प्रमान स्रमान स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रमान स्रमा स्रमान स्रमान स्रमान स्रम मान्दासम्बन्धान्दान्त्राम्या स्वाया मुप्तान्त्रा स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वय येव गुराया रावेव द्वा अर रेगा गैया र्या रें हे यह गया रेता येवा युगा मानेशाणीशामी मामान्दार्घेदायायहेन या खुर्याद्वा यह सामाने सुराम नेदा

रयामी मर्थेन महिश्यपेर प्राप्त प्राप्त स्वर्म में प्राप्त किया में प्राप्त किया है स्वर्म के प्राप्त किया है स र्रेहे र्बर्श्वर में र्वेर र्बेर विषय निष्ठा सुमा द्वा मी निर्देश में श्रेश मी स् मुमान्दर्भेद्रस्य श्रुमाश्रामार प्रहेत् उद्या क्षमा श्रामाध्यश्मा केश र्वेर सुन्दर रूपा मी। मर्धिन महिशायिं मार्थे प्रतिमार्थे प्र हे हे दसर र्धे दसर हैं दगर नवे लया महुसा धुमा दुमा मे दर र्धे माहेश ग्रीश मी'मामा'न्ट'र्घेन्'याश्वम्याम्'यद्देन्'ठेट्। क्षमायाम्ययाम्भयान्भयाम् मी। मर्धिन मार्रेश र्ने रामु प्राप्ति राधिर र्थि यहिन या न्य्या न्या मार्गि प्राप्ती यथा र्रे हे अय हिट मा हिट हे नियम नियम्बर्य नियम्बर्य स्वाप्त मा नियम्बर्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त मी माना निर्मे स्थान स्य वर्षिरावी मर्थिन महिशार्नेरा सुप्ता प्राप्त के प्राप्त मार्थिन प्राप्त के प्राप्त मार्थिन महिशासी हैं। हे खेर रामर से रामर है रसर यदे लया मासुसा सुमा दुमा मे राम से सा है सा ग्रीस मी'मामा'न्द्र र्वेन्'याश्वमार्याम्'यहेन् रहेट्। क्ष्मा'स'माध्यामाहेश हे'हे'न्द्र म्या मी। मर्धेन मार्रेश पर्विम र्थे प्रदायमा प्रमा प्रमा वस्त्र स्त्र स्त्र मान्य यर्ते। क्षेत्रमभारु ने ग्रीमुमाभागार द्वैयाभार्से हे हिं मेर्ते से स्थापते क्षेत्र पति महात्र द्वी ८८. म्. ह. तथा विषया म्. ह. ह. यथा. म्. यथा. यथा. यथा. यथा. विषया. विषया. विषया. मी'न्द्र'स्यानेश्राणेशमी'मामा'न्द्र'र्घन्यास्याम्यत्हेत्र'रेद्रा क्ष्मासामाध्या गहेशर्रे हे दूर रया मी। गर्धेन गहेश योर्वर यो दूर यह नया अमेन यर ष्रुश्ययायज्ञान्यरार्येपन्यायामुन्यपे न्त्र्यासुःष्रुश्निः न्यज्ञायया मस्ट

<u> र्</u>हे र्घर से र्घर हे र्यार प्रतिषया मुग्ना सुगा दुगा मे र्रा से श्रेरा सुग मी'मामा'न्ट'र्घन्'याश्रुमार्यामार'एहें क्रिक्टा क्षुमा'स'माध्यामाध्रेयाय हुं 'न्ट'र्या मासुस्रा सुमा दुमा मी प्राप्त मिश्रा ग्रीस मी मामा प्राप्त है न डिटा क्ष्मारामाणयामाहेयायार्वराये राया प्रामी मार्थेन माहेयार्वेरासुर्दार्दा प्रामी वहें त्राया रामी श्रुमार्था गादे हुं व्यर्थ के निर्माश्या से हि माश्या में हि । र्द्यम्यायपुत्रम्भावसम्बुत्रप्तया और्द्वेश्ट्वेश्वर्षं दुं दुं यता और्भिगी पू नन्द्रमं यद्राद्रायाणायाः क्षेंगायात्रात्रुरीके दृश्यता क्षेंद्रुः दश्हे यता छँ देम पें र न भे गो दू न न म दू छा ह ह दू य न दे ने देम पे यू दू छैं नई कै भे टु ख्रु श्रुं श्रु श्रुं । कें नई नम् ख्रु श्रुं। कें मर्केता दें र ने र में या नग्ना में। युगायार्रे हेते भ्राकेंगाया इसया भ्राइसयया ची युगाया गाँदे युगायार्रे हे त्या वैसायरा युमा खेँ अस ५ म्रूमा ५ रे ह नहीं यु हु साख्रु हा में १६ वें ने ने में से नामा ये। माश्रुट में हे ते 'क्षे केंगाब' इसबा क्षे इसबा चै 'सम् माश्रुट में हे 'ता विसासर युरा कें यद ५ व्या ५ व्या निहास विद्या मुख्य के लिए विद्या निवासी विद्या के विद्या निवासी विद्या के विद्या भू रें हेते क्षे केंग्राय समय क्षे समय की ही नेति भू रें हे या विभागर चुरा केंग्राय ह मशुभःकुःर्रःस्टःधेदःर्द्रःस्थानुर्दा यार्क्यान्दान्त्रः विवानिद्रः स्वान्यानिद्रः स्वान्यानिद्रः स्वान्यानिद्

५८४। अँद्वेश्ट्वेश्याप्तित्वरम् द्वेषता डेयम्बर्याक्तिं र्येयान्ति विष्याने विषय বহন্মান্যুদা ঐতিইঃ ট্টুঃদঃঐতির্নুন্ধনা ঐতিশ্রাদুর করে দুইমদান মানা गः अँगाम्यन्तुः भेने र्हा हर हुं यता अँ है ३५३ हे यता अँ है भे भे रिक्षे में ॸॗॱज़ज़ॴज़ॗॱॴॿॿॱज़ॗॱॴज़ॱॸऀॱॸऀॱॸऀॷॱॵॱॷज़ॗऻॱऄॕॱॸऻॾ॔ॱक़ऀॱऄॱॸॗॱॷड़ढ़ॗ॔ॱॷज़ॗऻऄॕॱ नहंन् अर्थ १ द्वी मोबाबर्केन ने अर्थ श्री में स्टिश बेबायदे हमाबा मुबान अर्केमा या बें बेंदे ही चें साम मान अँ ८३ विषात्माळेगायार्थे र्यायान्तुम अँ ५५ विषात्माळेगायार्थे र्यात्रायार्थे र्यात्माल्या क्षें प्रमान देश मान क्षें हैं है हैं मान के हं य है में इक्क य तू प्रें के क्षेत्र गा र त्रु हू। केश र्से गथ सुग कु प्रायय का है। सूर प्यार युग्यागितः दुं प्ययार्दे दा बेरा पर्देया र्युग्या यदुः तात्वाया यदे यह या स्वाया या विष्या या विष्या या विष्या ५८ नठराया अर्त्य में निर्मासम्बन्धन ५८ या और्द्वेश हैं १५ और दुं रहुं यता और भिगी नु न न न हे यह द अगा माश्मा औं गु अ नु कु भी हे र ह र हुं यह औं है श 5ः ने पता अँ दे भ्र ये उत्त भे गो दू ज ज अ दू अ द ह दू य ज ने ने ने भ्र यो यू दू खँग्ना के भिष्ठ ख्रु श्रु श्रु श्रु खँग्ना खँग्ना भाष्य श्रु । क्षामळेना ने प्रक्रिया मेगाया प वर्धार दर क्षेत्र प्रत्म पार्थ हेत्र प्रत्य प्रमुक्त दुर्ग मेर्ग वेद्य मार्थेया प निन्नायमा ने इसमा जैसार्श्वेसायते क्षार्स र है गाया सेमासाया इसमा जैसानेसा यानहिन्यार्थेन्द्रातम् नमा त्रानाक्षात्रे त्रमानान्यारार्थान्द्रात्रे स्थानान न'नत्रदात्रमा यदयामुयास्ययादे प्रथया उत् गुर्या भ्रिःनयार्षेन'यदे द्वार नभ्रमा हि द्वरादे प्रवितायद्यायीय की । द्याया द्वराधी क्रमाद्या प्रभूमायथा

ह्मा । श्वीस्थार क्षेत्र स्वाप्त स्वा

इयाभी अद्यायदा । विद्या उगा भेदालु गुरा प्रयो द्या गुरा सु। दि सर्वे या गुरा स सर नम्बर्धा । नर्से द न्या प्रमा । प्राप्त स्वर्धा स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर ठिम । खेँ प्यासूक्षणायायायीय मुक्तमा क्रेया हे क्षेत्रं सुर्यु मुवाया ससस्य के प्येता हता र्यट्यक्ष्यः बेट्य । यट्यवेद्यः इयः र्याः क्यायः ह्यः भ्रेष्यः यद्या । यद्याः उयाः श्चित्रलु'गुर्यायते'द्ध्या'ग्रीयास्या । यो मेनामार्यत्यस्य न्यस्य न्यस्य न्यस्य । नर्शेन् नम्भाष्य प्रमार्थे द्या शुं है ग्रम् शुं देग । अँ प्रम् हु गा सारा दे सुं र स्द्वे स्रुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं किया न समय के प्यंत प्रत्य में किया में किया में किया में स्रा मक्यत्रमित्रमे में मार्चेमा विष्यु मित्रमें में मित्रमें मित्रमें मित्रमें मित्रमें मित्रमें मित्रमें मित्रमें चलेन समारमा कमाया स्याभी भारत प्या । वारमा समा श्री र लु माया परि रहीया ग्रैशस्त्रा । नर्गार्सेशम्र्डायम्यम्यस्य ने स्वाप्य प्रस्ति । नर्सेर् स्याप्य मुवाना इसमा है 'पेंदा हता सर्केगा मी भी । साम मा सुदा दाया नदी पो निमा माराया । श्चि.शर्प.क्र्य.ता.ता.पुरान्या न्या मार्या । मार्या विवास स्थान्या कमारा इताश्राभटतायटा । निर्मारुमाश्चिरालुग्मुशासदीर्ख्यामुशासु। । सूटाम्यया गर्डटासरानम्सराने सुयानाधिया । नर्सेन् तस्याधनाधित्यासु हिग्या गुर ठेम । ष्रॅ प्यासूक्षणायायारी सुर ख्रायें मो या दे क्वं द्वं यु द्वा मुवाया ससस्य है। थिन निरामिक्षा विस्पान्त विष्य निरामिक कि विस्पानिक निरामिक विस्पानिक विस्पा सूक्ष्णाश्रान्तरान्त्री | द्वार्णाक्षणाः विष्णाः विष्णाः विषणाः विषणाः

स्वायनुस्रसंकृत्यान्त्रः स्वायन्त्रः स्वयन्त्रः स्वायन्त्रः स्वायन्त्रः स्वायन्त्रः स्वयन्त्रः स्वयन्त्रः स्वयन्तः स्वयः स्वयन्तः स्वयन्तः स्वयः स्वयन्तः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स

वनेत्रामा दिखेर्स्हे साधामर्केन याधिया नित्तर देखे सूत्या वस्याउन की। दिखेर्स्हिस्सरकेष्ट्रस्य प्रवेशस्त्रम् । सित्युरायदेष्य केत्रस्य स्वाप्त्रया है। । निर्देर्भाष्ठिमानी निरावहित हिमायायमार्निम खेँ प्यासूक्षणायाम भी सुमाना है। सा ट्वैङ्क्ष्रुं युद्धा रयाय चुस्रया बेटा दाहे हो दार्रा सक्याया पिर्वा यु चुरायायया चुर क्षे र्रो निर्दर के या पर पर के ते के ते के ते हैं दे तह का निर्धे में हैं से या पर के ते हैं है अपी सर्वेद्रायाधिया । माटाम्यार्ये धी सूटाया बसया उदा है। । मेरियो मेरियो मेरिया मेरिया स्थान नित्रभव्या । भीत्य स्वरानिर्मा केत्र सीरम्य स्वरा है। । निर्दे से सित्र अर्केण मीरित्र त्त्वुस्य बिट क हे के द रेग सकेया | प्रिंट्य सु ग्रु ग्रु रायया चुट क्ष से की | तहसासहेत्र देना गुम्मर्केना मोश्राधेद तर्सेना सा दिना गुर्से हे साधी सर्केद या लुना विटानरार्यमायिदाक्षरायायमनाकराष्ट्री रिवायिर्स्हानरायुर अधुषा विरवण्य परे पाके वर्षे स्वास्था है। विरे से दासके वा वी कि दारे विष हेनायायरार्नेन खेँपायासुङ्गायायारीसुरासुन्यानुङ्गतुं युन्ता दिस्यानुङ् चेंदिगार्थेर प्रयापेग्या नुयानेता । केनया स्ट्रिंट स्व परि द्यमा स्व र स्यापि । कें अमिकेशयाक्षात्र स्थापर तसमायाते। । नियमार्कन तत्रु अप्याके अमिकेमा मीर्थामार्डेना निते अध्यान्यामारी प्रभाग्यान्य निर्माण्यान्य । मीरा प्रभाग्यान्य । मान्यान्द्राचित्राचीत्राचीत्राचीत्राची । विवित्राचीत्राचेत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राची क्रिंग मुन्य वितासमार्थेन वितासमार्थेन वितासमार्थेन वितास्थान हिना स्वासीमा वितासिक स्वासीमा वितासि

र्भे इसमान हमाया न हमाय हिन प्राप्त स्थान ठ्यार इ स रे इ दें यु द्वा वेय वर्षर वे प्राप्त के तो तुरु थे बुर पर्मु प्यथा। र्धेश भरे रें र जैश र भग कर नमु धे नम् । अक्व सें पर है व से निव र दु हूर मुन्दिया । व्यानियानु दार्के प्रियानियान स्था । ने स्वीत्यान स्वीत्यान स्था । ने स्वीत्यान स्वीत वर इसमा मेया विरायानार नममा स्वा केर त चुर त चुर परी विरास है र केन सुवा नवा वर्षे गुन श्रीया किया स्वार में ना वित्र में मिल्ल में किया मिल्ल में निष्य में मिल्ल मिल्ल में मिल्ल में मिल्ल में मिल्ल मिल्ल में मिल्ल मिल्ल में मिल्ल मिल्ल मिल्ल में मिल्ल मिल्ल मिल्ल मिल्ल मिल्ल मिल्ल में मिल्ल मिल मिल्ल मिल गहैं वा है व क्रिम्इस्रिक्ष्रुं शुर्त्रा विवर्षम्य यीत्रित्र स्वा स्वर्म्य स्वापित्र स्वर्मे । यिवर्ष यित्रयाद्वीत्र्यास्याद्वात् विद्या । यादायीयासेयात्याद्वीत्यायकेयाः भ्रेस्विदा । य्वीदा देर नग्रेश र्स्स्य सुराद्य सेवा नर नेता । नुत् सेत् सुरा सुरा सेट राजेत जिता से दी। विश्वासायमुन्द्रान्यानुः विवासुन्यान्यायो। विद्वार्थान्यायम् यागुक् । विमासेरायरेपाकेपार्श्वेरायर्भेग । ईहिल्बुदायलसाईहिष्यस्थित सहयर्थे के स्त्राचनामा तथा हो। मुटास्या सहस्त्राच्या साम्राञ्चा । हे हे प्रचित्राणी प्रवटास्य प्रवादी स्वापिता सुरानु इसरायम् दिन्नाम्यादिन हिनायायी । वित्यानुन्यास्य कुरायरा बुराययी । 

र्मेना र्हि:हे:नक्ष्ययायाय्यागुटार्थाग्वेयाद्वायाय्यान्। क्षेंप्या सूक्षणायायारीमुर्यायारीकुषणायार द्वाया देवी द्वीत्रुं युद्धा वेयार्स्य प्रवायमायद्व व्यनात्राण्ये में प्राचित्र । । माराये विष्या में प्राची से प्राची मारुमामीरापह्यामीरापरामाश्यापर्परा । उटानेशासुरायाध्याणटायमीयरा तुषा मिल्रायाक्षीमिर्दिरक्षीतिष्यम् नयाः श्रीष्यायम् । सार्म्यायदे यथाः स्वापायमः मुद्दाराधी । मूद्दार्थि के बिक्य के सुवाय वा विवाय अर्के मानी पर्वे व **पर्यापर्मा प्रमायमार्थेक् प्रदेश विकार मुल्ला म्हार विकार मुल्ला मुल्ल** र्वमानुम्मारार्विम् स्ट्रम् मुक्रम् मुक्षामा अँपानुक्षामा वायारे सुरम्मा है सन् सुनु विषायामाया भे में माणा भु मानविष्ठ स्या मु प्राप्ता । विष्ठा भी स्वास्ता सुकार्के साम्रार्थिया स्वास्ता स्वास स ॻॖऀॺॱॸक़ॗॖढ़ऻ ॺॎॸॣ॔ॺऻॱ८८ॱ८ॻॖऀॸॺॱ८८ॱॸॣ॔८ॱॺॣढ़ॱॹॖॺॱख़ॣॺऻॺऻ ॸॎॾॣऀॱढ़ॱॶऀढ़ॱ मार्चमायह्मामीटायम्माशुमायमित्रा । युषायाम्यान्याने मार्चे मार्चे पहित्रकेमार्थे । र्धेट्यासुर्व्याचासेद्रायदे पर्वेद्याचे । इस्मेर्केगारेद्या केद्यास्याप्य पर्वे पाणुद्या हितस्यामकेमामी नुमाया ना स्वाप्त प्राप्त विमा । सि. स्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप मिंहैबानमुत्या अवे र्नेत्मिहैबाइ नाइया अं पासू इंगाया ये पासे सुराया दें र्दुं श्रु द्वा विया हा सकें में दें है कि के के के के के कि निया समित कि निया है । विया के कि कि में कि में कि कि में ध्रुमायार्श्वम्यायात्री । वदायायेदाययायार्थेम्याययायमेदयाया । देखीयर्थेयाया मैन मुन्न पासे। । मार्थे प्रमुसे माल्य प्रामार्वे प्राप्त में प्रमुसे रच मु द्रमाद द्रमु । मिश्राचदम रेत केत सुवाचश दर्मे च गाता । मासुद

रेन केन प्राप्त मी मुया र्या मैं तुर्वा स्वित र्या या र्यमाया पर्वाप्त प्राप्त है ना पर्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत माञ्चमाया । इस्रामासुस्रामाञ्चमायाणी र्हे हे स्रमानुस्रामया। । पण्चियादिर्मिमासुस्रामी सुन पविट.यपु.क्र्यात्राताताताविट.यपु। ।यह्र्य.यतान्येताताःस्याताःस्याताः क्रियाया । इस्रायासुस्राञ्चायो र्हे हे स्मरागुर्यात्रया । न्यीयायविराञ्चायो सुनाया न्याया नरानची । व्याप्त क्षापायारी सुरान हे इन्द्रे युन्त नान्य वापारा है है यार्श्रम्बारायदी विम्बारायराष्ट्रिरायबाचुटाचादीखोर्स्रम्बा । इस्राम्बस्यादीखोर्स् हे अर नुषा की । दण्चिय पर्विर क्षा भेट्याय द्वाया पर प्रची । खिँ प्यासू कृ गा यायारीयुरमाङ्केयाद्वेद्धंतुंत्रुद्वा युयायर्केमायह्याचेदायदुद्दिवयार्थेम्या ॻॖऀऻॎॴटरःक़ॗॕॸॱॺॎॱ८८ॱॻॳॣॱय़ॱॹॕॻऻॺॱय़ढ़॓ॱॸ॔ऻॎढ़ॺॱॻऻॹॖॺॱॸ॔ॱफ़ऀॱॸ॔ॱॾ॓ॱॺॸॱॻॖॺॱ र'ब'र्य'र्ने क्वें ब्रुं ब्रुं च्रुं व्रुव्य पुब'य'रेग'य'र्दब'ग्वैब'यरे स्रेर'या । द्यम्'यबस'र्गेब' ता.श्रुचाश.ता.मुचा.चेतु.कूचाशा । स्था.चाश्या.मुचा.चेतु.मू.मुः अम.चेश.पशा । ८.जैता. 

न्त्रा यह्मान्त्रियान्त्राम्यान्यान्त्रा ।यार्यम्याद्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या र्द्धेट मासुस्र या सेमास है प्रवित द्वा । विसास से दासा पर स है प्रत्या से प्राप्त है गा यायारे भूरार्जार द्वारा दे द्वे दुं युद्धा वह्या सुवि मीटा पटा मीटा मालका द्वा विका नुते र्क्ष्मश्राण्यामादानायदा। स्ट्रिटामासुस्रात्यार्सम्याद्दीन्त्रित्तुत्रानुस्रायासेदाया नडर्भाने प्रत्या कें प्रास्कृता रामा में सूर्मा के महामा है ई हुं यु हू। पहला नुते म्वीट नट म्वीट मालम न वर्षम र्योदे र्येन य ग्रीय माट न या । भ्रिट मार्यस्य र्शेग्राश्चित्वित्रः । विश्वायाभेदायात्रशाहेत्त्रवा खेँप्यासूक्षणाश्चायादेषुरा क्षेप्य द्वार्य दे द्वार्य द्वार्य प्रदेश मुद्रा मुद्रा प्रदेश मुद्रा प्रदेश मुद्रा प्रदेश मुद्रा मुद्रा प्रदेश मुद्रा मु मिट न प्याप्त । भूटि मार्थु अप्यार्थिम शाहि निवित्त हु। । विश्वासार्थित प्राप्त स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि । वर्षा क्रिलम् इलायार्यस्य म्यान्तरम् स्वान्तर्यस्य विक्रान्तर्यस्य ८८.मीट.मालय.२। ।मीट.सुप्र.क्र्मात्रा.मीटा.मालटा । हिट.माश्रित्रा.मात्राहा निवन्ता । विभायाभेताया कराने पत्या क्षेष्णभूकृषा भाषाया से भूपा प्रमान य दे इंदू यु यु वह्य स्ति मीट न्य मीट मालक द्वा कि यर्केम र्केम येथ माट न यदा सिद्धान्यस्थायासीम्बाहान्वित्ता । विसायासेदायानस्यानेप्रम्या सूङ्गायायारीसूराषानुरङ्ग्यादेङ्ग्रुंसूद्वा वह्यात्वेतिसूटान्टासूटाम्बन 5। रिसमार्ट्यक्रकेंग्राण्यामाटाचायटा स्ट्रिटामासुसायार्थेग्राहीचित्रकार् बुर्याया से पाया के प्राप्त के प् र्भु दू वियाद्या

बिट पर्नेर पर्विर र्थे रेत केत मुन्ना । अयम य पर्म मीय र्थे दय प्राप्ता । नर्स्यागुनायर्निन्या श्वेना । १३ वर्ने भेषास्या उव ग्रीया न्या औषा स्रू क् णायायारे भ्राप्त र्याप्त इस्ति हुं युष्ता विदाय देर विपास के राष्ट्रीया वि अष्यायान्यामीयार्थेटयान्याटाया । दर्वयामुनावर्देनायाञ्चेतायरेने । १९४१ रे नेशर्या उत्राचीशान्त्या अँपासूङ्गाशायारी सुरासित रहाया है ई हुं सुर् विट पर्नेर पर्स्त र्से रेत केत मुभा । आयम य प्रामीय र्से दय प्राप्त । प्रेर्य मुन'वर्देन'या श्वेत'यवे सेमा वितर्भेत्रा वितर्भय स्वाउत से साम्या स्वाप्त से साम्या साम्य साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या स यारीभूराक्षेर्य द्वार्य दे द्वीर्य द्वा विदायरीर र्सेन केन खेश । अपयाया दमामीशर्धेदशयगद्या दिर्देशम्ययदिद्यम् श्वित्रपरिश्वेम । १३ तरे सेशस्य ठमण्चेरान्त्या अँप्यासूक्षणारायारे सुरासुरामारक्षाया देक्षातुं सुर्वा विदा यदेरम्मूट र्ये रेत्र केत्र मुशा । अष्य या द्या मीश र्येट या प्राप्त । दर्श मुया वर्रेराया ही तायते प्रीमा वितरमे में वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास न्यामीयार्धेत्यानगाराया । नर्देयागुनायर्नेनायाः श्वीतायते स्वीता । क्षेत्रासे सेवास्या ठक मुर्या कें पासूक गाया या रे सूर खानु र हु सा दे हैं दूं यु दू। विद वर्देर-द्रमान्द्र्येन-हेन-केन-ग्रीमा । मायमानान्त्रामीमार्थेट्यानगटाया । द्रिमा ग्यापर्दित्या श्वेत्रा वित्रा वित्रा स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्य  ব্যব্যর্থ হর শ্রী শ্রী নার্থ মের নার্থ মের দ্বর্থ প্রত্যার্থ প্রত্যান্থ প্রত্যার্থ প্রত্য প্রত্যায় প্রত্য প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্য প্রত্য প্রত্যায় প্রত্যায় প্রত্য প্রত্য প্রত্য প্রত্যায় প্রত্য क्र्याणुःस्टार्यार्स्टार्समानमुन्द्रास्यानेत्रिः स्वान्याय्या पर्वायमभाउर ग्रीमार प्राप्ता देव उव स्पारी मुम्मारेव में केये विषा दुर्षे ष्रु १ दुं। दमया रे हे पहिमाया चे दाके का भेविया चुं प्राप्त प्राप्त हुं। यो मेया ची यापदा वर्गे अप्ये निया दुर्शे खूं श्रुं। यू यो निया दि निया दुर्शे खूं श्रुं। खार्थे मु यहिर वया ५ खेँ ख्रु १ तुं। यो मेया ५ चुटा मात्र या सुया परी वया ५ खेँ ख्रु १ तुं। यज्ञा पहिरो **૿૽ૄ૽**ૢૡૣઌઽૢૹૻ૽ૹૣઙૢૢ૽ૣ૽૱૽ૼ૱૱ઌ૽૿ૢૡઌઽૢૹૻ૽ૹૣઙઙૢૣ૽ૢ૽૱ઌ૽ૺૡૺ૱૱૽ઌ૽ૡઌઙૢ खेँ खू श्तुं। उपत्रमधेट मेवि लय ५ खेँ खू श्तुं। हे न द्वाम येवि लय ५ खेँ खू श र्तु। र्रेट यानेश र नाशेट मेदि लया दुः खेँ ख्रु हर्तु। तुः अप्येनेश दयया नदि लया दुः खेँ ख्रु ह्यूं। केंग हे 'रेन गुन रेन केन ग्रेन्य प्राप्त खेँ ख्रु ह्यूं। केंग ग्रे मुया ये रेटिया केन र्येते लया रुखें खू १ हुं। मालन यह र नह न सुर सुर न न र अन हमा मानह नित्रुम्भ'न्भ'म्भम्मम्मून'म्इन'म्इन'म्रह्माम्स्रम्भू वित्र'तु खेँ खू हर्नु। खेँ द्वे १ है १ भे भो दू न न दूं यत खेँ खू १ दूं। छैं न ह ने हु भे खू ग ई खू ग ई दूं र १ 

ૹ૾ૼૹૣૠૼ૽૽ઌ૽૽ઌૢ૽ૢૡઌૹ૾ૼૹૣ૱ઌૢૣ૽ૹ૽ૼૠૢૢૼ૽૽૱ઌઌ૽ૢ૽ૡઌૹ૽ૼૹૣ૱ઌૢૣ૽ૹ૾ૼઌૢ૱૱ यतः खेँ ख्रु हुं। खेँ न इ के गा हुं यत खेँ ख्रु हुं। खेँ यज्ञ के गा हुं यत खेँ ख्रु हुं। खेँ ᄺᡵॱॾॣऀऀऀ॔॔ग़ॱज़ॗ॔ॱॺढ़ॱଊॕॱख़ॣॾज़ॗ॔ॿॎॕऒ॔ॱॸॱॸॱॸॖ॓ॱज़ॗ॔ॱॺढ़ॱख़ॕॱख़ॣॾज़ॗ॔ॿॎॕॱॸॗ॓ॱॸॱॸ॓ॱज़ॗ॔ॱॺढ़ॱ ଊୖ୕ଊୣ୲ଃଵୄୢ୕୲ଊ୕ୖ୕ୣୣ୷୴୵ୖ୳ଵୄ୕ୣ୴୷ଊ୕ଊୣଃଵୄୢ୲ଊ୕୕୳<u>ୣ</u>ଽ୵ୖୄ୳ଵୄୄ୕୴୷ श्रॅंबेंदेः स्वाबः ग्रैं अवरः प्रमुः वाबुक्षः यह वाबा याव्यः अपारं मुद्रे से केतर्भे प्रवे दिरं प्रमेशः नित्योप्तर्भान्यात्र्येराची क्षेत्रं स्वाया इसया ची लिया दुः खेँ ख्रु हुं। या लिका या र ह्में के अटब मुब अर्घेट या द्यायदे के बार्च या दयम्ब या द्यम्ब या द्यम्य या द्यम्ब या द्यम या द्यम्ब या द्यम्य या द्यम या द्यम्य या द्यम्य या द्यम्य या द्यम्य या द्यम्य या द्यम या नभ्रेत्रा नभ्रत्याद्रायम्य स्थानि भ्रीत्या न्या मुशानिया न्या स्थानिया न अ'इसम्राण्चियान्त्रेत्रित्रित्त्रम् वित्राप्तिः श्रुटास्राप्तः क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रा क्षेत्र क् क्षेत्र क मानमान्यते निर्मात स्वायर्चे रामान्या स्वायर्चे रामान्या स्वायर्चे रामान्या स्वायर्चे रामान्या स्वायर्चे रामान त्यायार्थेम्यायास्ययाण्यात्यात्रार्थेष्युः दुं। मिल्यान्यायाश्याय्यायात्यायात्या येययादम्यययाद्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स गित्र हुं 'यश र्देन बेर 'दर्सेश र्सेनाश नहित अटश कुश प्रस्थ कि । वित्र के प्रस्थ कि । र्रामी'सुर्यायालुग्यापरागुर्ग यरावयस्याया खेँ'त्रुं १ हूं १ से 'ग्री' तृ 'व 'व 'तुं 'यत 'खेँ' थू 8 दुं । वेयान हें प्रो धूनाया दुं प्रया मुदा निर्दे हे दिना मार्चे प्रें प्रोम मिन्न में का मुस्स मिन्न स्वार्थ हैं प्र यमः नम्भानिता नर्तः हे हे र्चे र्चेना मुः निवना या सुत्रा या स्था सुन्ना 

सहेरानेट केंग्रायर सुरा रट हेर र सेवार मेर से कर है । विषय मेरें में रेट र स भ्रीप्तर्यस्युम्। ययाण्चीमार्यान्यस्यो प्रीयायायते प्राप्ता प्रीयाया स्वीयायाय थुअ'मु मायट मात्रया के प्रमाया प्रमाया कुं प्रया मुट प्रदे प्रमा द्वा प्रया मात्र प्रमाय प्रमाय कुं प्रया मात्र प्रमाय प्रम प्रमाय प्रम त्र्वास्यम्प्राचमुर्या स्रूश्यसम्बुद्यते चे त्वु त्वु त्वु त्यास्य गुर्सा वयस्य वा यम्ब्रम्ह्रम्ह्रम्भ्याक्षम्भायमार्भ्रम्भ्यायमार्भ्यम्यदे नगतानम्भास्य विष्यम् विष्यम् निष्यम् निष्यम् क्रियह्र शुः ह्रु संख्यक्ष में १६१ रूट यय युम्भ ह्रुम् स्मिष्य स्मिष्य स्मिष्य स्मिष्य स्मिष्य स्मिष्य स्मिष्य यदे नगद ना सुर्वा न मुला दार्वि स्वर्वे स्वर्वा स्वर्वे स्वरं स्वर्वे स्वयं स्वय नगयमाञ्चराञ्चराञ्चर्या यदेनाकेन संन्दर्भे मान्य केन स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व हैट टे पहें ज्या क्रेंबय प्रम् लुग्य प्या ग्यट प्र प्र हे र के प्र अर्के र प्र <u>न्योश'सर्युर्</u> देर्गामी'के'अर्केर्युअर्केर्युर्अर्केर्यायश्यारुर्य्यायश्यारुर्य्यायश्यारु सन्तिन्द्रन्यक्षयम्युः स्रे सर्वेद्रम्ये

चच-रिश्वास्त्रपुर्वास्त्रपुर्वा विद्यान्त्रपुर्वा विद्यान्यान्त्रपुर्वा विद्यान्त्रपुर्वा विद्यान्यान्त्रपुर्वा विद्यान्त्यान्य विद्यान्त्यान्त्रपुर्वा विद्यान्त्यान्यान्त्रपुर्वा विद्यान्त्रपुर्वा विद्यान्त्यान्यान्य विद्यान्य

मथना तिह्नमन्त्रित्रकृष्रसूत्रभ्रं जाम्मारितरिया हिंदित्रभ्रभ्रत्याम्मार्थना विद्यानार्थित्र स्वित्र स्वित् स्वित्र स

स्या पर्ट्ट क्याबाक्र में प्रियाचि स्थित । हिना मुख्या स्थित स्थित । विद्र क्याबाक्र स्थित । विद्र क्याबाक्र स्थित । विद्र क्याबाक्र स्थित । विद्र क्याबाक्र स्थित । विद्र क्याबाक्ष स्थित । विद्र क्याबिक्ष स्थित स्थित स्थित । विद्र क्याबिक्ष स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित । विद्र क्याबिक्ष स्थित स्थि

न्मार्येते द्वा ग्रीया वेश्वर प्राया प्रमाधिर पा सुमाप्रद्या नर्भे न हुं। द्रा र्षिर केन सेंदि र ग्रैय पर्षिर नशा । य इ र र ८ मानेन हे घर्या ग्रैय पर्दया । यार्थे शायतः तर्ग्रो नियट हुन वितर हुन खेन प्राप्त वितर हुन के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स र्येते प्रणेया वर्षे मान्य वर्षे प्रत्य के प्र वर्षर ग्रैश नर्भेरा विषेर नरुष हिंद या नद्मा सुमा वर्षा विषेष श्रमाश ग्री न्यीयायविरावया हि द्वरानुरावे श्वया सुराया । इसान्या न्यी द्वराययाया मार्थेश है। । सरुरा है द हिंद या सुमा पर्कता ये। महुना मारेश से द खु के के द सा ये व ष्ठियः भरेरे भू। । गुरु वार्ष्के अया अहं ५ मुवाया गुरु वा । के या गुरु वा गुरु मैलानागुन मुःखुमा जिःनेयायेमयान्यतामुलानागुन मुःस्या युमात्रक्या तह्मान्ययान्ययानुरार्हेनायायानुन्। विकानुःसुत्यानुस्यास्टार्धास्यत्यपा बिन्यासुस्यानुमानासासुस्य ५५० मध्य । विषया हे विषया सुस्य नम्भापा प्रदेशमानेन स्वामिन स् इस्रमाण्चिमामार्डीच्यान्यमारुप्रान्वित्रान्वित्रानुष्ट्रान्यस्यम्यस्यार्भा नेत्रस्यमार्डीच्याण्या पर्वित्राह्मस्यस्या वर्ष्ट्रयम्यवस्थाया ग्रिन् हेंदेयानेट्रये म्यादेषाराया ग्रिन् स्वादे हेदेरे देंदे मानेन हेते मानेन से र्यायहेमाया । स्याय हे हेते रूट प्रवेत हिना हि हे शुम्य रटार्यासर्वेट्याया रिकाकेकार्से हे सुमायक्यायर्सेना यिर्देराकम्यार्से हेये दे र्ने र्षिता मिनेव हेते मिने द र्ने रमायहिमाया । ई हे मिश्र द रम्य अर्द्धाया

या हिंहे मशुट या सुमा पळवा चर्से ना सिमा रेमा हे है वे रें में बिना माने कर है वे मिनेन्द्रिं प्रश्रामुन्या हिंहे सुन्दर्भात्र स्वाधिमान्य स्वामी सुमान्य स्वाधिमान्य स्वाधिमान्य स्वाधिमान्य स्व नर्देन डेयाययानर्देन्द्रया अटायार्वराह्मययाण्चियायाचेताम्हिमानुमार्देन्ताया यट्यानुयागुत्राणु र्ट्यार्ग्राष्ट्रित्। विष्यामुयायसया उदाम्यिमा पर्यया । विष्यामुयागुरासर्वेमा गर्डें नेंदे मर्डे । प्रीय पर्मिम मर्डे प्राधुम पर्म्य मर्हे । डेमप्य पर्हे पर्ने पे देस में पर्मिम में प्रेय वयाम्ययायनेवयायदे न्युन्वयावर्भेयायन्। इयायाम्ययावायाके महिमानु वर्षेयायाम् अयायाम्यया मार्थाः श्रूटः नश्चुतः केटः । वदमाः क्षेट्रः द्रायाः र्देः हे वहमार्थाः वेदः देश्वः सः वृत्तार्थः व्यवार्थः व ट.मैज.चम्ब.तर.वेट.त.चक्षेत्र.की.चक्ष्यतर.वे.च.बु.मै.कु.च.ज.चर्यच.तत्। क्ष्यत्र.त्र.चर्स्य.वे.टट.चक्ष्य. इस्रयायम्बारायान्यायाः द्वाप्यायाः द्वाप्यायायान्यवितः तुः सूराया स्थायाः सुर्वे स्वाप्यायाः स्वाप्यायाः स्वाप यः धेत्रः यथा वयः यः नृष्टः कुः वः माधेषः माः यः र्र्ते ने दे न् माने स्मायः यः यो स्मायः यो ने दे दे स्मायः य ग्रामः चुः त्वुः र्द्धनः व्याक्षेभ्रयः चवुदः द्वया चक्रदः यादः देः व्ययः युगः श्रव्यः भ्रदः व्यवेः युगः व्यवः युगः व मक्ष्यान्त्रीत्त्राचु त्याचु मान्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्र इक्'यर'चु'ह्रे।

ह्न त्यस्य प्रत्य स्वर्ण प्रस्त स्वर्ण ने स्वर्ण ने स्वर्ण स्वर्

न्ययासदीमाली मासुरास्याध्ययाप्तमादमादीमाईन्युगावर्हेनास्यास्या र्वेत नमानमान्यान्यान्त्रा वित्तु क्रिन्य क्षेत्र प्रमान्य वित्तर्भेष्य वित्तर्भेष्य वित्र वित्तर्भेष्य विष् यद्यवस्य वरे व के क्यें प्रदान विकास के प्रमान के विकास के वितास के विकास क वन्यमानु नर्देयामुन श्रुक र्येट न न न श्रुक र्येट या प्रव र्या महिया मुंदी र्यो है। ब्चैय'य'बर'यदे'गुट'दर्शकी वेश'र्से हे'दहेगश ग्रेर'णु इग्रायर प्रायदे सुग्रा न्नुःभः नुरः ई १ हो सेटः यः भेर भेषा भः यः सेटः यः भेरः रुः सुरः यदेः दृष्य भा म्रेट र्मग्रम्भमा भेजम्यम् इभेमामळ्यायाँ प्राचित्रासु सुरायमा पर्दे द कगमा मानेन हेरे माने न न सम्माने न स्थान गिरेश'ग्रीश'ग्री'ग्रामा'न्ट'र्घेन्'याश्रमाश'गार'वहेत्र'ठेट'। क्षमाश्रामाधशमारेशयाङ्ग न्दर्भयाम्। मर्धेन्यारेशर्नेम्युन्दर्योत्रहेन्यानेत्रेश्याम्यारेशस्य इयामिश्राही ब्रूरामी ब्रेरामी न्यायानरामी ब्रेप्तराबी ही र्वेराखी अमीता त्रमाख्र श्रम्याममानु श्रम्यामानु द्वै त्ययात् र वे व्ययमान् विष्य याध्वत्र्द्रम्या र्इद्वं मं र्देश्मिष्ठयासु से द्रायम् सुमाया द्रिद्वं प्यया र्दर वेर पर्सेषा नगर मी क्षा इसमा श्वेन न्या ने प्रविन मानेमामा प्रमास कर ग्रैभ'वर्दे'वा अर्देक प्रमान्य प्रमान विष्णा विष्णा

इस्राण्या के त्राण्या विद्या के विद्या विद्य षा भ्रे भे गा ५ यायाया ने पे दुं। वेया मासु दावेद र न न मुना दे या न मासु दावेद र न न स्था मासु दावेद र न मासु न्नु नमुन पर मुरा के लू रे लेगा क्षमी सु दी सु ही हू ये। खू लेंगो मह्ही है से 5। नम्मान्द्रेङ्कंत्रुंत्रुत्वा कें ख्रान्ते विना तुं यत कें ख्राः तुं। यर्दे द कना वार्से हे ये दे र्ने हिंदा मिनेय हुए मिनेर स्राप्त मियाया हिंह मिश्र ए रूप अर्द्ध या यदैः भवरा अटश कुश वस्र उर्णे मासुट हें हे दे रे रे पर्ट कमाय माने द हे दे मिनेट खे. य. जंबा चिट . यद्र यमाट . सेट . सिमा . यहमा . मत्र . श्रे . शम्ति . सेट . यद्र . इश्र या उत्रुं गुर्म परावसम्या ग्यमायिस्मेर्राचे म्यूम्या गुम्माया मुम्माया मुम्मेर्या स्थापित सम्याप्या स्थापित स्थाप पञ्च भ्रो दे.येत्र.प्टेट.ट्.यह्य.मुभय.रतपु.भवर. ३.र्घ्नाय.पा.स्चाय.तपु.र्घ्नाय.रटा क्षे.चावय.येशया.क्षे.वीया. ण्या भ्राम्य विष्या स्टास्टा मी सुना अळ्ठा वा स्टास्टा मी अप्यें दार्यो दायते अन्न स्टास्टा मी सूना आ की स्वास मायार में र दुः त्रोट हो। दें द ने र त्यर प्रदेश स्थाया उत् दुः प्रह्माया प्रति विदेश विदेश विदेश विदेश विदेश च्र्ये त्यं त्यं त्यं त्राच्यं त्राच्यं त्या क्षेत्राच क्षेत्र त्या कष्ट त्या कष्ट त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या कष्ट त्या कष्ट त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या कष्ट त चर्यात्रम् चरि र्द्रम् चुर्यान्या सुरायट द्वाग्या हुचाया दटा स्रम् केता स्रोती मान्या मुनाया स्रम्या सेटाया सेयाया ८८। ७७.८मी.८८.७.वश्चा १८८.मी.४८८.मी.४८८.मी.५८.मी - पुरुषुरः तुवामिष्ठेशः दिन्। विवानुः मार्थवाकीः मार्थवादिन। केटा चादि प्राचानिक स्वानिक स क्र्यान्या बेबबान्वरानु मध्याया विषया वार्षा मध्याया हो। मर्निया मी मुन्यवा मिल्यानु के वर्षीय बेबबा क्रिया हो। दे.हे.दु.क्ष्य.री.पर्यंत्राची । तियाचालय.स्.्रं.यु.तस्.या.ता. । प्रश्नेयात्तराच्यंत्राचीयात्त्राचीया । ज्याचारा मिटा मिल्रायटायाय्यायेशयायायेटायाष्ट्रायायायेटी योगोययरायायायेशयाय्यायाये वा नर्देश गुन शुर नर पूर्वी न्हा गहार श्रां न त्तु श नुवे स्वाय है। औं आ से नु हिं य ने से आ आ से

र्ने रुष्टे प्राची या दार्थी के राया हो या वा हो यह के रुष्टा या प्राची या हो हो स्वापता या तृ वेयायादी उत्त्वायायायायायायायाया अर्थे दे है है श्री गी तृ त त तुं यता देयायादी प्राप्त प्राप्त विषया गी स्नायाओं नेप्ता र्युं र्युं पता पता र्युं र्युं पता पता र्युं र्युं विषा श्वराया निष्ठा या निष्ठा या निष्ठा विषय खेँप्पः सूङ्गाः तुं यता डेयः यति केँ पर्दा खेँपर्दा से प्राप्त से सूप्त हिं सूप्त हिं सूप्त हिं सूप्त हिं सूप्त बियायाणुयाची स्वायायां अपेटि ताटिया दुं यता अपेर हु हिया दुं यता अपेर दे विया दुं यता छैं यहूं है गा दूं यता छैं स्कार है गा दूं यता छैं तह है गा दूं यता छैं यह ॾॖऀॴॱढ़ॗ॔ॱਖ਼ढ़ऻॱଊॕऀॱॺॾॖ॔ॱॾॖऀॴॱढ़ॗ॔ॱਖ਼ढ़ऻॱଊॕऀॱऄ॔ॱॸॱॸॱॸॖऀॱढ़ॗ॔ॱਖ਼ढ़ऻॱଊॕॱ त्रमारफेर्द्रंयता केंप्तर्ररफेर्द्रंयता वर्षरम्गगम्मगम्मगम्मगम्भगरम्भग वर्यभा क्षेट. म्.ज.ल.मुद्र. मंटब. क्री.वर्यभारा श्रीया क्री.वर्ष क्रा.चेट. क्री.वर्ष क्री.वर्प क्री.वर्ष क ह्मार्यातास्थात्त्रस्य न्त्राच्यात्रम्य प्रदेशः स्वायायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वाय <u>हासार्टातराया श्रेंचार्येन हैं नालागारमा हेन रायक्षेन याचे पत्मायटान सर्व मार्चे पत्मायमा सम्मा</u> यङ्गायरम्बर्द्यार्थे। देःवाम्बर्ध्यायम्पर्यायम्बर्धाः यः वाद्याः वाद्य यमः सदः संप्रत्युतः सदेः तत्तुमः सप्याभे। ५ 'कृदेः गदः त्रमः गैमः हे 'क्षदः सम्प्राप्तम् सर्वे सम्प्राप्तम् स मिर्नेम्बर्याम्बर्याः मेर्नेन्यः मेर्नेन्यः

देनमानिन हेने माने दिन माने द

यन्त्रयान्यः वित्रः भ्रम् वित्

दे वय गर्ने र या र्थे व त्यों ते भवय सुर चुव चुय व त्या या वी औं यि ने हिंगा यता औं यु हूं स नुड्इः यमः इर्मुः युः द्वासनुनः ईर्ना र्युनः युनः युनः युनः युनः निष्णायाः यशक्रुटमी'न्णैय'वर्षेरक्षेत्र'र्यमाबुदे'न्चैनशक्ष'त्र'न'न्त्रम्थेशसर्व्या नेदे ब्रेट रु में प्यश्र भेदे र ग्रीय पर्विम र सम्में ग्रुम ग्रुम मे देवे ब्रेट रु ख्रु श्यश्र भे अमेंदिः श्वेरास्यास्या श्वेरात्रा ख्राश्यया श्वरायदे र्चेराया रामारासी देदे वरामी न्यानु कुं व्यया चुटा चरे चायटा मी नामें या अळवा या क्षेत्र खूं व्यया चुटा चरे हिरे न्गायायर्वाया व्यापुः हैं यया द्वारायते मूर्टा केते न्यायर्वाया द्वारापु पंःत्यशः चुटः नतेः मृतेः मृत्रशः सर्वतः या नृत्यशः सुः तुं ःत्यशः चुटः नतेः स्रोतेः मृत्यः अर्वत्या नरक्षिरणं यश चुरावि दे केत वैश्वास्त्र या क्षेत्र वा पुरस्य विश्वास्त्र विश्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र वृद्यते रस्य रस्य सर्व या वृत्य वृद्य द्यां यस वृद्य ति द्ये वृद्य से सम्पर्ध नुषाभर्वत्या गुटान्यानु देवाषा गुटान्यानु देवाषा स्वाप्यान्य स्वाप्य स्वाप्यान्य स्वाप्य स्वाप्यान्य स्वाप्य स यश्चित्रचतुः द्वे क्रिया भक्ष्या इश्वास्थ्या न द्वास्थ्या ब्रेट<sup>,</sup>दु'र्छैं,दगार-र्ये ख्रु १ द्यर-र्ये 'हुं क्ट्रिंद'र्य मासुस ब्रेट 'दस के ब्रेट 'दु 'च के मास पर गुरा रटमी विवाय गाँदे दूं यय दें र दर्शया सुट या सेवा राय सुट वार्षया से र र्वेर्'यदे'ह्र्य'इस्यालु'विट'र्वियाचर'गुरा धे'मो'मासुस'यय'र्देर'बेर'रेस'य'

निवन दे तस्या भू रे हे मास्ट रे हे युग्य रे हे समय नगुग नय थे मे मासुस्रायान्स्रामीसाविसायास्स्रासावितायान्तुं मोसायान्त्रा नुं मोसायान्त्रा नु णुः र्र्भेन स्थित्या ख्रुश्यान दुनः स्टेन या या स्थानीया स्थानीया स्थानीया स्थानीया स्थानीया स्थानीया स्थानीया શ્ચેશ'યવૈ'ર્સે' ફે' માં કેમાં યાં 5 મારા પ્રાંતિ પ્રાંતુ પાં ક્ષું માં કરા દું શુરાયશ માર્કે રાયવે ' नरुन्वम्यारुन्न्याने मर्थियान्य सुम् औं द्वेश्ट्वेश्यो मुन्त्र मन्त्र प्र हैं राभाषाषा है या है नहीं ने हु 'भू 'षो' सं नाभी 'हा मामामु है 'मू 'है। वारामासु सामि यता क्राम्ह है न दूं यता क्रम्म महिन्यता क्रम्म है न दूं यता क्रम्म है न दूं यता क्रम्म क्विण दुं यता औं एक कि पता औं भें न र के दुं यता औं ने कि र के दूं यता औं त्रमार हेर्न्यता अँग्नह्रर हेर्यता प्राप्त हेर्न्य विष्णु इसमा हैन्य यदे अघर न भें मुर्ड स्पृत्रम्थ तथा यत्र मासुस न्त्र्या नया वृत्य मासुस क्षिण्य क्षिण सु मास्य क्षिण सु मास्य प ॻॏॱॸॗॱज़ॱज़ॱॸॖॾॖ॓ॱॺॸॖॱॸॱॴॱॻऻॱॿऻॱॎऄॕॱॻऻॖॱॴॱॸॣॱॸॗ॓ॱॸ॓ॱॾ॔ड़ॾॣ॔ॱॺढ़ऻॎऄॕॱॸॗॗऀड़ 58ने यता अँ देम पे ठ न भे गो दु न न म दु अह ह दु य न दे ने देम पे यु दू। क्षें नहं ते से दु खू श दुं यु दू विं नहं न ह खू श दुं वियम कें न के हि हो से मी दू ननर्नुं यत खेँ ख्रु ह्यूं। खेँ नई ने हु ये ख्रु गई ख्रु गई तुं ई ह्यु हु खेँ ख्रु ह्यूं। खेँ ॻॖऀॱ୴ॸऻऻॎढ़ॖ॔ॺॱॻॖऀॱॸॻॖऀऀऀऀढ़ॺॱॻॗॸॱॻॖऀॴॱज़ॵॴऒढ़ॎॺॱॺ॓ॺॺॱॸऺय़ढ़ॱक़ॗऀॴॸऻॱ ग्वे मुं श्रुषा । सुना तक्या तह्या न्या न्या न्या मुं राहे न । क्रिया मुं राहे न । क्रिया मुं राहे न चिम्रमा इत्यामा । वित्यासुमा विषया सम्बन्धा । विवाया है। वयया ग्रीया में या सूराय सूराया । प्रदेशया ग्रीताया में विवाया ग्रीताया में विवाया में विवाया में व युगापळवार्वा मनिन हेवे मनिन संस्थान विषय या माने सुगार्स हेवे रे वे र्षिता स्वित्यायायात्यामुयागुरायायविता सिंहे सुप्यायुगापळ्या नर्से ना माने राहेते गर्नेर सं रच यह गरा । स्र स रें हे ये र र चित्र हों । रें हे शुगरा र र र र र अर्द्ध्याया दिन केन से हे पुना एक्या नर्देन । एर्नेन कमाश से हे ते र्टे में र्षिना । मानेन हेते माने द र्यो राय हिमायाया । हे हे मासु ट द द राय अर्द्ध राया । हे हे मश्रद्भायास्याप्यस्यापर्द्धित्। सिमार्निमार्स् हेत्रे देत्रे सिना मानेवरहेत्यानेदर्भे यश्रामुन्या ।र्रे.हे.भ्रुं.८८.४च.भर्द्धरश्या । युवान्तर्भाता ग्रिवान्तरमा ग्रिवान्तरमा । यत्यामुयागुरुचि द्यार्थाप्ति । यत्यामुयायसयाउदागठिगानस्याय।

बद्यामुबागुन्यकेमामर्डिपेयिमर्डी । दण्चियायिक्यमर्डिपासुमायक्यामर्स्ट्रि। बेयःस्वायः नर्सूर् मुयः यः ५८ : या स्वायः या स्वायः या स्वायः या स्वायः स्वायः स्वयः ५८ : या स्वायः या स्वायः स वर्डवायमान्तराव्याव्याव्यायम् विवायार्भेटायार्पराव्यायाः विवायार्भेटायार्परायाया यशक्षेत्रायदे हें हे से मठिमाय नगर में दिन ग्री सुगा ठक इस्र श्रा शुग्र से खें पा यन् इंयर्ने येषा यये ने राष्ट्र के व्याप्त या वार्न विकास वासे यह के त्रुकाणार्नुं र्नुं पतायतार्बु र्नु विषायषानुकानुकान्नुमा औं म्नु र्साम्यन्नेमा औं म्नु र्साम्यन्नेमा णा सूर्वामे र्रम्या निसूर्य ने मूर्या मान्या है मूर्या है सरी सर खुरफरफें मुया कें की देश्या है ना भे मी में पूर्ण कर्षा करी दुं हैं स्राम् हैं ने हैं है लेश या माश्रुश नहें न या वार्ष्य न हैं न दिन्य स्ति हीं माश्रा हीं न विद्राप्त का की विद्रा यं इसमाया स्वाप्तमा औं निनित्ते गायें गानु या या या ये सु या सु नु नु न हो सु हो हु यो ख्रार्थिणो है से द्वा नम् या दे ई दुं यु द्वा वेय सर्वेद या खेँ प्रान्ति गार्थि गार्थ या या यारिष्युरार्केष्ठ्र १ द्वा वियान दार्मित्र वियान वर्षे अपस्य के अपस्य विवास स्वास्त्र विवास स्वास स्वा यभार् । । यर् र पर्या यह्न सायश्वराय स्वया यवेषाय। । यथा ग्री य्वित हो भा म्राभावतात्वीं भा विविदास्त्रात्वाका श्वाची विविदास्त्रा है । नदे न्या उत्राथ । नन्या के मे नदे से स्या के साम है वर्षेत्या र्सुवायार्सुटायविरादारायस्यायास्ययाण्यायद्वायाः द्वीपयिः पुष्पा इस्रमास्रम् सेत्रायाद्या देवे प्रमास्त्र ले प्रवेत प्रमास्रम् रहेषा देव प्रमास्रम त्रश्चर्युतान्यात्रशास्त्राच्यान्यम् प्रमान

बुःर्यम्भूद्रित्त्वा विद्यान्ति क्ष्मित्री भूतावाद्या विद्यान्ति क्ष्मित्र विद्या विद्यान्ति क्ष्मित्र विद्यान्ति क्ष्मित्र विद्यान्ति विद्यानि विद्यानि

वीटानयु, ट्री. कुच नुमाश्यस्थाना हूं. थेन. में त्रामानी हैं है स्मानी हैं स्थान वीटानयु, में म्याश्यस्थाना विटानयु, में म्याश्यस्थाना विटानयु, में म्याश्यस्य मा विटानयु, में म्याश्यस्य मा विटानयु, में माश्यस्य मा

यश वृद्यते मृद्य अभाभक्ष्या न्त्रुश शुं नं यश वृद्य निर्दे कुर्भूश सर्वत्या स्याद्ययाचरुः संपेत्राचक्षेत्रं ने ने निष्णामी हेट नुः खेँ निष्णामा स्थाप्त । र्नुं प्रयार्देन पर्सेया सुटाया मेंगा प्रयासुटा गार्थिया ये सुरार्चेन प्रापे ह्या स्ययालु बिटार्षियायरासुरा धीमोगम्बुमायमार्दिर बेरारेमायनिवादार्यम्या भुर्दे हे मासुट हें हे युग्य हें हे इसस नगुग दस थे मे गसुस या देस ग्रीय विसाध इस्रा वित्यम् द्वा वित्या द्वा वित्राय द्वा वित्राय द्वा वित्राय वित्र नर्राक्षेत्रभाषायमानुषा कें मुषायारायमानुमा कें खू हतूं। व्यवःमाशुक्षःपर्हेन रूट्मी श्रुमाषा गादे र्द्वं स्टेन सेंदि र्दे ने से सुमाषा गुदि स्वासा उत् ग्रैमार्स्यम् अर्भेट नर्से स्वाप्तिर न्दान्य वा ना मा मे न्योप प्रतिर ग्री से प्राप्ति । र्चेमायायस्ययास्ययास्ययास्ययास्य वित्राची न्यान्त्रान्यास्य वित्राची न्यान्य वित्राची न्यान्य वित्राची न्यान्य वित्राची न्यान्य वित्राची व विंत या भेगा हैं ताया गणया हैं है नित्याणित है गया भहीं नाया है ते गणित 5. हे. रचट वमार्चे वश्यामय हिट या ब्रिंच या माणयामहिया श्रुच नेट प्राप्ट वि गर्धनगिरुषानुदानदानिस्तु मिसु हार्चिमायाया द्विसमानिन हे नगार्थी या दे यार्वेन या सुन्यरायेर ग्रेन गुन्यराचा माययान गुन्य पार्य स्थाया मह्यमह्यम् व्यापुः कुः दुः द्यारार्थे हुयाया वेवाया हुया विषय यहेवाया चिट्-दु-तुषाट्व-बोर-र्ये-व-कुषाया मानेर-व्यामाव्याया माण्यायार्येव-कु-मेंट्-

ष्टिर-दरम्पर्धेन नेतुः यो र्चम्याया देवे मार्थेन दुः र्वम्याय दम्मासूर सूर्गर ये दीः न'य'र्लेन'मा गणमागहेम'मग्ना सेट'न्ट'न्गु'ह्या गर्जेन'महेम'य'स्मान्ट'य' रु'यहें मा गुरम्य रु'र्पर ह्य र्यार में मूर्य विम्या स्वायवे र्वेर रेंगा उता है'माशुभान्द र्घेन्'यार्घेमायाया यमायामाहेयाण्यमाँ द्वे'यावपुन्या भेर भे'क्ष'न्धर'र्ये'र क्षेत्र'या विषयानगर सेट'न्टा गर्येत क्षेत्र मायान सेट'न्टा गर्येत क्षेत्र मायान सेट'न्टा गर्येत क्षेत्र मायान सेट'न्टा गर्येत क्षेत्र सेट'नेटा गर्येत क्षेत्र सेट'नेटा गर्येत क्षेत्र सेट'नेटा सेट'नेटा सेट'नेटा सेट'नेटा गर्येत क्षेत्र सेट'नेटा सेट'ने मार्थेक र्चेन या द्वार नु स्वार स्वा यमाभामाध्रेषाण्चेषाद्भुदारस्यायहिंदाया क्षेदानुः त्वारान्यारार्थाणुः सुदादा मात्रमाया यमायामाहेराणीयामासुरियदितया हेरमात्रम्यस्ये म्याचित्र य'र्बेन'या यमा'य'मारेश'ग्रैश'या यहिन'या यह श'य'शेर'र्ये मार्नेट'या वि'य'हर य'य'र्लेक'या गणब'यब'र्धु'त्रुगब'र्द्राये प्रदेशया गर्णेक'यब'र्द्युग'य'र्द नग्रा से ए पहें ते विष्ण पुर्वा के से प्रेस के स्था मान का स्था निष्या न र्यरामश्योत्र उटा मार्थेत् तुम्याय दित्या वम्याय वटारेश र्थेत र्यानेटा हाया विंत्रया गणमार्यामी निरमणित सैगमा अहिन उत्र इसमा है। ने निगमी परिंर ॻॏॱॸॗॱज़ॱज़ॱज़ॗऀॱज़ॗऀॱॺढ़ॱॺढ़ॱज़ॗऀॱॺॾॱॸॖॾॣऀॱऄॎॾॣॱॺॢॎॱॸऀॱढ़ॱॺॱय़ॱॸऀॱॺॗॱॸॱढ़ॱॻॏॗॱय़ॱय़ज़ॗऀॱ 

तुषायहयायषा गुयायदायस्य वेष्युयायायविष्यु । स्रदास्य मेषाद्ययार्से हे पहिमाया चे दाला मा केमा सुमा मा हेया ग्रीया मी मा मा दार र्चे दाया पहिंदा या पुरा डेमार्डमायान्यारार्येत्राणुः सुमारठना समया सुम्यूरा केषाया सुद्धारा देशाया याभे रें रुष्टें प्राया या पारे पें ने राया हो या या हो या है ने रुषाया हुं हुं यह यत्रशृत्रु वेषायषाचित्रचिषायत्त्वा औं हु र्राप्ता यापू पूर्वायर् प्राया सूर्वाये र्रा णा निसुरानिने गानिक्षा कि ने मुर्ग मानिक के मानि खेँ की दुश्या है श्वा भे है। में में पूर्ण क्षा करो दुं हैं यत यक्ष हु हे हु श विषायामध्याचिषानर्थे और निर्मानेगार्थेगा भूषायायाया से भूरा खत्री भूट्री माड्डी सुद्दी हुं ये। श्रुर्भें में नै भें द्वा नम् य दे ई दुं यु द्वा क्यमहरण औं र न ने मार्भें मा यू य यायारीयुर्जेष्व १ द्वी वियवप्यार्केन प्रमुवा नर्डेया स्वार्केया है प्रह्मा न्युप्या सुन यभार् । । यर् र पर्वा यस्त्र या यस्त्र या यस्त्र या विषय भी या विषय भी या विषय से भार म्राभावतात्वीं भा विविदास्त्रा प्राप्ता का कुर चक्कि चावता भेषा स्थित हिंदा नवै'न्यारुम्यायुयाया । नन्याने'मे'नवै'येययाचीयावरुन्'रेटायकैया खेँप्या मुङ्गार्थायाया यानुप्रायाया यामुङ्गारिकेयाहि दीई से द्वाया युर्भि है भे मुया शुर्ने हें भे मुया अनु रमें भे मुया यन भे हैं भे या पही यन गामु शु ठभो ठेइं में पंगुरु दुं। ५ ५ ५ ५ ५ ६ इ मा भना पासूक्र मासूसे सुझा पा मूङ्गाः हु सः भः दुः या भाषाया ५ रख्नु ६ दुं सता भः हे ५ रखें द्या सु अ से या निया

षट कुष या अकेषायया । एदेर के ग्रामाट मध्याया । दे गुक र्षि र ग्रीया नर्वेन्सर्निम्सा र्केष्म हैंगार्नुस्ता हेर्सन्रिन्त्रीयायर्षिमकेन्सेवेर्नुना इसरासार्हेग्यापराने श्रेत्र पुण्या सुग्यासार सम्बासार प्राप्ति । नमेग्राह्मायम्पर्तिप्रयेद्वाय्यायस्त्रिम् हेयायव्यक्षेत्रप्रयंत्रप्रेद्वाह्या ८८१ हैन'महिस'यानसमासर'रु:ह्युन'पर्नेन'सी'र्यम'मासप्यायह्यायस'र्केम'रीट'रेपे'र्द्धपानी सर्केर'महिंस' चुक् चुक चुक प्रमुक्त वा विराद्य प्रमान्य क्षेत्र क्षे ब्री मटायाचत्रुषा र्रमार्स्यायुरावरुषार्वेटाश्चायायवरात्रा व्यषायाम्बर्धेवासुषार्थेवास्यायुर्वे व्यवस्था मान मुल र मान भारत स्वापन स म्बद्दः त्रुम्बरायाम्यबायदे र्बेट्रार्बेट्यात् द्वाट्याने । मायायाय अदानु । युवायनिया युवायनियाम् । भूचा है। त्या त्रा है, या भूम्, क्षत्राता मूचा तर्दा भहिचा में हिया वार्षिता विद्या विद्या है। त्या विद्या है। ५णैयापविराणीः नराक्षेते घरारु हें हे देयासु पहें नाया दुं सह राणी सुगा कु राया का है। से पार्क हैं ना दूं यत्। डेबायबास्मबायवनम्बुबाद्या धेमानकुयबन्गडिमानडबानर्ह्या म्याकेन्यिक्ष्यह्या सहर ह्रिंच में लिया मार्डमा सुमा मार्डेश ग्रीश हुं सहर ग्री सुमा मु प्रकेट लिट । मार्थेच नमुद्रमी सूर्वर जैरा नबुग्राया है हे नुग्रा जैरा दह्मा यस द्रीया परिस् मी वटार् र्विम्यायासेटायम् लुम्यायम् सुमा क्षेत्रुसाझ के सुसाझ दु। मी इसी इसी मीङ्ग्रायाणमीङ्ग्रायाणद्वी ष्रात्याणदी इमाधूताने द्वात्र द्वीत्र्या व्यवमाश्या खेँपा सूक्षणायायाया यातु सूयाया यासूक्षणा है र्के सामि ही है के बुधा शुर्सि है भे हु भा शु रें हें भे हु भा छा तु र में भे हु भा यत ये हैं हो या पर्दा यत गार्स शु ठभो ठेइं ने जंगुरु हुं। ५ ५ ५ ५ ५ ६ मा भना पासूक्र गासू से सुक्षा पा

भूक्षणा च्रु स'भाक्ष्य भाषा भाषा भाष्ठ्र १ व्रु भारा वाक्षा वर्त्ते वर्षे वर्ष त्रव्रातान्त्र्यम्याम्बर्भान्याम् देव्याभार्त्रम्याम्बर्धाः स्त्राच्याः स्त्री व्यास्त्राच्याः स्त्री प्रमास्त्राच्याः यया छाँ अर्केम ' नु ' चरे ' चरे ' शेअश है ' रें या यर ' स्वा । क्षेम ' चरे ' सुम में श चर्डे अ व्रवादन्यायादिया हिं दूं मं र्ने हैं है है है है है है। अर्मेव में क्षेयायया से हेंगा प्रदेश सु मार्सिया विषायमा यायन में राप्ता प्रकार में मानी सेटा प्रामार्ड में पेरी प्रमाय प्रमाय के मान स्वाप र्थट है। मिले नडर हैं न दु र में नया मिलें न मुट्य दूर सह द मी सु मु मु मिलें प से पहें दे हैं। ते से स **ॴॱय़ऻॱय़॓ॱय़ॗॱॴॱढ़ॗ॔**ॗॿ॓ॺॱॺॖॖॖॖॿऻॱक़ॗॱॸ॒ॻॕ॒॔॔॔॔॔॔॔॔ॺॸॺॱय़ॸॱॾॣऀॱढ़ॸॱढ़ॺॱॺॖ॓ॱॻॸॱॻॺॺॺऻॱॸ॓ॱॻॿढ़ॸॱड़ॖॱॻॖॸॱढ़ॺॱढ़ॣऀॱॾॣऀॱॸॸॱ न्यात्रवात्रुवार्क्षेत्रात् व्रित्ववातुरार्क्षेत्रेत्वराव्यवा खेँ यायायायायायाया वेषायायायायायायायायायायायायाया नन्ग'न्द'रोअय'उठ्र'व्यथय'उन्'य'न्देय'गुन'व्यथय'उन्'ग्री'नगाद'न्त्रे सुँय' ठेग गन्त पायमें न त्रम तुम कु यह । हे 'सूर यस्माय रा रा सा में यो । सु इसमा में या है। षुर्यामार्थेवा भूमा भ्रिष्ये कु के दमा या धेर्या हि यबिक यदमा मीर्या पुर्या य मीर्वे खेँ। 

न्वत्त्वी अर्केन्य चेत्र चेत्

मङ्गाचि क्षुन म्यन नि तु भार् पार्च र्चे प्रे प्राधी प्राधी विषय के प्राधी विषय के प्राधी विषय के प्राधी के प्र पहेमाश मुेन केन संदे नण्या पर्षर नु पहमा सर लु पदे र्षेन नु लिट मिश्रश पन्यान्यम् ला क्षा निहासु भेष्य क्षा प्रमाने प्रमाने का विष्ट में प्रमाने प्रमाने का विष्ट के प्रमाने के प्रमाने का विष्ट के प्रमाने के प्रमा ष्त्रः द्वं ये स्वायारी विराधनायीया नर्से रानवे न त्या सुर देवे सुवारी के राम तिशतसमाशर्मा क्रेंतह्मानिमीटा वैचाचात्रटा वैटा चेटा झे भी श्रेया तीया टटा तिरायसमार्था म्यान्यम्यामार्थे माल्स्यम्यम्यान्यम् स्था क्षुन पर्म के क्षुन में ज्ञाना देन में केरे दे में प्रमा नश्या में निर्मा पर्दे र वहेंवे ना अ र्सेश यवे वें रेंग वर्षेर वें रेंन वें के वेंर मुरेंन पें के नर्दन कें रैक र्ये के। र्ज़ेक र्ये रैक र्ये के। मुद्र र्ये रैक र्ये के। इसकेंग रैक र्ये के। दसमा र्नेनामा नर्नार्सेममा सूरानमयामा रेक्नामा हैमा त्रुपा सेनार्योकेया मदिमार्था र्सुमारायश्चरायर मुयायदे मुयासर्था द्वाराशुः क्षाद्वा य <u> न्ययावर्त्तेरासुम्रासुम्रार्क्षमायायाम्यास्य प्राप्तान्याम्य स्वितायीन्य प्राप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य</u> न्ययार्से हे यहेम्बा चुन केन येये न चैया योव र पुन प्रमाय लु नये खेन नु नि पश्चतः प्रचीता स्थान स्

क्रिंग्या व्यवस्था स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य

वहें ने किया भाषा माने का विष्य में के का विषय में किया में का किया में में किया में ५८.त्रश्चात्र्यम् ब्रिशम्, प्रेशम्, प्रेशम्, क्रि.स्ट्री क्र्यात्र के स्त्रात्र के स्त्र के यबाधीमान्यामुं वा केंगिन् हैंगा हुं यता डेबायबाध्नन पार्थिम्बान्या मुद्रमार्भेरास्थ्या নমন জ্বিন শ্র্রা বর্ণাক্র মর্ক্রনা দার্ম মান্ত্রনা মুন্তর মন্ত্রী । ইনা না সমম ত ব র্মা श्र्यायम्बाया विम्तित्रित्वे विष्या हेया थी रहा विषय मुया मुह्या थिता स्था मुया मुह्या थी र भी या मवित्र विराज्य क्रिय क्रिय क्रिय प्रत्य प मकी । मरामिलन में मानिया में मानि नुट क्र न अर्केन मी से अया के निश्चे द निश्च या अ अया उत्र प्र या निश्च या अ अया मीशासम्विर्गुमाहेमा । चुटाक्यार्धेनासकेमाधिनार्वेटासुनामाना । वर्माया यत्रभुराबाद्यानुबादम्याप्यापरार्वेन डेबायवानुबा दर्विरावी स्वीरावी देवापरा न्वरा ।न्ययायन्यायाञ्चयात्रयात्री ।यर्गेत्रार्येप्यार्वे द्वापी ।ने हैन अर्केमा हमा दुः की । श्रेश्या उका गुका शैर्म कि ना श्रेमा द्वीय दिसे यह मा त्युरा माश्रुट दु मार्शिया वन महिम श्रद्या सुश चुट क्च से स्था द्या स्था विद्या था नर्गेट्यायम्य सहिन्तु मर्थेया विन्या सेटायने लेयान मे विषय निष्या विषय विषय नबुट क्या के। । नुट कुन क्षेट सेंग अकैय गुःनम। । है भ्रम नुया गरुया अर्गे कर्से इसमा । युर क्य फु के रेम सर्द यदी । युर क्य मेसम के तुन मेरा । दसय नन्गामीयानश्चेन्यमानश्ची । द्वासिययाश्ची द्वामान्यस्य । प्रमी निर्मानदे केया दे

सूर्यार्टा विभग्न उनार्देन मुर्जिय विभगमासुमा विभिन्न राम्न स्थित यनगमीयमात्रमा ।यम्यम्बर्क्यनम् र्मायन्त्रमे । व्यान्यस्य प्रमान सक्तामश्रमा । यदमास्यादियादियायम् स्थापित्यास्यास्याम् । विस्यापादे । विस्यापादे । मीर्यामा बुट्रा सिंहे मेम्यासर्कमा केत्र संखी सिंहे मेथा सुमा सुमा स्वाप्त रैमाश्रासर्केमा केतर्यो प्राथित किमा धेरा दुर्गेरा या । भितर रेपिले के दुर्ग दुर्मा हा भ्रिन'याद्रमायने हमा हु भ्रिना । युट क्य केन ये प्यम युट यदी । यज्ञ दे रमाशकेत्रप्रमायाया भिर्पारमाश्रमायमाश्रमा । प्रशकेश श्रीश्रमा बुदा नर नग्री विषय ग्रेरिमाय अर्केमा केतर्ये वा विश्वाय विषय उत् स्तर्य स्त्री व लट्रमाक्षेट्रर्श्यंस्याबुट्रा अर्केट्रयदेख्याके हे कुरावधी विट्रक्य बेमबाके तुन्ता विभागाय निषामाय में विभाग में विभाग विभाग कि में विभाग के वि र्देन मुःसुरा । यदमा मीयार्स्यायायायायाया । । । या सम्याया समया यदमा मीया नम्या । अ.मूज.च. क्षत्र.चर्चा.च्रात्र.रमूजा । रचेचात्र.त्र.क्रीय.त.रचेचात्र.रचिट. बिटा । बोस्रयारम् सुग्दम्यायायमेना । विस्त्वासुस्य महेना ग्रीपिन सुग्धेम रहेन्या नगता भ्रमानवट ननगने ने के कर्षे प्रमेश ने शत्या के लेगा नु। यदय सुया सर्वेग'मी'न्स'र्वेग'नम्चि'वर्ववा सेसस'ठन'वसस'ठन'मु'र्नेन'नु'स्सामुस'र्वेन' यर मुर्ते क्षेत्र यदे क्षेत्र यदे केस्य गुत्र हैय य दे कि द क्षेट ग्रम त्रु पदे द मुल त्रिंर र्लेट्य शुर्हेग्या पते इसा पर शुरा केंया प्रस्य उत्रर पति से रेपेर

र्द्धेट'य'१९८'८८'४८'मी'शेशश'र्र'माठमा'रु'ग्रु×'यते'र्देत'दश'यते'युट'क्वा'ग्री' राने याया सुंदि भेड्डा यहाँ या त्रु सुंगि ने दार्षिन या ने या विकास ने सामिताया वमरारुट् ग्रीयाचीत्र में या स्ताप्त माने माया विष्ठ ग्रीया ग्रीया में प्राप्त माने माया यात्रम्या उत्राष्ट्री मर्केमा पुरमाया नियाय वित्राय वित्राय वित्राय वित्राय वित्राय वित्राय वित्राय वित्राय वि म्म र हिंगा द्वी खायं ने र द्वी लेश क्षें से तमन र दुवामा सर में मा धर की या दिया विकास स्थान यानुदायराद्रभगभावीदायमायाम्यम्थमाई हो द्वाप्यस्थाये वर्भेरायदे स्थानु विदा स्थानु राष्ट्रारा स्थानु शुं में भि शुं शुं भें निहं यह अहु के हुं भें विश्व भें निहें नियम प्रायमित स्वाम मिल स्वाम मिल स्वाम मिल स्वाम मिल स्वाम मिल स्वाम বল্লানুষাম্যা মন্ট্রিইটেবেইল্যান্ট্রির্ভুমা ঐঁথের দিসুশাদ্ধু রুভিত্তে ধর্মানুর वं वैठ्व ५ ज्या भी सम् ५ त्रुमा ५ पर्दा सम् । हे कि सु सी दे प्रविव माने माया प वस्रारुन्यासर्केन्यायक्षेत्राचणुराचये स्वीराचन्यायन्या नेप्यवित्रा मानेमायायायायाया उत्राण्ची र्दे र्वे र्दे हे ये अया द्यया यदमा या ये व र्णे या यू या पू याभर्केर्'यार्दाचक्केर्'नगुर'नदे'तुष'याःठत्रुत्'चुर्राचुरा'नस्याःयर'णुरा क्या बूट मी सुमा कु त्यमा माध्यस ग्री । खु रू न मा ग्री त पुरा न सुद र यथ मार्थिद र यदि यहिंदा से र यह द या या र द र है द र मा है र स्यागिनेन हे गिनेन र स्था खेँ यस र सुडू सु ह खु य सुरू तु के के के कि जिया भी छैं यस मुया मान नहीं में रें उपा है है है से दे प्रियं ने मने माया प्रथय उर्'या अर्केर्'या र्दा महेन प्राप्त परि भीर पर्मा प्रमुख प्राप्त हो प्राचीन मानेमार्यायस्य उर्णे में में इसायर सूट सर्र गुरायरमा या गुरा गुरा नत्त्रन मुंगिर्धिया वेशः नरः क्षे न्या मर्थियः नः निष्न ने निष्या स्था ने प्रविक मनिष्या स वमयाउरायामर्केरायाद्यायक्षेत्राचणुराचये तुषाया उत्राप्तीत ग्रीका ग्रीका चर्तिया परम्यूर् केत्रव्युत्मे सुमान्याम्याम्याम् विमान्याम्यास्यास्यास्य स्वार्थित्। गिनेक हे मिने ५ र जुरा के अक ५ प्रमा ५ र तु ह का है भे गू था खु ह ने के कु ५ खु भी छैं। भर्म निष्म निष्म के निष्ठ भी दे प्रविक्र मिने माने माया प्रथम उदाया अर्केन्यान्दान्यम् रायदेष्ट्रियान्यायम् नेयविकामिनायाया धुराया वेश हैं। क्षें में क्षा मार्शेया नाम नाम ने निवास या चित्र माने मारा प्रसास उत्ताया अर्केन्'य'न्द्र'नक्षेत्र'नगुर'नते'तुष'य'ठत'नु'नुत्र'गुष'यत्त्वा'यर'गुरा व्नि र्यमाभेराणुःसुमाकुःवावमायाम्भेषामाभभ्याम्बन् रूटाकेरावदेन स्टामेराक्षाम्बन्धाम्बन्धाःमानेत्रहेःमानेराहाः युरा अँशिक्ष मित्र मानि सुर्दे सामहत्य आख्रु हार्न के कु निष्यु की अँशिक्ष मित्र मानि ५ नई इसु य नह य भी दे निवित मानेमाय प्रस्य उर्प य सर्वे र य र न पु नगुरानदे भुरानद्या प्रत्या ने निष्ठ मिने मार्था प्रस्था विष्या । यार्स् हेते केंग्र न्या पु यार्भे न पु यार्भे या विष्य केंग्र विषय न'निन्न'यथा दे'निवेद'गिनेग्य'य'त्रस्य उद्'य'सर्केद्'य'द्रद'र्केय'ग्रे'दिर्वर र्भेरायते कुषाया उत् पुरिक्षेषाय स्वाया स्वाया प्रत्या प्रत्या विषया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स् क्षेत्रमार्थेत्रमान्नम रूट् हेट स्मार्टेमामनित् हेमानेट दुसूरा छैं स्मान हुमा ह युः हिंगार्स्य के ख्रा के के के कि कि प्राप्त की कि स्वार कि मान कि मान कि मान कि साम कि साम कि साम कि साम कि स मानेमार्यायस्य उर्पायस्र विष्य विषय । मानेमार्य प्राप्त विषय विषय विषय । प्राप्त विषय विषय । प्राप्त विषय विषय मानेमार्था प्रस्था उत् गुर्था प्रत्मा तार्से हेते त्यर्था सहित्र मार्थिया वया सं क्षेत्र मार ह्य विश्व विश्व मुद्द ही क्या मर्थिय पाय प्रमाय दे प्रविक मिने माय प्रमाय क्या कराय क्षेंगुर्र्र्र्र्म्तृषा युर्ध्षुपञ्चवूषा ष्रुज्ञ्वं केट्रुम्यूक्षी यद्यविप्यदेत् हु'णा अञ्चु'कं'के कु' ५'णु'के। नेट र्षिन ने प्वक्रिमाने माया प्रस्था कर राष्ट्री मेगाया मैशार्ष्टिन ने प्रतिमानेग्राया प्रस्य उत् भी निर्देश मुना इस्या भूटा र्वेन प्रमा त्युर्ना नर्देशम् नामालम् स्थराक्ष्र र्भेशण्टा के नर्मेशा र्षेन ग्रीयाण्टा पर्ने न्णैयायर्षिम्यासर्वित्या इसम्याण्ची सन्तर्भः नुः श्वी प्राप्तर्भा विन्त्र सम्या १८४ सम्बार में पर्ने के खिंद खें द्रा के माने हें हे हो माय हे हिया पर्ने हा षट रूट पाया श्रुवात पदिवा र्षित ग्री अर्मी पी प्रमी वायर प्रमुख्य के विवार्स हे हैं। वेवार्स हे हैं। वेवार्स ह रेग र्हे हे अशे र्नेट ५८ अट अट क्षेर केट मर न बुट या अ दे हे हे अअय ५५० रूट | हिंदाण्येक्षेटायायटादमालुम्बा मियाने र्ख्यायदी ह्यूबादादी देखावमानु द्याने मानेमाया अँग्नाइ खु ५ गा छ। मणया ई हे ५६ मणित यदी अधिया ५ छ । पदि के

र्षिर ग्री रमुया नये क्षा । रमार्केमा यर्गान स्वान सेमा सम्मिता । रमार्केमा समुदान नर्देशःगुनः भ्रेम । र्से हे मनुनः सेते कुलबुट लिग नेट सुन कन र्षिन ग्री सुगान र्से हे'र'धेर'ग्री रस'यरे'र्ग्रेस'नेमा'रेस'ग्र'य'रे'र्छिर'ग्रैस'ग्र'र्यास'र्से। छिर'ग्रैस'र' यानकृषायम् यान्येत्रकेष नुषाक्षित्यारान्य सहस्यायम् एके निर्देश निवन मिनेग्राया प्रमार उर चित्र चित्र चेत्र सेन्य मिन् से हे सेम्रार प्राय प्रमा याद्ययायमा अर्ह्पात्रा विषायवाग्यस्य औं मुंकु कुं कुं यहां सुकुं सासूकुं यार्षेट्राशुः शुरायाया पर्देद्रा कम्यामिन हेते मिनेद्राद्यरार्थे प्राया न्यार निरं लिया मासुर्या सुमा नुमा मी निरं में मारी राणीय मी मामा निरं में निरं से सुमारा गार पहें तर है दा क्षमा अया पाय वा के शर्म इं दिर राम भी मार्थे तर मा है शर् देर पु न्दायम्भातिह्यान्यमा श्रीस्त्राच्या श्रीस्त्राच्या नियात्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त न्गरम्भ्यं तुम्रम्यम्भळ्यस्य १८०० क्षेत्रम्यस्य १८०० क्षेत्रम्यस्य । वर्षिरम् मुप्ति या बेर में बुर पुर्दे हे से मुख्य यथा अळव या वा दूं। के प्रायर में यश चुट निर्देशेते निर्णेय पर्षिर बुर माशुश्राय निश्रम भें भें लिट प्रवर नाय खू ह मिट्र मिर्देश देश मुंद्र यो स्वाप्त स्व न्चीनमारुक्'यामान्न'मीमामळ्क्'याया है । न्यारिटानर्वेन्'यमान्या 

कुट मीय नर्से द नया केट मादे या दार नर मुर है। हैं मेदि कु प्यय न दुर हैदे क्रिमायान्ययान्ययाक्रियान्यस्य क्रियाम् हिराद्वीयाम् हिराद्वीयाम् स्वायम् स्वयम् स्वायम् स्वायम् स्वायम् स्वायम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स् यम औं देश हैं श्री में पूर्व कर दूं दूं यत यता आये माण सूं झाणा रारारारा हूं पाया द्वापाया दुं ५१ अपू १ हैं प्ता हि पही वह विकेश मारे वे के मारामा सुरायायमा मायार म् हे दि प्रायुष्य में के मार्थि में के मार्थ प्रायुष्य में मार्थ में मार्थ प्रायुष्य में मार्थ प्रायुष्य में मार्थ में नङ्गायायनेवा । क्षां इसस्य निमाया ची निस्ति । निस्ति निस्ति । विस्ति । विस्ति । विस्ति । विस्ति । विस्ति । विस क्रम्भस्य प्राप्त विष्ठ निष्ठ ५ गुंवायिम् गुं निर्देश विषया मार्ड में यो मार्ट में यो म हेंगां श्वे चेंराचलग शेशशाद्याता स्रेंचशायी के पादमा गुदा कुवाशार्थे वाणी पारा दुरिशा शु वर र अगा वर की रहे पा र पा से किया र पा र से पा से मार के र पा र से पा से मार के र पा र से पा से मार के र पा र कै'नर्डेक'यर'अह्री सि'नब'वश्वाउट'अर्वेट'त्वूर'ना हिंहेपे'श्रेगाके'त्रु'क मेन। १८ के १८८ सपे सुमाया श्री १८ शिया पर्विस पर्दे हे के दाया देश विषय भेगा १८० 

र्ट्याम्यानाग्वरम्भेत्रस्यास्या । द्याक्ष्याः अर्क्ष्याः पृष्टिर्वे त्यम्यम् । द्रिः नर्थे. कु. मूजानमा विवाद कियोग के भारत की भी है. प्रहा ती कि प्रमाण्य ब्रामक्षम्यायद्भात्त्री मार्ग्रायत्रेयमार्ग्नेदामार्ग्नम्यान्याद्भात्त्रम्यम्याम्यामार्ग्नम्यायाय्यात्रम्या भ्रम्यश्चेत्रम्यस्याम्यम्यत्त्वा तेष्यत्ये रेयात्र्त्रा देर्पेत्यात्र सु'नर्झेर'नदे'नसुट'नदे'दर्षर'र्थे'से'रे'न्ट'नठस'यदे'न्ट'नुवावयाधसायट' गु'निले'र्से'निले'सर्वत'रेट्'वसर्थारुट्'द्रायदे'म्रार्सेर'र्वे'न्यमिन्हे गमेर्ण्या भू मेर्र्या मेर्या म मानेन हे मानेन प्यापुर्या गुट र्झेन न्यामी मानेन हे मानेन प्यापुर्या मानेन नर्राक्षेत्रामादानिये वित्रामानि वदामी निराक्षेत्रा संक्षिणाया पुर्वा क्षेत्र नाम यगार्भे प्यनापुमा तुनानुदारु दनुदमारु ताया प्यमा नुदाय र निर्मे दे प्यन खुर्या नरारु गिरुया गिर्ने हो गिर्ने प्यया खुर्या हेरि से रास्त्र गिर्ने हो गिर्ने रा यन'युमा नुन'तु'तर्देद'कम्बाम्निन'हे'म्निन'यन'युमा नुन'तु'स्ना'र्देना' मानेन हे माने र प्याप्या र तुषा शु र र र र हे पहे माषा है र प्याप्या से हे ने न ५८ पहेन पर पर वर्ष परि ५ ग्रीय परि र अर्देन सुम ५ स्मिन स्मिन हेते प्रीय प्रिंम प्रीय प्रिंम केंद्र में मान्या लुग्या केंद्र माप्यीं मान्या है से प्राप्यीं मान्या है से प्राप्या है से प्राप्यीं मान्या है से प्राप्या है से प्राप्यीं मान्या है से प्राप्यीं मान्या है से प्राप्या है से प्राप्य वर्षेर्य्य प्रतिरक्ते स्त्रीय द्या मीश्य अर्थे द्या अर्थे माश्य प्रति द्यीय वर्षेर्य न्णैयायमिरकेन र्येराचन्ना न्वराचक्ष्रा याया परिने के अक्षान्त्वया वादी या मिले र्सेश ग्रीश चुमाश मिट से र्नेमा प्राप्ता । रि र प्राप्ती ट प्रे ते स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

पदी । शरमा मुमा बिर दु दिभेषाया है दिनुया नर निश्ची । पर्मे गाँ न समा दिन या र्धेन प्रम्मेन क्षेन् मुन्य म्या मुर्ग के क्षा में के क्षा में के क्षा में के क्षा में के किया में किय नेशरमाकेतर्भेष्पेश हिंहेश्रेस्र प्रम्पानम् निम्पानम् स्रम् र्धेशन्नरम्भूरविद्या अर्केम्णूर्यन्मायास्यानुमार्थेया विक्षम्स्या स्राप्ति ईगार्नुं यता वयम्बयम्या तुः अप्ट्रामार्डे में घा अप्ट्रायते खुमायामादे र्नुं मोर्द्रा वेर मुरार हिर प्रायालया न्यालया भूते र मुरार मुरार हिरायया वर्षाणुर्याची पर्वत्या भारा देवा मीर्था सेंट प्यार चुरा सेंट प्यारे प्रताय प्रार्थ हैन हुं नि रें हे यथा भै नर्से निया हैन या हैन समामहैया सुमामहैया सै सार्रे हो नि <u> दैयासुप्रहें तायाध्यस्यायाया स्वित्र्यामी मानाद्या प्रहें तायापष्ट्री पायापष्ट्री पायापष्ट्री पायापष्ट</u> त्यायाद्यार्थीं में प्राधी द्रापि प्रमाया प्रमाया प्रमाय के प्रमाय युमा तुः अप्तरमार्डिं में प्राधीप्तरम् यदि प्रमायामादे र्दुं मी दिन बेम ग्रीयार्थिमाया परु व पत्रम्या परि मुयापा प्यपा प्यया प्रमाय प्रमाय स्थित प्रमाय स्थित प्रमाय स्थित प्रमाय स्थित प्रमाय स्थित प्रमा गानिष्यक्री मिट्टी सिही हैं मी ष्राणेंगो गड़ी है सिट्टी निस्य है ई हैं श्रुही से हैं ठव मुराया या विम् न स्वाया विम् न स्वया स्वयं के न न न विष्यं न न मान्याहास्या । दे सिरापदी ता क्षेत्रा दे मार्थिय। वया श्री क्षेत्र मार्थिय। विश्वासी केन भेरियोगालु। त्रामान्यमार्टिमें प्रामीन्य भी निर्मात में हिरियामा

नभुरा खुअ'ग्री'पङ्ग'त्रे'र्स्थ अथ'ग्रीश'र्रा मित्र श्री'त्रिंद्'यर'ग्रीश'य'य्य प्रमा

छ्यापम् हैंगार्द्रं सत्। येशक्षत्रायश्चीक्षायश्चा छ्यायी हैं सानिहैं । सामि हैं न्नुःभःनुनःई१९१ नगरःह्यानुयाकःईरायान्नेनानुना ईरायवेर्दायायानुं <u> ५८. म्. इ. त्रमा भ्रामर्श्चेर.त. र्ह्य म्. त्यामञ्चाम्यमाम्यमाम्यमाम्यमास्य</u> गर्डें में प्राधी प्राप्त प्रमाय गादे हुं मी पेंद्र वेर मुख्य राप्त विवास वया नर्झेमयाप्ताप्त्राचिरायेषेषेयापाप्ताप्ताची क्षात्रम्याधुताप्ताया है हुं नै र्ने विश्वासु से दाय मुना दाय मि भ्राह्म समय ग्रीयाद्या यस्मा से प्रस्तित प्रात्तु प्रात्तु प्रात्तु प्रात्त्र यह क्षेत्र प्रात्त व्याते। क्षे यह प्रात्ते प्रात्ते क्षेत्र प्रात्ते व्य त्रा कें यम न त्रमान यु ई य दे इं यु द्वा के यम न त्रमान यहे य दे इ दु यु ব্বা জঁশেন দে স্থানা দে দ্বানা দুই প্রন্থাব্বা জঁশেন দে স্থানা দে প্রান্তি না শ্রাই প্রন্থাব্ र्नुं श्रु द्वा अँ शक्र मा प्रमा प्रमा में क्र द्वं श्रु द्वा भे मर्से न भारा प्रमालु माया च्याप्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या वदीः द्रवायार्केत् वार्ष्णवायायाः द्रवास्त्रास् भ्रम्यासुःमार्थेद्रायदेःसमायमः हेदावेयामायास्री देःस्रेटानुस्यायानेम न्यटाम्भूमः र्हेरहे लेखायदेः भ्रम्यासुः नुभायार्श्वेतान्येत्रक्षेत्रक्षित्रमानुःस्यान त्याभान्दाःम्यिः त्याभान्दाः स्वाभानाद्याः स्वभानाद्याः स्वाभानाद्याः स्वभानाद्याः स्वभ वेरःग्रीयामुवापादर्वरावर्यावस्याउत्रर्दायाद्वरावस्यस्याद्वराष्ट्रीरादुः

नभुवाने भुवाने मुक्ताना मुक्तान मुक्तान मुक्तान मुक्ताना मुक्ताना मुक्ताना मुक्ताना मुक्ताना मुक्ताना मुक्ताना मुक्ताना या इसरा गुरा निवास निवास निवास स्थान स र्शेमाश्रामास्स्रश्रामा भेटार्स्याश्रापहेता सुमामासहित्रेटार्स्यार्स्रामहृता भे में मान्द्रम् मुभ त्या र्श्वमाया ये मानीया सुमा मीया सुमा मीया सुमा मीया सुमा मीया सुमा मीया सुमा मीया सुमा <u>न इट निर्मुय पार्मिर में नुट क्रा क्षेत्रेयय क्षेत्र मुप्त रहेय माट न इयय क्षेत्र क्षेत्र मु</u> न्नर नम्भा वाञ्चवायार्र हे यायार्थवायाया स्थया ग्रीया प्रविया ग्रीया प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्र प्र प्र प ॻॖऀॺॱॸॖऀॺॱय़ॱॻॾॕ॔ऻॎॿॕॱॸॕॱड़ॺॺॱय़ॗऀ॔ॺऻॺॱॺळ॔ॺॺॱॺॖॱढ़ऻॺॕ॔॔ॸॱढ़ॺॱॻॺॊ॓ॺऻॺॱॻॾॖॸॱ यर गुरा नगःविशागाद विगारोगशास्त्र जाता गुरा है दाया गात्र गी पात्र गी पात्र गी पात्र गी पात्र गी पात्र गी पात्र हैट'ट्रस'यदे'र्रेग्यास्स्यय'ण्चे'ते'हे। ।स'युय'येस्य उत्र:क्षेट्र'चेट्र'चटें'च'केत'र्ये' है। विग्वानियानेयानेयाने से देश के ने से दिल्ला का प्रवास के प्रवास के विष्या का प्रवास के विषय के विषय के प्रवास के प्र तिश्र्म् हित्र म्याबार्ट किया किट चत्र चुता भष्य मुं म्लूट बार्बी हिट चिराया। हिंदिलाद्यर स्यायभूमा । यगाःवैशागर विगाशघतः द्यार विमार्थर स्योते सेवाशादर ह्या विषात्रम् क्रैट अह्ट त्व्रम् नय क्रिया नर्षात्र म्या तर्स्या हटा विराधित स्वा पर् वियासम्बन्धिः में प्येट्यासुः ह्येट्याह्या । या विया विया निया के प्रेट्या हिंदाया द्यार रयायभुरा । यणाविषामादाविमायायुषारेताकेतारेताकार्यायाय्ये स्मापस्याम्यापराधारमास्यापर्यात्रास्यापर्यात्रास्याप्रस्थात्रात्रास्या

र्ष्ट्रास्त्र सुद्धित्य स्त्र प्राचित्र प्राच्य स्त्र स्त्र

 ख्रामिन्नः हुँगा-दुं, त्राप्ता स्वाप्तान्य स्वाप्तान्

ची'यज्ञ'क्य'मुं'शेंश्रेश्रेश्रेर्याम्यात्रेत्र'य्येत्र'य्युत्यंत्र्य्याय्यात्र्यस्य युर्यः वित्र'च्याः वित्रं

नु'स'नुड्इ श्यम इर्मु श्यु चु'स'नु नु है १९ । नगर ह्या रेन प्यम है र पा है न प गुरा र्स्ट्रिट यदे दट त्या में दिट के में के त्या के त्या के विकास के मा *ॺॖ*ॺऻॱॺऻढ़ॖ॓ॺॱॻॖऀॺॱॸऀढ़ॱय़॔ॱक़॓ॱॸ॒ढ़ॱॸॗऀ॔॔॔॓य़ॱय़ॖॱढ़ॾॕढ़ॱय़ॺॱॸऀढ़ॱक़॓ढ़ॱॾॗऀ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ढ़ऒॾऄॸॱऄ॔ॱॻॖॏॱॻॖॺऻॱ <u> न्दार्शन्यायहेन्यायायषुन्या त्रासान्दाम्र र्वासाम्यायायायातात्रः त</u> मी र्दिन बेर मीश्रास्ता प्रिकामान्या न्या पर्से अया पान्ता प्रिका प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र न्नरमे भ्रम्भभ सुन्न न्या है दूं ने देश में भ्रम्भ भेन प्रम्म सुन्न न्यरमे भ्रम इस्रामुन्य निया निया के के प्रमुद्ध स्थान मुन्य स्थान ॸॱॿॣॱॻॱॸॱख़क़ॗ॔ॱॶॱॸॗ॓ॾ॔ॱढ़ॗ॔ॱॺॗॱड़ॗऻॱॲऀॱॺॸॱॸॱॿॣॱॻॱॸॱॶॱड़॓ॱॶॱॸॗ॓ॾ॔ॱढ़ॗ॔ॱॺॗॱड़ॗऻॱॲऀॱॺॸॱ ॸॱॿॣॱॻॱॸॱॶॾ॓ॱॶॱॾॖॖॗॾ॔ॱढ़ॗ॔ॱॷॱड़ॗॗॱॐ॔ॱॺॸॱॸॱॿॣॱॻॱॸॱॾॗॱय़॓ॱॶॱड़ॗॾ॔ॱढ़ॗ॔ॱॷॱड़ॗॗॗॱॐ॔ॱॺॸॱ ॸॱॿॣॱॻॱॸॱख़ॣॱऒ॔ॱॻॊॱॾॖऻॱॾॗऀॾॗॱड़ॗॣऺॱॷॗॱड़ॗॗॗऻॱॐऀॱॺक़ॱॸॱॿॣॱॻॱॸॻॾॗॆॱॾऻॱॾॗऀॾॱड़ॗॣ॓ॱॷॗॱड़ॗॗॗऻॱॐऀॱ रुष्ट्रातविट.लय.लेश.खे.य.जन्न.विट.यपु.क्ट्रानय.टे.बीर्

त्राभाद्याम् विष्या विषया विष

यभ्र-निर्देशक्ष्यः प्राप्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान

त्रवार्यभ्रम्भ्रह्मे क्षेत्राचित्राचित्राचित्राचित्राच्या वित्राच्या वित्राच

यते श्वायाणि दुं नी तें दा वे स्वायाणि दुं नी तें दा वे स्वायाणि दें नी तें दें ने के स्वायाणि दें नी तें दें ने के स्वायाणि दें नी तें के स्वायाणि दें ने निष्ठा निष्ठा

क्षाम्म हिंगा तुं यत्। तुः अप्टाम र्डिंने घः अप्टाम दे घुम्याम दे दुं मे दें र न्नेर मुरार हित्र प्रायालया न्यालया भूते र मुरार मुरार हिते यथा वर्षाणुर्याची पर्वत्र पर्वत्र पर्मा देवा मीर्था र्सेट प्यत्र चुरा सेट प्यते प्रताय प्रता हैन दें है हिन्द मही प्रमा में दें दें दें निया में दें दें दें निया में दें निया में दें निया में हैं में महिमा में से प्रमा में हैं में महिमा में हैं में महिमा यज्ञ'न्द'न्रेय'नु'दहें क्र'यश'धुअ'र्मेश'न्गर'र्से'न्सर'र्से'मी'मुम्'न्द'र्घेन्'य' वहें त्रायाव विदाया त्राया द्वाया दिया के प्राया विष्ठुं मी विदान के प्राया विदान के प् मुभारतायिष्याम्बर्धायस्थायस्थायाः विद्यात्रायाः विद्यापास्थायाः विद्यापास्थायाः विद्यापास्थायाः विद्यापास्थायाः मिष्ठेशसुरे भेरासरा सुरा सुरा स्वार्था र्वा स्वार्था स्वार्थ स बेर मुंबर र्सुम्बर परु त पतुम्बर परे मुवर पाया खुरा सर्त मुन्य सामर हुत इत्या कें यम न त्रमा न लक्षी युं ही सुद्दी हुं यो ख्रायें में मही कै भें ही नह न् दें क्ष्रें बैं बैं वैं हैं। इं इं इं क्षेत्र क्षा क्षा क्षेत्र की विक्षेत्र की कि की कि कि की कि की कि कि प्रिंत मन्त्र प्रचित्त मन्त्र हा हित्र हिता । दे हित्र प्रदे पा हिता हिता निया मिला यः यह या प्राचित्र या विष्णा विषण्या प्राचित्र या विषण्या प्रेच्या स्ट्री या विषण्या यह विषण्या यह विषण्या यह विषण्या यह विषण्या यह विषण्या यह विषण्या विषण्या यह विषण्या विष

क्षातम् हैगा दुं यत्। देश रे हे प्यया ध्याया चैया प्याया क्षा या मुहु श्यतः इसु श यु मु भ पु र में १५०। र न र स्यारे हे भें र पा छे र र गुरा में र पा र र र र या या हु १ ८८.तर्भ तन्ना पूर्यत्रामाश्चर रम्भ स्त्रामाञ्चन सिमामाश्चरा में स्त्राम्य स् दैवानु'वहेंद्र'यशर्मेश'द्रगर्रार्शे'द्रथर'र्छे'मैं।गुग'द्रद'र्घेद्र'य'वहेंद्र'य'वद्धिद' या तुः अर्दान्यार्र्ड में प्राधी द्वाराय प्राधी प्र न्द्रमा ६१ हुं नं र्ने १ महिषासु से न्यम सुमा न्यम मे स्राह्म स्राह्म सुमा स्वाप न्द्रेङ्गुंसुन् अँभिमान्युगान्युन्यने प्रदेश्चन्त्रम् अँभिमान्युने स् न्द्रैङ्गुंशुन्त्र अँग्यम् ५ हु यो या न्द्रेङ्गुंशुन्त्र अँग्यम् ५ खूर्योगो य दे इंदुं युद्रा अँ यम ५ यूना ५ मा है या दे इंदुं युद्रा अँ यम ५ यूना ५ ते से इ्याद्विङ्ग्रुं युद्रा अँ यम ५ युगा ५ नम्याद्वेङ्ग्रुं युद्रा देन नमा येन यम लेश. खे. च. जरा चैट. चतु. र्. हुर. चैरा

यभ्रम्भः हें हे के के प्राप्त क्षा स्थान स्थान

पश्चित्राचार्थ्यस्य शुःशुः स्वाप्त्र विष्ट्र प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त

ख्रामिन्नः हुँगाः तुं स्वता सुस्य न्दान्य र्डं ने प्राचित्र प्रमायते पुन्त ने प्रमायते पुन्त ने प्रमायते प्रमा

त्रिंग्यायञ्च त्रायाय व्याप्ताय व्य

 प्रश्नित्रं त्रुं त्रुं

गुरुः गुः नायाः नियाः भुरुः प्याः भूरुः प्याः भुरुः प्याः भूरुः भूरुः प्याः भूरुः प्यः भूरुः प्याः भूरुः प्याः भूरुः प्याः भूरुः प्याः भूरुः प्याः भूरुः प्याः भूरुः भूरुः भूरुः प्याः भूरुः भूरुः प्याः भूरुः प्याः भूरुः भू

स्ं। अ हि ि हे भे। ने हि नहीं भाभा आ स्ं। विषादीयाना याना याना याना याना विना निरामसूर र्दे हे के दे पे है। पिरुष्य मार्थिय प्राप्त मिया प्राप्त में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मश्रम्यते। मिन्याययाचुटायाञ्चेनायराच्चा खेँख्रिश्यम् ५ यू मार्जा है हे गा ५ मामायाप्रीयो दुं मुद्रा वेगाय ५ र से एक मान्य प्रमाय स्थाप ५ र मारा चरे च के दें के रा दें अप्रथम कर दें भ्रमा अर्थ मार्ज प्रिया है या दें मार्ज प्रथम है या दें मार्ज प्रथम क नर्जिट्याशुः चुरायाययार्देवर्जिरा गुनाययार्त्या निवायरा गुरा नियार्पि चें घ भे ५५ मेरे घुम्या गरि दूं मी रें ५ वे ४ चे ४ ५ न ८ मी क्ष इस्य हुत ५ ८ सा र्दं हुं नं हैं। रूपमें न सुते से त्रावियायर युरा के यत ह युमा ह क्ष्री यु है। स्ही हुयो ष्रार्थिणे गड्डी नैसेट्टा नम्यदेशहुं श्रुद्धा नेस्टर्नेन र्पिन गुन नश्चरा गुन्ममुन्मदेखें भेषा भर्ते नुष्ठा देव र्षे द्या निवास र्देशःगुनःनश्चनःयःयः द्वदःचरः नुशःश्री

चलेन ग्रीमान्यान्यान स्थिया पार्टिय प्रतिया प्रतिय प भेरायराणुरा तुःभार्दामार्डीचे घाभार्दापदे घुमायामदे दुंगी देंदा बेराणुया र्चुमार्या पञ्जा पाल्या पाले मुव्या पाष्यपाष्युर्या अतुर्वा मुव्या अवस्य श्वेषा प्राप्त । र्नुं शृ'त्रृ र्हे हे उत्र ग्रीश श्रामा श्रीश या । वर्गे पा श्री प्रश्रामी वर्गे पा । वर्गे पा श्री प्रश्रामी वर्गे पा । वर्गे पा श्री प्रश्री प्रश्री प्रश्री वर्गे प्रश्री वर्गे प्रश्री प्रि प्रश्री प्रश्र हराय विदाय का है 'क्षेर क्ष्या । दे 'क्षर 'यदे 'या क्षया दु मार्थिया वेषा मार्थिया या यह या यथा वस्त्रामितः मुयापाया प्रभार्द्धे स्रायमः बुग्या पर्दे दः कग्या केवः सेतः ग्रै'यज्ञ'न्य'धुट'क्रे'रट'गन्य'सु'यर्षिट्'यर'ग्रुरा त्रु'अ'ट्ट'गर्डे'र्वे'य'क्षे'ट्ट्' यदेॱबुम्बागादेॱदूं मीॱदें ५ चेर मुब्य मुव्य न दिर्मर न उर्वा वसवा उ*र् र*राया न्नरानभुरानवे सेरानु नभुवा हे सुक न्याया समया समया समरान लुगया धुक्'स'य'र्सेम्रायदे'रेम्'स'८८'यठर्य'य'क्स'सायर'यलुग्राय'इसर्य'ण्ये मदिमाबाद्यान्यस्य तार्श्वमाबायास्य वार्यमे हेटार्स्यम् श्रादहेता सुमाया सहर-दिट-र्रेय-स्यान्य-। से र्नेग-५८-गुर-गुर्य-याःस्याय-यदि-कर-दिनेयस् ਖ਼ॖਗ਼ॱॺॏॺॱड़ॖॖॖॖॖॖॖॖढ़ॱॿॸॖॱॲॱॸॸॱॸॿॖॖढ़ॱॸढ़ऀॱॻॖऺॖॖॺॱय़ॱॸॗॴॸॱऄ॔ॱॻॖढ़ॱक़ॖॸॱॻॖऀॱॺ॓ॺॺॱॻॖऀॱ नर्रा केशमार नाम्मार नाम्मार मानुमायार हे हे अपार्थमाया मानुमायार हे हो अपार्थमाया मानुमायार हो स्थाया है क्षित्रायाः विश्वाण्णेस्याः विद्याः स्वाण्येश्वाण्याः विश्वाः स्वाण्येशः विद्याः स्वाण्येशः स्वाणेशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाणेशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाण्येशः स्वाणेशः स्वा

र्यट्यक्ष्र्रार्ट्रहे केव्ये क्षे । प्रम्याम्युमायाध्याय्यमायुमाया मुर्यागुरु मुर्यायदा मार्युयायदी । मार्य्यायया मुद्दार्या श्रीतरा मार्युयायदी । स्रीत्र स्री त्रुं हो । विश्वानाश्वानात्र्यानुवानुवाना । वाद्यानुवानुवानावान्यानुवानावान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या थे दुं शुद्रु वेश न ५ र हैये कुश ५ न ८ मूर् शुश्र श्रम श्रम र मिटा न दे न चुर्यायश्रास्यायराष्ट्रतायह्राण्येयात्त्रात्त्वतायम्बरायराचुरा त्रासाद्रात्या भै'८८'मते' श्रुमार्था गादे' दूं मी' पेंट बेर मीशाद्मार मी' क्षा इस्सा श्रुम दिश दूं नं र्ने हैं रूट मी न सुते से न्या वियायर युरा के यह मान प्रामा मान असी यु है। यही हुं ये। ख़ुर्योगे गह्री कैंभेट्टा नम्याद्वेईदुं युद्धा रे स्राप्य सूर यहर श्रीट मी प्राप्त मार्च म

भे'र्सेट'क्ष'तुति'प्पे'मेश'भर्टेन'ट्र'तुश्च इभ'यर'श्रूट'भर्ट्ट'देते'र्देगश'णु' दर्दश'गुन'नश्चुन'य'प'दनट'नर'ठुश'र्शे

क्ष्मश्चान्न द्वान्त निर्मान क्ष्मण्या विष्णा स्थान स

ख्राप्तमः हिगा दुं स्त् । ड्याइं हे त्यया ह्या या ख्री सा मुं स्था हुं त्यसा हुं हुं त्यसा हुं हुं त्यसा हुं त्यस हुं त्यसा हुं त्यसा हुं त्यस हुं हुं त्यस हुं त्यस हुं त्यस हुं त्यस हु

क्षाम्य हुँ मा दुँ स्ता इस देव स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय क्षा स्वाय स्वय स्वय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स

हिंद्राण्चित्रार्श्वेतामानस्यार केत्राचमत्रा केत्राचमत्रास्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्व नुषार्झेमा पराषेष्ठारायदे र्झे न्या देया नु एहेन या देया नु रे पि न १९५ छै। र्झे न्या च्रास्त्रमा लेखाद्रियानुःयमाम्मयस्यस्यम्पर्वत्यसः श्चेतःत्रसः वित्यामाम्मद्रमामान्यसः वित्यान्यस्य स्वया श्रेन्यार्टे में हैन जैयान्या विर्मे हैन जैया श्रेन्या स्थान्य । विर्मे स्थानिया विर्मानिया बेबबाद्यन्यती बिन्यान्यानेन्यम्य विन्यम् विन्याने विन्यान १९८१ । युगा मुते प्रभाळेंगा रच पुर पर्हे ८१ । गाट मीय तुया के प्रथय उठ प्रम्ता । देश'व'सुम्। कुर'र्या दुःचञ्चम्बा रूट'र्से हे एकट' दुःम्बाया प्रयोधेश'णै स्वा मु'य्रु'चुब'न्ब्य'य्रेर्'र्जेन'या'र्येट्य'र्धुर'य्रेर्ज्य'ग्रीब'र्द्घ्य'ग्रुच'व्रध्य'र्र् नश्चन्यम् नुर्दे। व्यन्तिष्यम् वेषायान्यायन्ययम् स्ट्रियान्यायन्यान्यस्य निष्याम् नुर्वा नठराष्ट्रसम्पर्याद्याद्यात्यस्य वर्षे स्वात्त्रम् । वर्षे स्वात्त्रम् । वर्षे स्वात्त्रम् । वर्षे स्वात्त्रम् अ न्यायायर पत्नाया पश्चपयापदे पण्चियादिष्राया स्थया ग्रीया प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप नुर्मेट्यायास्त्र्रा धुन्यायार्थेग्यायते रेगायान्यायस्य चलुग्रायाः इस्रायाः गुरायाः प्रायाः मुयाः सर्वायाः स्वायाः मुरायाः स्वायाः मुरायाः स्वायाः मुरायाः स्वायाः स्व र्धेगशर्अपहें त्रा मुम्यर अहं द केट रेवा भेग्ने प्रह्मा भेगे मान्य मुभावा र्शेग्रायायेक्रा याचे न्या स्वाप्त्रीया सुन्ता स्वाप्त्रीया स्वाप्त्रीय स्वाप्त्रीय स्वाप्त्रीय स्वाप्त्रीय स्व नुदःक्तःणुःशेश्रशःणुःनरुदःक्ष्रिंगादःनःस्थ्रशःणुशःद्वदःनभुरा ग्रांचुग्राःर्देःहेः

स्थर्भार्त्यम् स्थर्भाश्चर्यस्थर्भाश्चर्यम् विष्ण्यः विष्णः विष्णः विष्णः विष्ण्यः विष्ण्यः विष्ण्यः विष्ण्यः विष्ण्यः विष्ण्यः

चग्-वियामाट विया येथया उत्रागुत श्री क्षेट या यात्रया । गातु श्री चिर्मा केटा नग्नियादेयादेरिकेट हिंदायादनदारम्यानभूमा दनदानभूम हे हे केदारी है। प्रथम, मंश्रीय, तुर्या, निया, निया, मिया, मान्याययाचुटाचा श्वेनायराचा अँखाश्यमाना स्वामाना स्वामाना स्वासाया भी थे दुं शुद्रु वेश न ५ र हैये कुश ५ न ८ मूर् शुश्र श्रम श्रम उर्गा न ने न केन र्योर्स्नेटा देशायसमा उत्तिष्म क्षेत्रक्षमा साधीमा दुमा दुर्गा दुर्गा प्रायसिया साधी ॻॗॸॱय़ॱय़ॺॱऄॱॸऻॗॕॖॸॱय़ॺॱॸॖॻॖॱॻक़ॗढ़ॱय़ॸॱॻॗॸऻॹॖॱॺॱॸॸॱॻऻऄ॔ॱॸ॔ॱॺॱऄॱॸॸॱय़ढ़॓ॱ युगारागादे हुं मी दें र वेर ग्रीय र नार मी क्ष इस्यय हुत र र या है हुं में हैं रूर मी'तुर्याणी'न'सूरी'र्से'न्यावियापमाणुमा खेँ'सु'र्पा हेस्'नह्र खें'सु'रू वियाभे हेंग'वर्षमा क्षेंयम् न मुना न अर्मी सुनी सुनी खुनी माड्डी कै में है। न मुन्य है इं र्नुंशुंतु।

दे'या'बद्याचीय'द्द्याचीय'य्द्र्याचीय'यिव्याचीय्यं क्रियाचीय्यं क्रियाचीय्यं क्रियाचीय्यं क्रियाचीय्यं क्रियाचीय्यं क्रियाचीयं क्रयाचीयं क्रियाचीयं क्रियचे क्रियाचीयं क्रियचे क्

नवे भुरान्दानी र्रे हेवे सेटाना रेमाया चै प्राची प्रमाया विषय विषय के माया स्थापित विषय विषय विषय विषय विषय विषय रेते हे से अर्घे कर्ये है मुल्ये दाया स्टूर्के माया है है ते के है मा इसायर मेया पा र्शेग्रायपे सुद र्ये ख दूर केंग्र क्रायम् नगायाती ले स्टामिन हे मिने एया सेमियाय मेरासी सुटारेंदि <u> नर्</u>रण्णे भे अशुक्र भदे र्सुम्बर ५८ ५८ ५८ भदे र्स्ने न्या ५ मा भवे । से प्राप्त के स्वर्ण मा भवे । मनेता र्वेन संदर्भ मदे मत्त हैं से सम्बन्ध मनेता में मानेता के स्वाप्त मनेता से स्वाप्त मनेता से सम्बन्ध मनेता से सम्बन्ध मनेता से सम्बन्ध मनेता से सम्बन्ध मनेता सम्बन्ध समित्र सम्बन्ध समित्र सम र्द्धेतरार्मायाते र व्याप्यामिता हे मानेरा वके यर्मामी यर्र खे से सब्दार परि र्धेमार्थान्यत्रास्त्रेच्यान्यान्यान्यान्यान्यस्य मानेना स्थामायेटा स्राम्ये <u>नर्</u>रण्णे भे अध्वायि र्युषाय प्राप्त के प्राप्त के स्वाय गानेन हे मानेना यदे प्रथम्य या नियम केन सेंदे रूप प्रवेश करें है गा क्दे मिर्मान्द्र के निर्मान र्येते रूट प्रिक्त के प्रमुट्या उत्या कुट मी प्रथम प्रट प्रमृट क्रिंस्या के कर रेति । र्दायिक्र के में देव विदेश वा बुग्य स्वाय खुवा दुगा द्या यस द्या या के र्वेदाया निवर्षे निश्चर निवर्ष केमा निर्मा निवर निवर निवर केमा निर्मेर अदे के मा ८८। वश्रुट्यंद्रा ध्रैरवर्ज्जेग्द्रा र्णुयवर्षरक्ष्यंप्यंद्रहेरक्षेवायः मालुमा प्रिये अळव हिन के र्सेन नर्पेव में प्राथा शु मु निर्मेश प्राथा प्रीव के विकास माली है। सु अ निर्मे मर्डिं में प्राधी ५५ मार्च प्राप्त में है प्रदेशका मुद्दी है के अवाद प्राप्त सुवाद से मुवास स्व गुरा

नर्डमःस्न नन्यायोषाः ह्वेन ययाषाः हो । यदे या हे नम् अहं न नुयार्थया । यवः गठिग पर्हेन क्रिंग सहग मु प्रथा सं क्षेट गर सुरा पर्देस स्व प्रप्त प्रप्त प्राप्त स्व प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र परमायाके परमार्थिय। विषायवामध्यापर्दितामकेषामुक्षाम् विषायवामध्यापर्दितामकेषामुक्रामुक्षामुक्रामुक्षामुक्रामुक्रामुक्षामुक्षामुक्षामुक्षामुक्षामुक्षामुक्राम हा क्षें प्यायान्त्र ह्रं यार्ने यो प्याया याये हें त्राहा प्याया या प्याया या या विषया या या या विषया या या या में प्रक्रिके क्रिया पर्दुं हुं यत यत श्रुका औं क्रिक्टिके में में क्रिके क्रिया मूङ्गार्दुं यत्। गर्डं चेंदेर् स्माराम्युर्याचे प्रति व्यम्थामान्यान्त्र्रान्त्र्रान्याः भीत्र्रेताम्यान्त्रं मीय्यत्यम्भिरातुः मान्यायाः सुरा र्मिक्षेम् मार्शेश्वायाधीयो संसे से अँ महासे हैं। क्षायान स्यापा से के क्षायम यःग्राय्याः ग्रीयः र्रे हे भेगा शुरु ग्री ग्रीया गी श्वर र तु त्व हो हो हो से स्रोता स्रायक सुवार सिया । वहैगा हे का वीटा हें गा नवाया ना सुर्गान्ति हों की की की भागवी। सना रेना सुयाना इस्राणुरान्यया । सार्मापदेगीट र्मेग्ट्रान्य क्राणेमेशणुः श्रुक् नुः नर क्षानुम्बरा श्रु १ केंश्राह्मश्रामा तुमाश्रामह्रम् सु । माश्राप्ति प्राप्ता हे मारा भेरा । माबुद्दारु भेर केदानहेर रु भेरा । कुर्द्दायमायमाय प्यापि । हिर हे सेसय द्या के र्योट प्रविद्या दिर के मायय द्या के माय से द्या स्था सुरा गुन'न्नमार्या हैन'ने। नि र्षिन ग्री है है एया बुमाया। स्ट निबेर सेन रेट मान्या भेरायमा विकासम्बारिष्ट्रमानेयान्याष्ट्री विभयाउनार्रेनानीयान्याभेरा त्रिया भिर्मिताया इसया ग्री स्थार सुधी भिर्मे र क्या यसया उदामा नुमाया पहुन दि । <u>न्या एन्यरम्यरम्य भी क्षेत्या लुग्यायरे से हे से स्याप्य के से प्रेर्पा क्राय</u> मानुमार्यामक्रम् द्विरायेरायेरायेषा हेरादेवाचिषास्तरमानुदेख्यानुषाहे सेटार्वमामहेषाद्वा मुँगमामसमम्मम् सम्मम् सम्मन् स्वान्यत् स्वान्यम् कृष्णम् सिम्यास्य सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्भन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्मन् सम्भन् सम्मन् सम्मन मा ५ खा तु दू मा प्यू खू । के सद ५ खू मा ५ खा तु र मा प्यू की वर्षे र विवेद विवेद प्रमा ५ वर्ष का है। इं'यश चुर नदे दार्वेर तें। कें'यई हे हु'कं। इट में सुमा कु दूर पर महा द्वारमा प्राया मा ष्रुश्ययाचुटान्देर्दा अँग्न्ड्इिम्र्रो वेयर्स्हिक्रुण्येर्गेतेर्द्यानुष्यम्पयाण्या भ्रेगमानमा निवादमान्दार्थे । स्वाद्यान्य विकास व वयान इसया है सेसयान हुना। विसामी क्यान क्यान स्थान विस्तर स्थान स् शु'नगद्भात्री क्रिंश'णु'वर्षर'र्ये नर्सेर'नर'मुश्रा दिनुद्यात्र'याक्षश्यया चुट'नते'नेता'न्। विदेवे:र्ने'र्वे'मामिकममिक्तम्याम्टानिके विर्धे सेवे केम्बा श्रमः देवानु महिवा श्रम् उद्दान्नभाभाषित्रभळन् हेदादी । नुभाभाषदायायदाभळन् हेदाभेदा । नुभाभाषदा सरुसाया है दार्श्वेरायमा । वसमा उदासर्केना देश सरुसा है दानाया स्टा है दार्शे दार्थे दार्शे दार्शे दार्शे दार्शे दार्शे दार्शे दार्शे दार्शे दार्शे वहिमार्याचेदादासुरा येयया उत्रागुताया यता देता सुरा विह्या हेता गुताहु वश्वारुट्रेन्या हि.सेर.सॅ.क्र्यायातरीयातवीराचा क्रियाती.पार्यराप्राप्तारे नर्भेम । वर्गेरप्ट वर्षपर्वर वेदि सुना मुनेता शेशश उत्र गुत्रपायत रेत सुमा । वहमाहेन'गुन'नु प्रथम उद्देश हि द्वर क्षे क्षेत्र क्षे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्यापनु क्षेत्र वा हि देवे त्रिंर त्रें र्या पु पर्ने या विद्र में र प्रवासक र दे है वे सुमा मु में ने विद्या के अर्थ कर गार प्रवासक ट्र्य. त्रुमा पिट्ट्या. मेर्य. पीय. पे. यश्या २८. यशा । ह्र. क्षेत्र. क्षे. क्र्याया परीया पश्चिम या |देव'केव'वर्षेर'र्ये'र्य'रु'वर्भेर।। यर'र्गेर'र्द्द'वर्ष'र्वेर'सुवे'सुवाकु'त्रेत। शेशश'रुव' गुन'यायन'र्नेन'युरा । पहेमा'हेन'गुन'रु'घर्यश्याउद'न्या । हे'सूर'र्स्र'र्क्रम्या तर्णात्युरान्। ।यज्ञतेत्विरार्वेरार्वेरमा ।यरार्भेरात्यवयायज्ञतेयुन्ध्याः वेता बेबबारुन्गुन्यायन र्नेन सुरा विह्या हेन गुन मुख्या वह स्था हि हुर ब्रु र्ह्माबादर्यादश्चराया विषयणीदिर्मर विर्मार्यापुर पर्मेरा विर्मेर प्राप्त विषय है ब्रु <sup>क्र्मबाहुत्र्युमाकुञ्चा</sup> स्टार्शेट्र्ह्र्ह्र्येअबाट्यस्युम् श्रेपर्सेट्यपेयुप्याकुट्ट नरुषाने द्वापान निष्ट्र निष्ट्र विष्ट्र हो विष्ट्र हो विष्ट्र हो विष्ट्र निष्ट्र विष्ट्र निष्ट्र निष्ट्र विष्ट्र निष्ट्र निष्ट लेबायवै प्रमायवादा में प्रमाया मायबायम मुका पर्ने ने बाद्या सुवायकाय करें है । नह्यालुग्रानह्या प्रिमेशास्ति स्टान्निका स्टीर्से हे नह्यालुग्रास्ति हुग्रापुर्धा व्यवायम् ग्रैंशनिग खेँ सम् ५ म्नू गा ५ से हैं वह सामाया है हे खे १२ है ह माया थी नहं यह दें हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं के समें अची मा से निया से निया से निया से निया है। मार्थित ची सान निया से न मलबासिटायक्षेष्रानपुरस्माम् वैद्याता ये.श.मैला.च.चैती.र्वेचा.नपुरक्र.सीमाबा.२४.२.वीर् यदेरके छिदा इससा प्रयाप्य प्रमुक्षा । ई हे सेससा द्रयप दे प्रवेत मानेमासा । श्चेर्यमेन्द्रित्वायम् वा श्चिर्यये प्रमायम् सम्मायम् वा ग्विप्ययाभा नर्सेंद्रमें हे लेया नुप्ति दे प्तलेक मानेमायाया ये हैं या या पा सुं हु राहु या या खा माटायासुमा सुगदिशायुटा यसूनाया देग्या देग्या देग्या मेम्याया प्रस्था उदाद्वा

नुदः कुन सेसस द्राय पर्वि र द्राय ठस यदे द्र गुवा पर्वि र या बसस उद गुस भग्नेव मार्डमा मु मु न भेर या प्या प्रमाय मेरी मु म स्वा प्रमाय स्व प्रमाय स्व प्रमाय स्व प्रमाय स्व प्रमाय स्व कमार्यायायाः भ्रातुते स्थेम । । मर्थसामार्थसान् ने माल्न से ना । ने प्रसादर्गिया कग्रायाक्षेत्र । वित्रियम्बर्धायाम् भ्रायुर्वे। सानुष्यासायान्त्र नुंपत्। वेयपम ट्रैयानु मुर्थिय लेटा अर्केमा हु मायट प प्राप्त प्राप्त विषा श्रीयह मुर्था स्वीत स्व क्षयाक्चरायार्बेरालेयायदीयरायर्देश अर्केमार्गुम्यरायात्यात्याय्यो । त्रण्यायर्वेरायर्थेरा विट 'बुग्नर्य 'येथा । ह्येग 'य 'गुरु 'यश 'देश यर 'ग्रेंया । दे 'रेट 'ग्वेद 'स्यथ 'येग्य' यरमान्या । यरे केन वेमाय परे धेया ने । धिन कर पके या र्रिन प्यायेन । शिन त्राचेत्रानुत्रानुत्रा । श्रीत्रायरे स्वायस्यायस्य हित्यत्या । रे हे स्वानु माट प्रेम प्रमा माट लेग प्रभेट पार्टम मैं शर्म मार्थ मुंब है दिया यट र्देर पर भे पुर्वे । भे भेश यवभ र्सेटश या धेश । दे यट देश यर प्रमुक् भे । चा हिंहे देवा चु सुवा कु सम्भा विसाय दिसाय से चुरी क्षित दर्धे क्षित्र होता यरकी मुन्हे। पिर्दे ने यह या मुया गुन ५६० यह या। प्रदामी प्रदमा है ५ र्देर न्या की । नगाय मुन ग्रीम के भी गार्ट लिए । कि निरे नम के निरे नम निर्मा । यदि के अर्चुनर्ह्मश्यायात्रम्था । ५ ने र्षि ५ ने ६ ५ ५ ५ ५ में । विष्ट्रायायाय न्यकुन्यहेर्यम्। । यद्यक्षयनुष्ठ्यः येययान्यवः न्या । भ्रः स्ययः ग्रदः वे क्रिया प्रवित्रा विभव्य उत्तर्भा विभव्य उत्तर्भा विष्ट्र विष्ट

दे दिन्द्रम् मुन्द्रम् निव्यापिक्तम् महिषायया मुन्द्रया केंद्राद्रया महिषा मुन् <u> न्र्णेय प्रक्रिंग् नुर्भेन न्येन नुग्निय केन नुर्भेय ज्ञीत क्ष्य भ्रीन नुप्र मुर्ग</u> नश्रक्ष्यान्य्रम्भ्यान्य विस्थान्य विस्थान्य विस्थान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्य मुैरको र्ह्मेना यदे रायें ता हुन यर उत्र सूत यर हुन यदे मुैर त सुरको र्ह्मेना यदे न्नर वेश यान्या न्नर दुगाणाया तुशायते क्ते तु ना हेश शु पर्यो नश का तुश यते द्या विश्व मुद्र में मुद्र में मुद्र में मुद्र मुद मुे.श.र्ड्श.त.रटा अंश.घ.शज.२.८ह्य.ततु.क्रंट.बुय.क्रे.ट्र.श.एविट.तश.य.से. र्रे हे र्बेटा यम नक्षेत्रे रेम प्यम प्यम प्राप्त प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य नुः सूयायते सूर्वानायते नुसाया मुन्याय स्वानि सामित्र स्वानि सामित्र र्भेशः ग्रेशः चुम्रायेटा शेर्मियायाया । दिर्म्या मुद्रायिक १ मुस्याय मुद्रायाय । बद्यामुबाबिट दु द्रिम्बाबा है द्रमुवा चरान्छी। विर्मे गुरु इस द्रमा बिट वा र्से द यम्भिम अिर्'म्यु'रु'मङ्ग्राख्यामां केरु'म्याकी विषयाङ्ग्यास्याने मायार ह्यार्क्षेम्यायम ন্ত্রা

वृत्रक्तर्दे हेशयाया । अर्केत्रकेत् हे स्ट्रिस्स्य स्वर्भा वित्रम् वृत्रक्तर्भेत्र । विद्यास्य स्वर्भेत्र । विद्यास्य स्वर्थेत्र । विद्यास्य स्वर्यस्य स्वर्थेत्र । विद्यास्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य

यान्यवार्से हे वहेनायाचेन येमयान्यवास्या उत्तान्य हेनाया उत्तानु स्वाया सेना या सेना या सेना या सेना या सेना य रा.ध्रेट.टे.बीरा ध्यारर.क्या क्रेंट.रायु.टट.ताबा.तीथा.ह्.ह.र्.ताटबा.वा.क्र्य.विया मारुमा सुमा मानेश ग्री माणश हैं है मी मामा तसुर बिट मार्थे द र्वे द स मार् मा द्वा स्वेर प्रमामीर्यामादाय पहें त्रायायाय प्रमाप्त प्रमाणे स्वरास्त्र मुर्या स्वरास्त्र प्रमाणे स्वरास्त्र प्रमाणे स्वरा र्ग.कि.चर्ट्य.र्र.चेता.क्य.सैवा.की.क्या.चक्य.ता ब्यया.वालय.चमेट्य.चेट.वाल्य. यबायपायायपुराया ययायुषामानेबाग्चीकीमामानेबासुमी इपामानेबासुही बूरामं। क्षेरामं। न्य्यानरामं क्षेप्रमां श्चेप्रीराखें। समीनायराख्र १ श्रमाया ग्रम्दुं मेश्यस्त्रस्या यय ग्रिम्बरम्बर्भः भेष्ट्रम्बर्भः स्तर्भान्यः प्रदेष्टा विट्राचतुर्स्हें हें हें हें से से सिया क्षें यश विट्राचते हें रामु मायत ग्रीश नामा था 'युअ'मी'माश्रद'मात्रश'शे'द्रशेमाश'यदे'दद'यश'खू १ यश'मुद'पदे'यद्व'द्राद्व'द्रश्रद्र'देश त्र्वास्यमुर्या ष्रुश्यसाचुरावदे ने त्वु त्यु मास्र गुरावणायाया वसस्यवा कें यस ५ मू मा ५ छा तु मू मा हा यहां या हु सा खू क्ष में १९०१ यय पुरा र्रे अया यस र्ने नशलुग्या नुष्ट कुन भी सेसस सुलु न र्रे हे र्ने र नुते न ए नुसे द र न नि 지도. 결제

यद्राध्यात्री | ह्र्ह्ण्याद्राय्या अर्द्र्याप्या । व्याष्ट्रियाक्ष्यात्राया । व्याष्ट्रियाक्ष्यात्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्यात्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्यात्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्यात्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्यात्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्यात्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः । व्याष्ट्रियाक्ष्याः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः । विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः । विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः विष्ट्रायाः । विष्ट्रायाः विष्ट्रायः वि

लू.प्रम. हुं या.त्रा लू.यो. हैं त.ते हैं श्रया के ये शे हैं त.ते रे हें रे शे हैं त.ता हैं ८ - दु : चुरा केंद्र : प्रते : ८ : त्या अ : या अ : सु ८ : मी : ८ ची या वर्षे र केंद्र : से मालु दे : र्भेम् मार्युम्या नेति सेट ५ ख्रु १ वया भी भनेति सेट सु मार्युम सी सेट ५ ख्रु १ वया वुट नते र्वेद य द्यार में। देवे कट दुयर दु हुं अश वुट नवे न यट मी अ में श सक्या क्ष्रिं अं त्र अं त्य विष्य क्षित्र क्षेत्र क म्नाद्भार्ये केदेश्वर्यं व्यवस्था विद्युत्ति विद्यालय स्वार्थे केदेश्वर्यं स्वार्थे केदेश्वर्यं स्वार्थे केदि स्वा न्तुषासुर्द्वं प्यषाचुदानदे सेदेन् न्या सर्म् न्या स्वरार्द्धे स्वापाया चुदानदे हैं। केन नेम मर्का भू के ना हु में प्रमा चुर निर्मा समा मा कुन नुर हु मं'यस'चुट'चये'चुट'सेसस'न्गर'र्से'नुस'सर्द्धन्या चुट'न्रर'र्5'र्धस'चुट' नदे मिट अम् अर्थ अर्थन्य न्त्र श्रुपं प्रथा चुट नदे ने कु सूर्य अर्थन्य ने नगमी हेट नु के नगर में खूशन अर में हुं हेन में गशुश्र हेट नश हेट नु च डेमार्था सम्मी श्रमार्था मित्र में प्रमार्थ के प्रमा मार्थेषा भे स्मर हे 'र्चेद्र प्रिट्र स्था स्थया लु 'लेट 'र्मिया पर मुरा धी मो मासुभायश र्त्र वेर रेश या प्रवित र पर्से या या शुर्र हे माश्र र रे हे युगाय रे हे इस्यया

चण्यान्त्रम्भः विष्याः भ्रात्त्रम्भः भ्रात्त्रमः भ्रात्ते भ्रात्त्रमः भ्रात्त्रमः भ्रात्ते भ्रात्ते

नगःवियामादाविमायोग्रया उत्रागुत्राची क्षेदायाम् । गुत्राची पात्राची । गुत्राची । गुत्राच न्यायदे देग्या इसय चि ते हो । या सुया येसया उत् क्षेत् चित् पते पा केता ये हो । नर्सेन्यमिन में लेश गुर्य अर्वन मर्शेया ने प्रथम है। । नगा नेश नेश है र ने में मिर्ग याद्यरास्यामभुमा । प्रणाःविशागराः विगासघराद्यारावेरायेरारे वाराद्रा ह्या विषायमाञ्चर अहर पर्वमानविष्यान ना पर्वेवा केरा विषय स्वापिय वियासम्बन्धिः में प्येट्यासुः ह्येटासहिता । नियानियानेयानेयाने में में में प्यानियान रयायभुरा ।यणायेषामाराविमासायुषारे केत्र केत्र रेमाबार राष्ट्रवा । वर्षे रषायवि स्मापस्याम्यापरार्धेत्यासुरम्याचर्ड्वावेता वित्यापया नेयास्वरायम्या नगःवियामार विमायासुयाम इति रेमाया न्या प्रदेगा हेता न्या स्वासीना यते द्वात्र व्याप्ते । क्वायायया निया अन्न क्षेत्रे प्रेंट्य शु र्ह्वे दायह द्वा । यशणुःरैगाशः १८ : ध्वा । वर्रे वितः वर्गाः १८ : वर्गाः धरः भ्वाः वर्गः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः । १८ : शुंग्य विश्वस्थान्य स्वर्ते ने माया स्वर्ते स्थान स्यान स्थान स्य

दे द्वरात्रायायायुमा गुमा पुना प्रति । यदे या केतर में श्वेषा यदे या देश श्वेष्टा या देश यदे यदे श्वेष्टा द्वीय केतर देश हैं मायदाद्यदामी द्रियामा निष्ये क्षेत्र में विदाणीया द्रिया प्राप्त में स्वाप्त प्राप्त में स्वाप्त प्राप्त में स नुष्टाक्रमाण्ची सेस्रासाण्ची प्राचितायार्षित्र है। हाराम्यासान्य प्राचितायार्थे प्राचितायार्थे मायदानदे नियान्त्रम् नालेयानम् नाने विया सुक्रे दिना माने ने या हुक रुष्ट्वायार्थेम्यास्यास्य प्रमासाय प्रमास्य प्रमास्य स्थापा प्रमास्य प्रमास कुटायाटमा मुगम्बुट्यायदे ने या कुटा स्माया र्वे स्वेटा बेटा बेदायदे ने या तिविद्रान्त्राचान्त्रीटार्स्रहे हे हिटा गुन्द्रस्या श्रुतास्त्रीया स्विद्रास्त्राचीन स्वता स्वता स्वता स्वता स भ्रुं नदग नुहर मुश्य नर्म न स्वयं न स् हैंगश्रापति भ्रात्मात्रापति नुश्रापा एत् । यह प्रतिशासि अह्या वस्ता श्रामिले हिंयाण्याच्यायायायायाया । दिःस्यासीटायवेःश्वेःस्यास्त्रायायाया । यदयामुयाबेटानु द्रियाया है नित्याय रामणी । तिर्मे गुन स्यानगाबेटाया र्धेना यम्भिग क्षेरंगुर्म्म क्ष्यं मान्य मान्य विष्य महत्त्र स्था

त्रा क्षेत्र के के ता विकास का कि ते के स्वास का कि स्वास के स्वस

हैन'हुं'प्यश'र्से'हे'हुं'मीश'अळॅठ्र'य'र्पेट्श'शुचुर'य'प्यश'न्यप्य'र्से'हे'प्रहेम्राश होन केत्र सं भु अर्ने म अधिर तमा लय र मा सुमा से प्र नि लयस परु दुमा स मायस नभुममःनिट्यार्धेन्यमुद्यायदे स्वायाण्या निवायाया नेदीया स्वाया तस्रमः बिट मार्थे के र्वे द भागा दुर्गा भित्रे । स्वा मी श्रामा द भागा दि द । न.बूर.भेश.रिय.रेय.क्य.रटा भेश.त्.रि.चर्यु.ट्र.चेता.रुय.सैवा.की.रिया.यक्य. या वित्रयाम्यायमुद्यानेदाम्येत्याय्यायायायष्ट्रपा यतायुमामहेराणीः भैगागिरेशसुः हों इपागिरेशसुः हीं इरायं। हिरायं। प्यापरायं हेपरायं। है। र्चेर ख्रा अम्बेर पर ख्रु इमाय गर द्वा श्रम्य गिरे दुं प्रय रें र बेर पर्स्य। र्टायन्ते यो नेयायान्टान्य मी क्षात्र स्थया द्युत न्द्र यो द्वि में के या केया सु भेर्पराणुरा र्वाराणी द्वाराणी अप्यार्प या सुराभी या से राया प्राप्त सुरा यमः शुमा यमः शुष्पायमः मान्याः भी प्रभीयायः परि प्रमायाः पूर्वे प्रया शुम्पायाः स्रोते स्रोते स्रोते स्रोते स मायाद्रमान्यायो प्रमायायो प्रतायायायाय । चम्द्रिया श्रुश्यश्चित्वदेश्चेत्वस्य मान्यत्भियान्यम्य द्यादर्वेर्यस्थे ह्रिज्ञेर्रा वित्रभेभभवविष्यम्भ्येविर्या विर्ज्ञेर्व्यव्यक्रम्भूक्षेकर्। नगय नायश क्षेत्रा नदे मालक है। निर्देश गुन गुक गुः माने र गुर भये। निर क्याबेशबादीःश्वराचुरात्वा सिरासीत्रात्वेषाचाया । बार्श्वराद्वाचाया यार्लेट्रा विषयायम्बर्भ्रहें हे गुर्क्ट्रियाद हुर द्रा विषयायस्य में स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स यदे या मुक्केरायम मुद्राया परि देश अर्केमा दमाय मुद्राया भी । दमाय मुख्या दमा मी'न्तुरु'रु। अर्कें प्रमानिहें रायानहतायम मुर्या । यज्ञती त्र रायम हैं है थी । भ्रेम्यम्भवन्ययम्मवयान्यान्। । र्रे हे श्चेयागुटान्यामी सेस्या । र्वेरानुये वटा रु: श्रें वा सु: विटा । यो मेश सी: नामाट यो वा रो। । यो मेश टें में विश्वासान सुवा । कमाश्रायासाधीत्रकमाश्राज्ञायासीत्। । दत्युःसराद्रसमाश्रायासाधीत्रार्दे। । मादार्के द्राया वर्चेराणेभेश्वासर्वेदा । वर्षेत्रामान्याचुत्वचुराक्षेत्वा । व्युन्त्रस्थायाः वर्षेत्रः गठिगागमा । त्रुपुरत्तु पार्ये प्रदाने । प्रम्याया प्रम्याया मूर्याया भूरा पुराने या यद्यः क्रिंमः ज्ञैयानावया च्या क्रिंयमः ५ ख्राना ५ खा तुः मुः नाम्यान् या हा ख्रा हुः साख्र हुः ले स् है। र्प्ययाणुसार्ह्नेस्रयायरालुग्यायदे गुप्टत्या गुर्सेस्या श्वीर्यात्रयास्रीतः यमःश्चेत्रायान्त्रात्या अग्रीकायाक्षाःश्चेतायाकाःश्चेतायाकाः श्चेतायाः श्चेतायाः क्याक्षेप्यमञ्जेष्यायाकाष्यप्राच्याया क्षेप्याक्याम्यप्याक्याम् हेमाञ्जेषायाकाञ्चन ठिमा भ्रेश प्रति दमाय प्राभेश परे भ्रिट द्रोर भेर 'चै 'क्षेत्र भ्रेश चै 'प्राप्त पर के' न्नरमाशुभायदे दें चें धेन के मान्यस्ता हिन है मादे न्हें वा दें ने मेश्यस्याधायामेन्द्रम्याचीयापदीप्तयदाया मेश्यस्याधीम्बर्धाप्तयदान्त्र नन्द्रपादेश्वा शुक्रसेंद्रपाधेद्रणु द्वास्य स्वासेस्य स्वास्य नयम्यायत्मा केट सुरमा स्या सुमर्भेट साधिम यामाट सूट गुमर सूट र सूट र सुट र सुट र

र्ष्टिन विनयः मर्द्वेते नगतः देव मुया । गर्दे में नगर नस्म स्यागस्य में ना । दे देट देन केन प्रकेष प्राप्त । प्राप्त देन मुग्न देन मुग्न प्राप्त प्राप्त । प्रम्पम्य प्राप्त । क्ष्मिंबाचाबारा ब्रेटामाराच्या व्रास्त्री वित्राण्ये वार्मान्या व्राप्ता वित्राण्ये वार्मान्य व्याप्ता व्याप्ता वित्राण्ये वार्मान्य व्याप्ता वित्राण्ये वार्मान्य वार्मा <u>५८.५मा, भ.माध्रेयाणी, जैयातर्र्</u>राक्षेत्रात्तातीयाती, क्षेत्रात्तातीयाती, क्षेत्रात्ताती, क्षेत्रात्ताती, क्षेत्रा व्हन डिमा क्षेरायदे नमद नमद नमा दे भिन्न है न कि रहे न के स्थाय महिरासहरू दे प्राप्त महिरासहरू के न ने प्रवित्र द्वा देव परि मी अया पर पुषा पाया अवर हुए ये अया द्या प्रया पुषा नतुःल्ट्रा हुँ र हूँ चोबा नतुः लेखें को भी स्टा बैट की स्वा का रेटा वा हुँ र नतुः खेबा ठक'र्टा रेवेर्रुब'हैर्'क्ष्युम्बाङ्क ठेम्'क्केब'यवेर्मवरमर्टा र्वेट्य हेर् मिहेशर्रेगिरु। बुग्रायिर्दिन्ग्राययायस्य उत्सूरियामिहेशर्रे देन् बेर्ययमिष्ठभाशुः बेर्ययपे प्येत्रभा बुद्य दिषामी मी प्रयद्य अर्दे क रुप्ते रे दे रे र्वेयानु र्ने क मु र प्राप्त विषय प्राप्त के किया मु मार्थ प्राप्त प्राप्त विषय किया मु मार्थ प्राप्त विषय किया त्रिं स्थित लित लियायायाया । द्विमाया गुरु त्यया इस में वा नरा । दे दित हित

भेता भिः र्युम्यायान्दाया निष्याया । निष्यायाया । निष्याया । निष्याया । निष्याया । निष्याया । निष्याया । निष्य मुना मिरायानेना मुन्या मिरायते एक तम् विष्या मिराया म्वेष्र-दे.वीयात्राद्विमा । ह्र्ष्यात्रात्राक्ष्याः देला त्यात्यविमा । देह्यायीया देशा क्रमार्स्स्यायदी । वित्रिच्याहमारु पश्चित्र स्था । यद्यामुयागुन ग्रीयासयुन यरमाशुरमा । अर्केमा मुःहमा यदै चागद धेन र्ने । श्लिच दर्भन श्लद प्रमा से चु है। । यरे मानेमाय याप प्रयाप द्वारी । दे यह विवासिय वया सुवा स्थापा । हेशयानहित्यरकी नुति। विभवाउन इस्ययायानुस्यायते सेस्य। विसायता टेश'यर श्रुटश'शे'व्या विट क्वांशेशश'हे र्दर शेवा विट मालह केश या शे श्रुट र्ने। प्रिंट्यस्यस्य स्रीत्रसेस्य उत्ता । ग्या न्या किर के नस्त्रस्य स्वा । प्या किर स्टर्भि द्वा विकासमार्टि में सुन के निया विकास के निया विकास के निया के निया के निया के निया के निया के निया के मुश्चरा विकायार्वराच बराधी पुर्वा । प्रमास्य सेमयार मासू भी पुरा । मिना मु न्याक्रिंगानभ्रेत्रायमानु। वियासनासमान्वतानुन्येन् स्यया भ्रिंतानुः हेयाया श्रामह्रेर्द्र। वियापर्वेरःश्रॅ्राश्रंवाश्रामु लिया वियापर्वेरःश्र्रामा श्री । हमायर कुत्र द्वायर स्वाय पत्त्र्या । हमा दुः द्या केंगाया सेवाय प्रेता । वाया हे तु अ र्रेड् परे प्विता । प्रमें केंग प्रमा भेर प्रमें शुरुता । दे कें प्रशेष प्रमें रेश चुराया । यरे मनिमारा इसराया हैमा या यनमार्था । देटा हुँ र हुँ । या या सम् चरुषा । माट पुरेर परे पा प्रेमाय परमामुषा । द्या क्रेमा क्षा इसया दटा सहस

यम् । गात्रयायमायगुमायाचे र्वेयायेन्। । यम्या मुयार्से हे उत् पठयायय। । गुन चुर्या कें 'स्न देट' द्वट' पश्चर । विश्वयम् शुर्या ये 'से विष्य' से दि नन्गार्थेर नम्भन्य भेना । ने रेट नर्द्र यथा द्या यर मुवा । मेंट मेर अर्केना नुःस्यालुग्रासी ।देःसैटार्षेद्राण्चेसास्यामुसान्ते । वियायायदीयाचेर्ससामेदा |पदि'स्नर्धित्वे'र्याद्रार्हे'हे'हेत्रुत्युष्य| |र्यामी'द्र्यार्वेमा'से' बद्रायदे सेर नक्षेत्र'यर'ग्रीया । दे'र्रेट'वर्गे'न'नदे'श्चर'र्हे'हे'येयय'न्यत'न्दा । यर्ख्ट्य यदे हमाय है द द हिद इसस दी द यर सुरा मार्ड र्वेस हे स्ट्रिय पाय वर्से पदी। माशुट के दे द्वार प्रामीश प्रामी । विकामशुकारे रेते क्वेमशक्ष्य स्वर स्वर श्वर है। दे द्वा मैशर्नेहर्म्यायानुदाकुनानुष्येभयानुप्रमेणपर्विमानुनदार रेक्'र्से'के'र्घेचा युश्राम्माधिन्मासुश्रामी'स्चैच'यदे'चमाकमाश्रादाषुन्यदे'सुश्राया नवम निर्मा निर्मानियानी स्वाप्त निर्मानिया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व निम्यम् पुषा वर्षानु बुम्वह्या है है वक्य मी भ्रुषि वर्ष नुप्य बुम्य प्रिया न'उन'5'चुश'र्शे।

महर्म्मा में अङ्ग्यावस्थान है। सुंभाद्या प्राप्त स्वाप्त स्वा

ॐ नह् मुं भे प्यू के प्यू के

तमग्रामी क्रेंपह्मानुम्भाता नुनानायतार्धेना नुतास्री भेता सुरान्तास्र तसम्बा र जयर्र र स्वामान्त्रा मार्जे स्वर्र र र त्यमा मर्के मार्जे श्रुक् अर्मेशयवैर्वेर्मि वर्षेर्योरेन सेंकी र्नेरम्रेन्सेंकी वर्ष्म्येरेन सेंकी र्त्तेव र्ये देव र्ये के। मुद्र र्ये देव र्ये के। इसकेंग देव र्ये के। दसमा द्येव देव र्ये के। मिनेरकेन सेंदे पुराया क्षेमाया सेट प्राया मुखा मराया शे में माया नर्गार्सेशमा सूरामययाया र्रेकिनाया है'या त्रुना रेदार्येकेरेमार्गया र्येगशायशास्त्रायमास्यापदे सुवायस्त्रा न्त्रशासु स्टार्स हो न्यायायर्येमा *सु*क्रशुअर्केम्बर्यायायार्कटाचायेत्रायाम्बर्टालेटायेत्रतुर्वेटाचायत्तेत्त्वादेवारुक् पर्यार्मयार्से हे पहेम्या चुरिके तार्मि र चुया पर्मि र दुर्ग्या प्रविश्रेम्या सर वियायवे यापर देव गार्ट स्मामी र्धेव दुः विदायस्य य त्याय स्मामी विष् हैश'दर्गे' नदे' र्देन' दु' नबेश शु'मार्शेया नबेश' नश' नदम' र्शेमाश' शेशश' उन वस्रारुन्यायुग्राया है पाकेन पेंदि क्षे न्यासर्केग न्दायुन सेंदा मी न्देश गुपा भाजेशाना झैला टी. चार्श्रणी

याविः र्श्वेयाः श्रीयायाविदः भेर में मान्याया । भेर स्यायीदः यविर्धे स्थानिकः स्यानिकः स्थानिकः स्थान

र्म्म । त्रिम्म न्या क्षेत्र क्षेत्र

क्चे.च.पीय.पे.लट.रचा.ये.म.रटा विचलाम्नर.क्ष्य.क्षे.रनवा.ता.स्ट्रा.क्षेर. डिटा । याद्रायमानी प्रवादिन स्वादेशका । र्रे हे एकरामी में प्यरासुर र्चेनर्भिम । छो दं मु रू र हू अङ्गला मां के कु फ र छो। मह्मन या मह्म स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स् र्स्रमाबार्म्बार्स्रबार्च्यानुबार्मुःमाबुदा। श्रुपासर्केदाणुःलमास्चुःबार्म्बबायानुदान्तकायनुदा। यदमायश्चेदानुबाया <u> नर्गियःविट नेते र्द्धयः वे अर्केन गर्ने र र्थे गया नम्बया द्धयः नट अर्केन गर्ने र मुक्त नक्ष्म प्राप्त हैया</u> ने वया न्यान्त्राच्या स्वाराधीया केता स्वाराधीया स्वाराधीया निष्या से दि दि । मार्थेक क्षेमारा सहित सहित या देवे मार्थेक दुः हे द्या देव समार्थेक स्थापव क्षेट या विंतरमा माध्यामानेयासुयानेटान्टायमिरायी मार्धेत्रमानेयानुटान्टार्नेरानुगीसु इंर्विन्याया हेरानिन्देरक्षायां अदिया है न्यानिन्देर्या या मालबार विमानार प्रामाल्य क्षेमाबा अह्या अहराया अया मुखा कुरा माराया ब्रुयायार्वेन या ब्रुयालग्रायहेन या गुटा दुः सुराटन सेरार्यान मुराया गरेरा वामान्यामा माययायाचिन मुंगिट हिर प्रायाचिन नेतु वो र्षेमायामा देवे मार्थन

रुकेंग्रायन्मासूटाङ्कान्गराये कुनायार्वेन या मण्यामानेश्यानम्द्रियान्य न्मास्रा मर्धेन मार्रेशयास्मान्दरया नुद्राया नुद्राय नुद्राया नुद्राया नुद्राया नुद्राया नुद्राया नुद्राया नु र्भे माराया लेकाया स्यायदे विस्ति विमारका है मासुसा निर्मेश यो समा यमिष्ठेषाण्चैषामै द्वेपाय पुराया बेराबे भारति सम्प्रात्वेषाया मिष्या मिं निर्म्ययाया माययामी मामा निरम्या विरम्य विष्य मा सुर र सुर नितः अर्देमा उत्र मे 'द्रम्या प्यां वित्र या प्रमा या मे शामिश मुहार स्था पहेंदा या हिता 5 त्राचारामार भेरामा अना या अना या मान्यामा अना सामा अन सामा अना स या क्षेत्रान्त्रमा स्वापन क्षेत्राचित्र विकाया विकाय महिषा स्वीपन क्षेत्र स्वीपन क्षेत्र स्वीपन क्षेत्र स्वीपन क्राया सेरार्ये मार्ने टायि या ट्राया विकाया माणसायसा ही तुमासा न्राया से यहमाश्रामा मार्लेन् स्थान् चुमासान्द्राचम् सेटायहेन्सा वेमानुः श्रेते स्थान बेर कें यज्ञ या मानवार्या मानवार्यर प्रत्येर विषय के किया मार्जे व सुवार प्रति व या वनायान वार्रेयार्थे कार्याने दान मान्यान वार्या सह्यारुम् स्थाने। दे प्रमामी पर्यम् पुर्मि प्रमासुस मी प्रमास इसराप्ता स्थान्त्र विष्या स्थान्त्र स्थानित्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र ष्ट्रिष्ट्राप्ते कार्या में भू मार्गी पाया हुं यत सुर्वा महामी क्षेटा मान्या मिर्गानिया हुए.चान्तर सिया.य.सेर.चे.ब्र्चाश.ता.ब्र्रिश व्रिचाश.क्ष्यीट.सेशश.क्षी.क्षेट.चा.टट.शच्यीय. य'न्द्रम्द्रभव्याची'न्र्रनुस्रम्तुस्रम्न्यस्य मुन्यस्रे नरुन्येद्रमुन्यः

निवन द्रा स्र र देना मेरा द्राया रे हे प्रहेना या चेदा विया महिना सुना महिया गीरा मी गुगान्द्रार्घन्यायहेर्त्रयाधुमान्द्रयायरम्भूराचे देशायदेशम्बित्रसम्भागः ॡगर्भः तुं प्यशः क्षेत्रायि र्दे हे के गठिमाया नगर ये पेन जी क्षुमा उत्र इससा सु गुरा कें प्यमन् इं मर्ने मेपा प्यमेर्ने रुक्षे रपा पर्पे ने राष्ट्रीया पर में प्रक्रिके क्रिया पर्वे दें प्रतायत शुक्रा विषायय प्रिक में शामका में मुर्ज कर करा यासू मुखार्र राषा सूरामे र्रात्या मृसूर या ते मूर्या मार्मी करी मार्था हुं। यञ्चियानी यताखुराहाराहि माया अँखी हुः या हिः या भेमी गीर्मे दुखी न षा न ने दुं हैं यत यम हु ने हु । लेय य म्युय है या पर्या कें पर नि ने मार्थे मार्थ या या य याने सूर अर्मी युंडी मही सुधी हुंयी ख़ुर्यों ने से द्वा नम् या दे हें दुं युंडी बियायर्केनाया कें निमानिया मान्याया सामिन्या सामिन्या वियाय नर्डमःस्न केंग्राहे पहमान्त्राह्य स्थान्त्र । । निर्नात्र्यानस्न यानस्र नर लया चलेशाया । यथा ग्रीमाने हा हो आर्थी आयत तर्मी आ । त्र ग्रीट र्से में यद्या है। नचै नगाय १३ वर्षे मार्था । सु वट र्सेट नये द्यार हम सायुराया । नदमा ने से नये र बेमबाणुबायनुन् उटामकैया

माराधार कुषाया आक्रियाय विष्ण हिंदा मिनाया माराधा प्रति क्षा हिंदा मिनाया माराधा है त्या कि स्था हिंदा मिनाया माराधा है त्या कि स्था है त्या है त्या कि स्था है त्या है त्या कि स्था है त्या है त्या कि स्था है त्या है त्या

ॐगम्झ-इन्न-इन्न-विन्न-स्त्र-प्रमा अप्तान्त स्त्र-स्त्

स्थ्या हुँ मार्नुं स्वता स्थ्या हुँ स्वता स्थ्या हुँ स्वता हुँ स्वता हुँ स्वता हुँ स्वता हुँ स्वता स्थ्या हुँ स्वता हु स्वता हुँ स्वत

मूर में केरे न दश्यक्त या नुर दु में यश नुर नरे मेरे न दश्य अर्ज या न्तुषासुर्नुं प्यषाचुरानवे सेवैन्न वया सर्वन या न्या क्षेत्र पं प्यषाचुरानवे ने केन'नेम'मर्कन्या क्षेंनुन'नु'स्र्यं प्रमानुद्र'निते स्मारम्यम्बन्या नुन'नुद्र'नु यं प्रयानुद प्रति नुद से स्राप्त प्राप्त स्राप्त नुद प्रमा निव प्रम निव प्रमा निव प्रम निव प्रमा निव प्रमा निव प्रमा निव प्रम नि चति माट अम् अश्वास्त्र न्या न्युश्यासु चै प्याश्चित् चि स्तुश्वास्त्र स्त्र न्या ने नग'गे' सेट'रु'क्षें'नगर'र्से ख्रुश्नसर'र्से दुं सेन'र्से गशुस्र सेट नश सेट'रु' च हेमायायर गुरा रूट मी शुमायागादे हुं यय रेंद्र तर्सेया हुट या सेमा यय हुट मार्थेबाक्षे सुर्राचेन्यते ह्या इस्राविष्ठेन्यते मार्थेबाचर सुरा धार्मा मार्थेबाचर स्थाने वेर रेश या प्रवित दुरायर्था भुर्रे हे गशुर रे हे श्रुमाश रे हे इससा प्रामा र्नेगर्ने नुषर्णे क्षेत्र ह्या अश्वापत्र रहेर हेग्या पर पुषा और मेया अर्थे स् स्रम् विष्युयानम् सुम् क्षिष्ठ द्वी वन्त्रम् सम्

स्राप्तमः ह्रिणाः हुं स्वता अनुकानुः सङ्ग्राभा क्षेमः नुभरः स्राण्याः स्राण

ययार्ज्य मुङ्गालयामार्चमा सुमा माहेश गुरामायया से मासुसा नदामार्थेन र्घेन पा वहें त्रां या प्राचा के वा के वा का माने कर है। से से विकास में का विकास के वा वर्षिर वर्षा उर् भी है। वेर खेँ र्यार ये। अम्बेर यर खू १ रुषर ये। युगाय गार हुं र्हेर र्धेष अर्वत यम शुमा स्ट मी शुमाय गादे हुं यय रेद ने मेर दर्शिया हैं। र्चुनायायान्यस्यापान्त्रम् मुर्तेना त्यायया मुन्ति हे 'या प्याप्य पर्विस पार्टिस प्राप्त स्थान न्द्रायम् नम्म केट्रा केंगाया कुर्यायाया में सुर्म के हि है। वेम नर्हेन यम केंग्र नम्म नम्म वा ६१ दूं मं र्ने १ श्रामा १ शर् शेर प्रमा शुरा श्रूर प्रमाय प्रमाय गाये दूं यश रें र वेर न्नरम्भरन्या बेयमर्थिया नियम्भियानानन्यया अँनिहास्य भू हि रिस्तुं। वेयाग्युत्यावेत्य्याये क्या श्वीतं वया नित्या नित्या स्वात्या व्याप्या विया मित्रा स्वात्या स्वात्या स्वात्या वस्रारुन्गान्द्रेस्यावस्रारुन्निम्कुतेः भ्रमास्यायम्यायसः रेहे दमाः र्ये डे·वःतःरेरेशन्तुःचमुक्यरायः शुरा क्षेंग्युःवःरुःयःशयः रेःव्युःरःशयःयः स्वृं। शुर्वः इस्यायवित्र क्यें गुप्याकु यायायायायाया क्या क्या क्या क्या क्या व्या व्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वि नम् य देश्युद्धा कें गाया हु यदे लया द कें ख्रु हत् कें र सु है दे लया द कें ख्रु ह हूं। यानि वार्शियार्शम्याम् नित्र हे में सेंदि सेंग्यादिम प्रित्र प्राप्त स्थाय है। विया नु खेँ ख्रु ह नूं। मीय बट सर्केन प्रमुखा

नन्ग रुग न्यें तर्रे न र्षेत्र अर्केन को र्ने र न्यें तर्ग त्या त्या न र न र या स्थाया मार्वेद्र'केट'दकें'चर'चेद्र'पदे'द्रम्'चमोग्रामादुग्रा'य'ठक्'व्रस्रस्य उद्रास्य प यत्। यदःचला रच्चाम्यःचलःवस्याः भ्रमयः रःभःर्गाः द्रथयः श्चेयः र्गेषा क्राः मुपः र्मेपः र्मेषा क्राः मुपः र्मेषा वर्षेर-१८ वठशयवे विषया कुंवश क्षेत्र यवे हें हे से पठिषा य प्राप्त में वेद रे श्चु'गु'ठत'ग्रैश'गर्नेर'अदे'पदुर'घशश'ठर'त्रदश'हे'गर्शेय'पर'ग्रुरा ॐ''गू'हु' ऺॻॱॺॱय़ॱॸऀॱॺॗॱॸॱॺ去ॱॸऀॿॗक़ॱ॔ऀॸड़ॖऀॱॺॣॱॸॱॼॱ®ॱॸ॔ॱॸॣॱॺऀॱॸॱॺॎॱॺॎॖॱॸऀॱॺॗॱॸऀॱड़ॗऀॱॺ**ॴ** डेयर्दा औं ठ'सुट्टे यायरे भुरायसे भुरायसे मेसून न हुं सुराया की दं नु तीं हायाया पु हे इययाण्ची लया दुष्या या से भूष्य या सामा मे सूत्र भी हुं सूष्य पा खो दे प्तृ यो हा पा पा पूर् हे ष्युं है। कें गूं या कु या या या ये खुं कों सुद्दी हु ये। खु यें गो माड्डी वै थे है। नम् य देश्युद्धा अँ गाया सु यदे लया दु अँ खू श्हुं। अँ र सु है दे लया दु अँ खू श हूं। यान ने यार्शेम्बायाम् निवाहे में शिवी से मायाविक का पान स्वाया है। विया ५ खूँ खूँ १ हुँ। मीया बटा सर्के ५ १ त्राया विषेतायया चर्रेया चार्ते। इमा छ मार्ने टामाया ५ १ माया चर्षे न्म्या द्वं पक्र चन्या नया से द्वं स्वियाया हो । देश सा चनु व से से प्या व । र्ह्या था स्थरायदेगानेवाहे वै। विमार्याया केदामदवा सेटा वा प्यायया चुटा चदे द चुमा यकी वित्यम्भक्तियायम्बद्धान्य वित्यविष्यम्भक्तिया वयाग्नद्रम्भके याम् उम्मा विष्यायदे श्वन सद्मार्या प्रमा । भ्राभेराञ्चारा मुक्र-दु-प्रहेश। विमामिर्विक्षविम्यास्यान्यानमेग्यादकेटा। मिष्यासदीर्घुमा सक्त-पर्कृत्-चुन्नके।
स्था-प्रकृत-पर्कृत-चुन्नके।
स्था-प्रकृत-पर्कृत-चुन्नके।
स्था-पर्कृत-पर्कृत-चुन्नके।
स्था-पर्कृत-परकृत-परकृत-पर्कृत-पर्कृत-परकृत-पर्कृत-परकृ

ॐ गिक्न है गा हुं स्वता ॐ सृङ्ग स्व हुं ॐ गिक्क हुं। ॐ स्व स्व हुं। ॐ सुं। ॐ स्व हुं। ॐ स्व हुं। ॐ सुं। ॐ सुं।

मुपानामु अर्द्धेने अर्द्धेन ह्यापया मुनायदी विदायसया मु अर्द्धे अर्द्धेन प्यंत्र मु अर्द्धेते र्क्स्मा प्रिन निन में अर्द्धेते मुया पार्यो प्राप्त या । प्राप्त अर्द्ध्या मितानामि, भक्तुत्रभक्त्राह्मात्रमामितानात्री विटाप्तभन्नामि, भक्तुत्रभक्तुत्रमानम् सर्वेदे क्रिया प्रिंद हित स्वी सर्वेदे सुया नाय विसान क्रिया । प्राया सुरा सर्वेद्या मुवानामु अर्देवे अर्दे द ह्यावयामुनायवे । विदायस्य मु अर्दे दे कन मु अर्देवे क्रियाया प्रियान्त्रम् अर्केत्रम् याचायाये स्थाय विषयाया । प्रायम् अर्के या प्रायम् अर्के या प्रायम् अर्के या विषयम् निवस्तुमिर्यया । विष्यस्त्रकृषास्य में भूमा के भ्राप्ते के सुर्वे सुर्वे मुख्य अर्देते अर्दे द हरायया गुपायते । विदायसया मु सर्दे से में मा मु सर्देते देवाया । ल्या रेथा में अष्ट्रता में या तात्र प्राप्त प्राप्त विश्वा विश्व विश्वा विश्व विष हरायरामुनायदी विदायरास्य सर्वे अर्के नर्मा र्सेरास्य अर्केदे र्केम्या प्रिंद ५५ मु अर्देते मुवा न तर्षेर न उषाया । ५५ म मु अर्देश त नुवा वे पासु मार्थेया । खेँप्पःभूकृणाःषःयःरेःभूःरःक्व्रंयेःयः द्वेद्वंद्वंद्वंद्वा कुवाःयः कुषेवेदेशकेंद्रः स्वाः सक्ति मुयाना वर्षिरा नरुषाया । ५५ मा मु सक्षिय वर्षा ये निवस सु मिर्शेषा । । । ण'सूङ्गा'रा'रो'रे'सू'र'खू'र्यो'गो'रा'र्नेङ्क'र्नु'र्यु'र्नु मुय'रा'मु'सर्केदे'सर्केर्'स्य स्रक्षणात्रात्मात्रात्मात्री विद्यावस्य क्षेत्र क्

ष्ट्रां भारते हें त्यात्वात्र केता । मदा चुदा अर्केदा या केत्र के या । मानुमाया ग्री स्रा भू-राक्तुःयायाः देक्कानुं श्रुप्तृ । अध्यायकेंदायात्वानायेदा। प्रदान्नुदायकेंदायाकेनाओं या मिला के स्थान त्रिया मिला स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स यायारीयुर्मायुर्द्धार्युर्द्धार्युर्द्धार्युर्द्धार्युर्वे खेष्यासर्वेदायात्वात्रास्येदा । स्टान्नुटासर्वेदाया णभूकृणायायारीयुरामाङ्केयादेङ्कर्तुं युद्धा खेयायर्केरायात्वातायेता । स्टा विटासक्रेरायाक्रेस्स्राचा र्रास्त्राक्षास्रास्यावयात्राच्या र्रास्यासक्रिया यापन्या । १९ व्या मार्था या सामारी सुरमार सामारी द्वीर दुं सुर्जु । १९ या सामेरी सामारी सामारी सुरमार सामारी द मेरा । मरा चुरामर्केराया केमा चित्र क्षामा निमा चित्र क्षामा निमा 

૱ૡૢ૽ૺૡઌૹ૿ૼૹૣઙૡૢ૽ૺૹ૿ૼ૽ૠૣૻ૽૽૱ૣ૽ૺૹૢ૽૽ૹૢૼૡૢૹૢ૽ૡૢૼૡૢ૽૽ૹ૾ૼૡ ૱૽ૻઌૢ૽ૢ૽ૡઌૹ૿ૼૹૣઙૡૢ૽ૺૹ૾ૼૠ૱૱ૢ૽ૺઌૢૼઌઌૹ૾ૼૹૣઙૡૢ૽ૺૹ૾ૼૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼઌૣ૱ૡૢ૽ૺ ૹૣઙૡૢ૽ૺૹ૾ૼ૱ૢૢૼઌઌૹ૾ૼૹૣઙૡૢ૽ૺૹ૾ૼૠ૱૱ઌૢૼૹૢ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼઌ૱ ૱ઌૡૢ૽૱ૢ૽ૺૹ૾ૼ૱૱ઌ૽ૼૡઌૹ૾ૼૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼઌ૱૱૱ઌૹૼ ૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼ૱૽૱૽ૺઌૢ૽ૡઌૹ૾ૼૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼ૱૱૱૽૽ૺઌૢ૽૱ઌ૽ૺ ૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼૹૼ૱૱૽૽ૼઌૡઌ ૹૣ૱ૡૢ૽ૺૡૺઌૹ૽ૼૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼઌ૱૽ૼ૱ઌૢ૽ૺૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼ૱૱૱૽૽ૺઌૹ૽ૼ ૹૣ૱ૡૢ૽ૺૡૺઌૹ૽ૼૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼઌ૱૽ૼઌઌ૽ૼૺઌ ૹૣ૱ૡૢ૽ૺૡઌૹ૽ૼૹૣ૱ૡૢ૽ૺૹ૾ૼઌ૱ઌ૽ૼઌઌ૽ૼૺઌ

चश्चरः तः स्वेचाः तक्तः चर्स्न् । सिचाः र्न्नाः हें हुः हुः हुः म् विद्वाः चाचित्रः हुः चाचित्रः विद्वाः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चाच्यः चित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाच्यः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चित्रः चाच्यः चित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चित्रः चित्रः चाचित्रः चित्रः चित्रः चाचित्रः चित्रः चाचित्रः चित्रः चित्रः चित्रः चित्

यश्यान्त्र्राया हिंहि सुर्द्राया अद्यान्त्र्राया हिना विषय विषय स्थान्त्र्राया हिना विषय स्थान्त्र्राया हिना विषय स्थान्त्र्या सुन्द्राया हिना स्थान्त्र्या सुन्द्राया हिना स्थान्त्र्या सुन्द्राया सुन्द्

म्ब्रिंग्यम्ब्री द्रम्प्याची द्रम्प्याची न्यर्ट्रम्प्याची न्यर्ट्रम्प्याची न्यर्ट्रम्याची न्यर्ट्यम्याची न्यर्ये न्यर्थम्याची न्यर्ये न्यस्ये न्यर्ये न्यस्ये न्यर्ये न्यस्ये न्ययं न्यस्ये न्यस्यस्ये चेर'रणैय'यर्षिर'दी । हिर'यहेंद्र'यर'ग्रैय'र्यर'येये'गालु'क्ष'त्। ।रय'यर्गिर' नर्भेभशर्पराभर्केर्पर्भेर्पत्र्वाश्चर्यम्थाणी । स्थर्पारात्वापेर्पर्पराप्त्रा स्रमा । अर्केमा मुन्नमा नामा दिना नामा । निर्देश मुना स्रमा । निर्देश मुना स्रमा । मक्तारमो नदे नमेश । मक्त केर स्व प्या है या सु दि सम्मेन । केर दि क्रिंग्नमुन्नुंश्यिर्रेवा सेन्द्रा । विवित्रान्ते सुन्रेवाशनुगासूवा स्टाप्त न्म। दिमान्यानुदारुवायर्केमानुःयेययानश्चेदादे। धिनुद्वार्श्वेदाययान्नमानुः दर्वे नम्भेन । इस्र नम्मिन्द्रिक् नेदि क्रें निस्र मुस्र मी । निस्र गुरु नगुरु सु निहे यार्चेन प्रवित्व । प्राक्तिंग र्ह्या पार्थेया यो प्रवित्वया प्राप्ति मा । प्रयुप्त प्रवित्व यो विश्व प्राप्ति य यमःग्रीःर्भूनःग्रुमः स्रिःवेःचमःर्देवेःस्रुमःगामःस्याकेषःविद्याः स्रिःगस्रमःर्दनः नकुते र न त्रेर पेर पा प्रक्षेर रेश वय से बुक प्रकेर पर्से सम्प्राया । हैंगर्अ में अप्यासी माने के स्वास के स क्रिमाया । त्रयायायायायायायायायां न्यायाया । त्राविसामाया । त्राविसामाया यर नग यदे अर्केन हुक चुर्या । यर मी कुन के प्येर श श्रु श्रेक यर में ग्री । ह्या श

मिष्ठेशर्देन भूरमिर्दिन नश्राप्ता प्रदे प्रदेश । प्रदे केन रूट मी श्रेश्याप्त रे माञ्चाना जि.नेशक्र्याशक्र्याशक्राच्यायक्राचित्रः स्वित्रः सित्यः नेता वित्राम्यवायाया सी क्रिंशभु र्वियायम् र्विमा मानुस केत्र मार्वे दास है साद्याय स्वार्धि र्वा पर्य द्या । विद्या सु'नर्भेर'नदे'हैट'दहें त'यामिर्वयानस्। । नर्द्र'द्राचमीम्बर्भमास्त्रम् सेदि' स यमागाना । अप्राक्षित्राक्षित्रायानु । स्थायद्येन । स्थायद्येन । स्थायद्येन । स्थायद्येन । क्रिमार्थायनरमाल्याप्यरामदा। । इस्रास्ट्रास्यायरादमायदेग्यदमान्त्रेदाउन्। । इस्रायमायक्षिरायसासामालिटा श्वीत्राप्ते। विस्राप्तायो विस्रापिता वगुनर्भेग दिरकेगुरम्गुअञ्चनर्भेग्वर्भग्यायविता क्रियोर्स्हेरहेन्द्रिन्यदे र्यात्त्र्रम्ब्रा विमर्द्युश्चित्यः श्चित्यः श्चित्यः श्चितः वया विषान्तरे र्यात्या भ्रंशूरा ५ त्यु पारा भेवा । त्रु १ या पें त्या अळ त्र भ्रं हेवाया पदी । देया प्रयाधा थे चेत्रातिलाश्रम्थितिटाला विस्थानी म्हिर्ड्यानपुर्यात्र्रेम् क्या क्षिर्द्या उता । मर् हिर् सेस्या न्यवाम् सुर् ची मन् मेना किरा मेना सुर मेना ब्रिंग्यते इतातर्रेम ग्रैया ब्रियायरे ह्रीन ग्रैयाया ग्रुया प्राप्त ह्रीन ग्रीयाया ग्रीया प्राप्त ह्रीन ग्रीयाया ग्रीया प्राप्त हिंदा है । र्बेर'मद्धर'र्ने'अ'गुन'श्वरशो । रमा'यये'हेन'रर'महेन'यर'हमा'यकर'म। । मालन र्नेन सुन सुरा र्केमाया भारी मानमा हिन रहता । निर्माया परिस्त सुया सर्केमा हिन यहें न अयर मुने भेषा भिन्द प्रमुख पर्हे द अयर मुने प्रथम पाइन दिया र्शेग्राश हेत्र पर्रोय प्रायुय पर्विस सेश या । प्रायेत हत्य वि र्शेग्र्य स्याप्य हार्य

गुरुर्गुन्ययो । प्रश्राणु मुयार्थे अर्केमार्दे रम्मुन्य । वनायसार्देसायाः धिमानद्राची देन। । अप्रायास्यापर्चित्र इस्यापानि । हिंद्रापामासुस्र द्रा चरुषायदे यथा चरामेषा सिंगिश्या सिंगिश्यामें तयर हे पर्टर हें पर्टर हें वा पर होंगा सिंगा यते'दर्मिर'र्ये'दर्ने दृष्टु'या युअ'या । शेअअ'मर्विय'हे अ'म्विमा' न सूर'रे अ' भक्तामिशकी वि.के.मै.च.से.मारुष्ट्रामान्यमानात्त्रा ।त्रामान्यमानात्र्यमान्यमाना निवाय प्राचे क्षे प्रमाने विषय क्षिय कि स्वाप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विषय क्षेत्र क्षेत्र विषय विषय भ्रेग'यरे'यम'भेर'यार्श्रेग'र्वय'र्वम ।सुर'यर'य्वेन'ग्रेग'यस्यापदे'स्य'दर्वेर' मुर्या विट्या हियामिलिया प्रथमानिक रेस स्वाप्त विया मुर्या के या दिया मिलिया मिलया मिलिया मिलया मिलिया मिलया मिलिया मिलया मिलिया नवे वन्य अवया अभया । विभयः द्रोत अवर वुगः है द वहें त द्रेत पर विग । वक्रेन्स्याहे प्रवित्र सुदास्ययायायाया । भ्रिटाम्य विसायवे वित्राम्या ने भ्रिटा यथा । निवीनयाण्ची स्वापर्वे स्थापर्वे स्थापर्वे स्थापर्वे निवास्त्र निवास्त्र । विवास विवा ह्मायायम्प्रिम । नियम् स्तिमानु सम्मानु सम्मानु सुम्माने स्त्रीमान्य प्रमानि । शुकुपहें त विष्या प्रवेश । श्विष्या पर्ये समार्या प्रयोग यो विषय । यमप्रहेन यदे याचे न दुर्य प्रमेन वित्र में वित्र में भिन्न के या से या पे किया वित्र से प्रमानिक वित्र से प्रम मक्य. रम्बा नम्बेय. तपुर्ण्ट्या श्री. रमा. तपुरी भी । र्र्य. रमा. त्री. माया. श्रीमाया. र भरेशार्ह्येरायद्ये। विटारीतहमातद्रास्यातर्मेराभक्षातमीयार्च्या विभागायदाहर श्चित्रभुः त्यत्मा १३८ रहता । वा श्चित्र यत्त्र स्व में प्यम् अर्दे व श्चर व व ।

अघतः नगायमें पर्ने में प्या है ने का अपने केने केने स्वाप्त में निया । अपने केने का स्वाप्त केने स्वाप्त केने र्भेमा डियानगे नानर्हे बिटा क्ष्माकर क्षेत्रयानमा यस नुप्तरी कुमाकर क्षेत्रयानमा यस नुप्तरी कुमाकर किया मान्य याया यातु पूरायाया यासूकृणा है र्के पर हिहा दी हैं से मुखा सुर्ये हैं से मुखा सुर र्ने हें भे मुना षानु रमें भे मुना यम ये हैं हो साय ही यम गार्मु यु रंभी रहें नेपंगुरुद्वा ५५५५५६ इमायना प्यमूङ्गासूर्येस्ह प्यमूङ्गा द्वाया त्रु'र्भ'र्भ''या रेष्ट्र १ दे पत्र वेषायम् विवायहिता से र्हिना द्राया विवायहिता से रिवायहिता से मिट'यट'यदम'र्त्ते र्रेट्य'य'येया वियन्त्र्यानुयानुदाः वर्गट'यग्नैय'या मिट'र्युर' युशरुम् श्वराधिम धिम । अर्गेम र्षिन ने गुम नर्वेन प्रमास अर्दि । अर्डेन र्र्धिया <u> शुःभ्रभेषात्ता । माराधरातुषायाभाभक्षेषायथा । प्रतेरावीयामारावधिषा</u> या । ने गुरु र्षिन ग्रीयान वेंन यह न से माया क्ष्मा यान्य है कर यान्या । कें माये यम्यमान्त्रस्याप्तरा । प्रमामीयायहेरारेया के सकेयाया । देखरायां वि यम् अह्र दे मार्श्या । ये अर्टा पर्ट्र के के प्रति प्रति के प्रति मार्चे के कि मार्चे कि मार्चे के कि मार्चे कि मार्चे के कि मार्चे के कि मार्चे कि मार्चे के कि मार्चे कि मार्चे के कि मार गुः क्षेर्यम् अत्विर प्राचिर द्रम् अयाया श्रुम् अष्टित स्वर्था यहेर चदे ख्रम्या हे यह द पदे दर्ये द यथा क्षेत्र यथ दे जुया यश्च प्राचिया या बेंबबारुन्यान्ते क्षेत्रत्वुदानाद्दा एत्यारातुष्यान्त्रावार्थेवाबाबरायुरा न्यायापदीयवदान्दायात्रयायदेश्येयया उत्वयया उत् ग्री केंग्या महिया है ग्रास्य

क्षेत्रमान्नेशः चुटः त्रशः शुरः 5ः एह्सः ८ स्याः मानितः हेः मानितः चीः मीः एसटः रेतः सीः केः कें प्रदेशेतः प्रार्थेतः सर्भास्त्रम् सहितः प्रार्थिता वर्षाः वश्चेतः सुर्वे स्थान्य प्रदेशिष्णश्चा

नमें न तर्ने भी शुरु न नम्म निम्ने से मिने न से प्रमुच सुर नमा पर्मे न मार्डमा गुरासा सुराया । मित्र गुराया पर्मेत् सम्माने निर्माता पर्माया पर्देश मुन्य अर्केमा र्रेश्यायमाया । हिटायहेन गुन्यु गुर्याय र्रेश्या । येथया गुन्य रे पर्ने न्यम । निर्देश मुन तु न के न पा हिंगा । ननम पहमा मम्या के स्न ह तूं नह सुः नश्चनम्यते हेन ५८ नहेन पर नरम्य पति ५ मिया पर्वेर दे ५५ नु न न रयान्या कें यह स्वास्त्र स ष्ठिर ग्रै सेस्या उत्र र्देन गुन्यहर्ग हिया सुरास्य सबुन यदे र्देय गुन र्स्या । यद्य मुश्याप्यानुगर्भवाशान्याण्या । श्रुरायदायम्बरायारा स्राह्या खेँ ख्रुः नह्रं सुः देहमारा हेत्र यया पद्यायपि सर्मेत् ग्री पो मेया या मेनाया द्या किमाया नन्गान्नेन'याचिमा भर्मेत्र'माल्वत' इसस्य मान्यासु'मानेमास' सम्युमा हेस यर्हेर्-इटा यमभम्याः भ्रेंन्यम्यन्यां यह्मायायार्भम्यन्यानेगम्याम्भेयाः श्रेष्ट्रास्य **र्षेष्ट्र** १ द्वेष्ट्रा लेयाययानु हो गार्ने रायदी कें गार्ये। श्वरानी अयम उमार्यिन श्वराप्तिम निर्मा निर्मा लन्नावटायाचेमा मालयालनावटायां मान्यायाचेमा यां मान्या मालयालमा र्रायाचेमा र्राप्याकेमार्यम्याप्याप्याप्रेम्याचेम्याचेमा योन्या बेसबाद्यतः हैटाटे प्रहें के बेसबाद्यपायी हैटाटे प्रहें के बेसबाद्यते विनयाणुखुः के 'कृ 'वा क 'के 'कृ दे अर्थों में 'वा अर्थे 'में त्तु के अपा तु के अपी मा वे पाया

विमायोक्ष्य प्राचीमा कुर्रे पेपारकी र्वेम्याया में रायम सुराय है सावहें राउटा व्यवस युक्रमार्क्यम् भ्रम् भ्रम् भ्रम् वित्रमा मेर्टि पार्टी प्रति हे'यहेमार्याचेदास्राधितार्याच्या अविदानमान्त्रामान्त्रम् यप्टेंन्यप्रमान्यवस्य स्थानिक्ष्याय स्थानिक स् मिष्ठेशसुःहीं सूरामं हिते स्वरारं। न्ययानरामं हे नरसं ही र्चेरखेँ। लिया है। दे दि स्थान्य प्रति दि स्था स्था स्था स्था स्था स्था से से स्था से से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से गीय तिबा की रेट इंबाब की यर्वा होट रेट यंबाब अपने या प्रतिबार की हीट जाय ही स्वाप ही राज्य प्रतिहर मोर्ट्रेम् अः क्षेत्रः चुक् चुका चक्क्ष्याया । या घवा एटा ५८ व्यवा या माने क्ष्या ना हिका सुनि । व्यवा एटा चिका स्था सुनि । वया क्षेत्रमयः २८.५२थात्र, पर्याः भेटाक्षेटा यदिः भेटा द्वारा प्रह्मेया मान्या स्वारा प्रत्या प्रत्या प्रत्या स यः वी वा चर्या भी द्रवा पर्युर र्रो १ १ वा पर्य के स्थर प्रवेत रेश मुराप्त स्था पर्य स्था विवाद पर १ वा पर विव ४यानवे स्वावर्त्तेरार्स् वरेरात्स्यास्ययाम्युप्यायाक्षराङ्गरार्द्वेरानदुरावेराद्वेराव्यामस्याया ह्मट्यते द्यापर्वेर र्रो प्रुबाणी के द्याप्य सुरायते स्मयसाय बिताचे द्यापे द्यापे द्यापर्वेर र्रो दे स्मय स्वत मुन्नात्राप्त्रम् विष्यात्रम् विषयात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्र

वयान्यस्पर्त्त्रा पक्षा । व्यान्यस्पर्त्त्रा । व्यान्यस्पर्त्रा । व्यान्यस्पर्त्यस्पर्त्रा । व्यान्यस्पर्त्यस्यस्पर्त्यस्यस्पर्त्रा । व्यान्यस्पर

स्वःक्ष्मश्रान्ययायायिष्ठः हे या विने त्याः विश्वः विषा । यत्तः प्रवाः विश्वः विषाः विश्वः विषाः विश्वः विष्यः विश्वः विश्वः विष्यः विश्वः वि

र्श्रेन्यास्त्रस्थाः र्र्वेन्याः स्वायः स्वयः स्वय

क्ष्यास्त्र सुम्राक्ष्याक्ष्या स्वाप्त स्वाप्

प्ते प्रणाप्ते श्रापते प्रणापते श्राप्ता भ्रमा प्रणापते प्रणापते स्वापते स्

तम्याः श्रीम्याः विद्याः त्राम्याः त्राम्याः विद्याः विद्याः

द्विट्ख्टा | ब्रिट्चार्याट्युंस्यास्याट्टाच्च्यायी | य्वट्यंयायाच्च्यायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व्याप्तायः व्यापतः व्याप्तायः विष्तायः व्यापतः व्यापतः व्यापतः विष्तायः व्यापतः विष्तायः विष्

## न्याः विश्वः विष्याः विश्वः विश्व न्याः विश्वः विषयः विश्वः व

र्ययार्रे हे प्रहेमाया चेर चेर ख्राय रु.मासुमायपि सुया घराया है। मार्ने यार्थे द्वारा यार्थे प्राप्त प्रमाणा यार्थे र्इं न र्हे हे ग्रामाश्रमाश्रीशामाश्रामुयानया ग्री मङ्गे हाया नहें शासु गाहुमाशामायश ग्रुटा नायी ने पाहु निर्मा यामहन् भेन है। दे प्यटा कुर कुर पेन प्यन में मान दुन कुर के प्याप मान है या यस में या या या पेर के या पर मान या यत्तरः युः याधेकः यदेः क्वुः अळ्कः ५८ः। मालकः श्चुयः घयषः याधेदः क्रेषः यदेः खुट्षः ग्रीषः देषः यायश्चेदः याधेकः हुः मायाके नवि इस नविमार्थेम् राषु वकत् प्राया देरा देशायर नव्या नरानुवे चित्र तुर्वा समाने राणु राषा हेवि विवास ह ब्रिमा विश्वासुमाक्ष्राधार्थे त्योत्रास्त्राचेत्रास्त्रवास्त्रा विभायते वास्त्राम्यान्यान्यान्यान्या । विभायते वास्यान्यान्यान्या । रे.पर्वैर.यर.भर्यूट.यंबाक्रीया विशारचा.यंबातावा.यंबातप्रेय.पर्ययत्तातावा विदायपुरच्चा.यंबातावा.लंबातच्च्. ८८.कच.उर्नुब.सूचीबा.ची७४.तबा.उचीट.च.क्षेत्र.ची ८तता.क्षेत्र.ची.सूट.ची.तीचीबा.सूता.क्षेत्र.कूचा. <u>नश्चैम्बर्सुःनर्गेद्रयः ५६सः णुटः विस्वराम्बुसः केंसः ग्रीः मुक्षः र्यः वृत्तः स्वरं र्वेदः विद्याः स्वरं प्व</u> <u>५८ॱचठमःयतेॱभर्नेॱॺृष्णमः</u>णुःचसूत्रयःभेतःर्येःकेःवर्नेःश्रेनःर्सुगमःनुमःगत्रमःस्रम्यमःश्रमःयरःठनःउन्भवेदःसुमःवाः युन्देत:पुःग्वन्धःयमःश्वरःकेम न्ययःर्रेहे पहेम्थःक्षःयसुःगसुस्रःभवे केंग्वाःकःर्वतःयःपर्देनःयने प्याःसंर्थेनः चल्निन्त्र मुर्द्राचरासून्दर्गेषायाषाषठेषार्थेत्। तेन्युनाहे चर्ड्नाहे पक्षाके केन्या विषयायार्केषाण्यापारा रम्यान्चरार्म्। अर्क्नाप्ता अष्वकाळेकार्ह्राम् मुन्युअयामायाम् मुनाद्वयाम् अष्यामुयाद्वयाम् अष्यास्य विष्यास्य <u>८६मा ७८ ज्या अरामा १ अरामा १ अराम १</u> वर्रेन क थीमा मुख्युम्म या इसमायवर यम पुरमे हो। वर्षे वा प्रमें मार्थे र मर्थे र मर्थे र मर्थे र मार्थे प्रमायविष्ठ स्व, तं. प्रकृषाक्री भागता विचा क्षी क्षायता विचा क्षी क्षाया क्षाय क्षाया क्षाय क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाय क्षाया क्षाया क्षाया क्षाय क्षाय क्षाया क्षाया क्षाय क्षाया क्षाय क् चलेक् हेशःशुःच तुरः श्रेः ५०१०२ र्चेरः ग्रीःखरः गाः अ१० तुमाः यरः यः ०४४ ग्रीः हें ग्रयः यथकरः युक्तः हे। वर्षे देन प्रतुकः व्यक्तः तुरः वह्ना र्रे हे वकट केंद्र येंद्र में वयट श्रुम पुर प्रेंच यदे सुम सुम स्वा महा हो हो है है विकार केंद्र से क्षा ८८ भिमार्केर क्षे शुट पार्भेर टेब प्या मानु र्वेर मानवापार मामीय भी प्यार ५८ केर पर्वेर पर्वेर प्याय हिना ।

त्यरः चुटः र्श्वेन क्ष्मा र्वेश पर्ट्र रे रे र्श्वे र्रं प्या प्यथा हिन प्या प्रथा । र्वेश पर्ट्र रे रे रे र्श्वे र प्या प्यथा हिन प्या प्यथा । र्वेश पर्ट्य प्रयो प्रयो प्रवे र प्रयो प्या प्रथा । र वेश पर्ट्य प्रयो प्रयो प्रवे र प्रयो प्रयो

र्गे.र्चर श्रेच.र्में र.मूंग.रेज.रुग्र.प्र्यापरा

वस्यादेन नभ्रमानर्जे या मिर्श्या या कुर्ने